अधिकतम : 22° C
न्यूनतम : 11° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, शनिवार 21 फरवरी 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 195 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन शुक्ल पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 3 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

अमेरिका डील पर सरकार चुप्पी तोड़े और सच्चाई बताए: अखिलेश यादव पेज 2

श्रीलंका 'ए' महिला टीम को हराकर भारत 'ए' एशिया कप के फाइनल में खेल टाइम्स

युवा स्वर और मातृभाषा: युवाओं की आवाज बने आधार सम्पादकीय

सेना प्रमुख द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलिया में सैन्य सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा पेज 12

तीसरा रोज़ा

तमाम बुराइयों पर लगाम लगाता है रोज़ा

मंजिल पर पहुंचना तब आसान हो जाता है जब राह सीधी हो। मजहबे इस्लाम में रोज़ा रहमत और राहत का रहबर है। रहमत से मुराद अल्लाह की मेहरबानी से है और राहत का मतलब दिल के सुकून से है। अल्लाह की रहमत होती है तभी दिल को सुकून मिलता है। दिल के सुकून का ताल्लुक चूंकि नेकी और नेक अमल से है। इसलिए जरूरी है कि आदमी नेकी के रास्ते पर चले। रोज़ा बुराइयों पर लगाम लगाता है और सीधी राह चलाता है।

संक्षिप्त समाचार

वंदे भारत पर पत्थर फेंकने वाले दो किशोर हिरासत में

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस 22489 पर गुरुवार दोपहर हुई पत्थरबाजी की घटना के मामले में आरपीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने दो नाबालिग बच्चों को हिरासत में लिया है। पूछताछ में दोनों ने हरदोई और कौड़ा स्टेशन के बीच कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के बलोखर रेलवे फाटक के पास शरारतवश पत्थर फेंकने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि पत्थर लगने से ट्रेन के सी-4 कोच में सीट नंबर 60-61 के पास खिड़की का शीशा टूट गया था। घटना के समय ट्रेन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी सवार थे, जिन्हें लखनऊ से मेरठ जाना था। उनके ट्रेन में होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गई थीं और मामले की जांच तेज कर दी गई थी।

विनोद जाखड़ बने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बड़ा संगठनात्मक निर्णय लेते हुए विनोद जाखड़ को अपनी छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इस संबंध में शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्णय की जानकारी दी गई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने विज्ञप्ति जारी करते हुए यह जानकारी दी है।

बंगाल एसआईआर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में निर्वाचन आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद के मामले में सुनवाई की।

कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कई अहम निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि न्यायिक अधिकारियों को राहत दें और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करने की दिशा में काम करें। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के लिए पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति न करने का भी संज्ञान लिया। कोर्ट ने कहा कि जिन लोगों के नाम तार्किक विसंगति सूचीमें डाले गए हैं, उनके दावे और आपत्तियों का फैसला अब सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे। कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा है कि वे इस काम के लिए न्यायिक अधिकारियों को उपलब्ध कराएं और जरूरत पड़े, तो पूर्व जजों को भी नियुक्त करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी इस काम में लगे सीजेएम (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) को हटाकर अन्य उपयुक्त न्यायिक अधिकारियों/पूर्व जजों को लगाया जाए।

कलकत्ता हाईकोर्ट से कहा: एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें

बाबर के नाम पर मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अधिकारियों को भारत में कहीं भी बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद के निर्माण या नामकरण की अनुमति देने से रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ ने इस मामले पर विचार करने से इन्कार कर दिया। याचिकाकर्ता ने बाबर को 'आक्रमणकारी' बताते हुए तर्क दिया था कि उसके नाम पर किसी भी मस्जिद का निर्माण या नामकरण नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने चूंकि इस याचिका को स्वीकार करने से मना कर दिया, इसलिए याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। इसके बाद खंड पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

शिवाजी जयंती पर हंगामा, कर्नाटक में जुलूस पर पथराव

बागलकोट/हैदराबाद। देशभर में 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। इस दौरान कुछ राज्यों से हंगामे की खबरें भी आईं। कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान पथराव हुआ। इसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। यहां भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 163 के लागू की गई। हैदराबाद में गुरुवार रात मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दो समुदाय के बीच विवाद की स्थिति बनी।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने किए ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ रद्द

अमेरिकी अदालत ने कहा: ये फैसला अवैध, राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं

वाशिंगटन, वार्ता

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने ट्रम्प के दूसरे देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध बताया है। साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। ये टैरिफ एक आपातकालीन शक्तियों वाले कानून के तहत लगाए गए थे। कोर्ट का यह फैसला ट्रम्प की आर्थिक नीतियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यह मामला ट्रम्प के एजेंडे का पहला बड़ा मुद्दा था, जो सीधे सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा। दरअसल, अप्रैल 2025 में ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए दुनिया के कई देशों से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ यानी आयात शुल्क लगा दिए थे। टैरिफ का मतलब होता है कि किसी देश से आने वाले सामान पर ज्यादा टैक्स लगाया जाए, ताकि वह महंगा हो जाए और घरेलू कंपनियों को फायदा मिले। ट्रम्प ने पिछले साल अप्रैल में ग्लोबल टैरिफ का ऐलान किया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ हट जाएंगे। अमेरिका को कंपनियों को पैसा वापस करना पड़ सकता है। दुनिया के देशों को अमेरिका में सामान बेचने में राहत मिलेगी। भारत, चीन और यूरोप के निर्यातकों को फायदा होगा। कई चीजें सस्ती हो सकती हैं। शेयर बाजारों में तेजी आ सकती है। दुनिया का व्यापार ज्यादा स्थिर हो सकता है। इस पूरे विवाद के केंद्र में एक कानून है, जिसका नाम इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) है। यह कानून 1977 में बनाया गया था। इसका मकसद यह था कि अगर देश पर कोई गंभीर खतरा जैसे युद्ध जैसी स्थिति, विदेशी दुश्मन से बड़ा आर्थिक खतरा या असाधारण अंतर्राष्ट्रीय संकट आए, तो राष्ट्रपति को कुछ खास शक्तियां दी जा सकें। इन शक्तियों के तहत राष्ट्रपति विदेशी लेन-देन पर रोक लगा सकता है, उन्हें नियंत्रित कर सकता है या कुछ आर्थिक फैसले तुरंत लागू कर सकता है। ट्रम्प ने टैरिफ लगाने के लिए आईईईपीए का ही सहारा लिया था। अब कोर्ट यह देखेगी कि क्या राष्ट्रपति को इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत इतने बड़े टैरिफ लगाने का अधिकार है या नहीं। पिछले साल नवम्बर में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प सरकार के टैरिफ लगाने के कानूनी आधार पर सवाल उठाए थे। उस दौरान जजों ने पूछा था कि क्या राष्ट्रपति को इस तरह के ग्लोबल टैरिफ लगाने का अधिकार है। कोर्ट ने इस मामले में लंबी सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प 150 दिनों तक 15 प्रतिशत टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस कारण चाहिए। फैसले में कहा गया कि आईईईपीए में टैरिफ शब्द का कहीं जिक्र नहीं है और न ही इसमें राष्ट्रपति के अधिकारों पर कोई स्पष्ट सीमा तय की गई है।

■ निचली अदालतों ने भी टैरिफ को गैरकानूनी दिया था करार

शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को होली का तोहफा

योगी ने की मानदेय बढ़ाने की घोषणा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में होली से पहले शिक्षामित्रों को बड़ा तोहफा देते हुए उनके मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार रुपये और अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। शिक्षकों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं को विस्तार से रखते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और डिजिटल क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों की ओर से 5000 से अधिक पेटेंट की फाइलिंग हुई है, जिनमें 300 से ज्यादा को स्वीकृति मिल चुकी है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले निजी विश्वविद्यालयों की स्वीकृति में 'पिक एंड चूज' की नीति अपनाई जाती थी, जबकि छह मंडलों में एक भी विश्वविद्यालय नहीं था। सरकार ने मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय की स्थापना की और अब सभी मंडलों में विश्वविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य विश्वविद्यालयों के साथ निजी और विदेशी विश्वविद्यालयों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां नए विद्यालय खोले जाएंगे। इसके लिए -शेष पृष्ठ दो पर

■ शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार रुपये व अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा: मुख्यमंत्री

एआई समिट में उग्र प्रदर्शन

यूथ कांग्रेस के 4 कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में हुए विरोध प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में इंडियन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

एडिशनल सीपी (नई दिल्ली) देवेश कुमार महला ने कहा कि एआई समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडियन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है, और ऐसे प्रदर्शन में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के लिए बता दें कि भारत मंडपम के बाहर शुक्रवार को भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर अर्धनग्न होकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।

■ गिरफ्तार सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी: पुलिस

दबाव में किया गया आत्मसमर्पण है ट्रेड डील: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को आत्मसमर्पण बताते हुए कहा है कि यह कदम देश हित को नजरअंदाज कर दबाव में उठाया गया है।

श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि व्यापार समझौते पर संसद में अपने भाषण में मैंने जिउ जित्सु (जिउ-जित्सु एक जापानी मार्शल आर्ट है, जिसमें प्रतिद्वंद्वी की ताकत को उसी के खिलाफ इस्तेमाल करना होता है) का उदाहरण क्यों इस्तेमाल किया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर अमेरिकियों को खुश करने के लिए हमारे किसानों की कुर्बानी क्यों दी गई और उसे -शेष पृष्ठ दो पर

मानहानि मामले में विशेष अदालत में पेश हुए राहुल गांधी

सुल्तानपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को सुलतानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। उनके अधिवक्ता काशी शुक्ला के अनुसार, राहुल गांधी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत दर्ज अपने बयान में सभी आरोपों से इंकार किया। उन्होंने अदालत को बताया कि यह मामला राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और इसका कोई ठोस आधार नहीं है।

अब चिप से तय होगी भारत की नई उड़ान

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत सिलिकॉन जैसे महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों की पूरी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को विविधीकृत और सशक्त बनाने के लिए अमेरिका की अगुवाई में गठित चुनिंदा देशों के गठबंधन 'पैक्स सिलिका' में शुक्रवार को औपचारिक रूप से शामिल हो गया। भारत ने कहा है कि इस पहल का उद्देश्य वैश्विक सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और लोकतांत्रिक रूप से संचालित करना है।

सिलिकॉन सेमीकंडक्टर और डिजिटल प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है। यहां भारत मंडपम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के दौरान एक विशेष समारोह में भारत और अमेरिका की ओर से 'पैक्स सिलिका' घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए गए। गठबंधन में भारत का जुड़ाव दोनों देशों के बीच तकनीक एवं आर्थिक-रणनीतिक साझेदारी की दिशा में बड़ा कदम बताया गया है। हस्ताक्षर समारोह में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और भारत आए अमेरिका के आर्थिक मामलों के उप मंत्री जैकब हेलबर्ग मौजूद थे।

■ भारत दुर्लभ खनिजों पर अमेरिकी अगुवाई वाले 'पैक्स सिलिका' गठबंधन में हुआ शामिल

आपूर्ति को हथियार बनाने वालों का जवाब है पैक्स सिलिका : अमेरिकी मंत्री

नई दिल्ली। अमेरिका ने सिलिकॉन जैसे दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति की वैश्विक कड़ियों में विविधता और मजबूती लाने के लिए बने गठबंधन पैक्स सिलिका में भारत की सदस्यता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह समझौता उन देशों को जवाब है, जो आपूर्ति को निर्भर देशों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं। भारत ने शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में अमेरिका के साथ पैक्स सिलिका पर हस्ताक्षर किए।

एआई का आयोजन अत्यंत प्रभावशाली पहल: शशि थरूर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने एआई पर यहां आयोजित विश्व सम्मेलन को भारत की क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन करार दिया और कहा कि इसमें विश्व के बड़े नेताओं की मौजूदगी एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर बड़ा संदेश देने वाली है।

उन्होंने राफेल सौदे का भी जिक्र किया और इसे रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि इसमें बड़ी बात यह है कि राफेल के कुछ हिस्सों का निर्माण भारत में होना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनका कहना था कि राफेल मामले में वह सरकार का समर्थन करते हैं। श्री थारूर ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में पत्रकारों से कहा कि एआई सम्मेलन के शुरुआती दिन बेहद सफल रहे हैं। कुछ छोटी-मोटी दिक्कतें आईं, लेकिन बड़े आयोजनों में ऐसा होना आम बात है। विभिन्न मुल्कों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य विश्व नेताओं की मौजूदगी इस आयोजन में अत्यंत प्रभावशाली रही है। सम्मेलन में एआई की विकास यात्रा में दुनिया के नेता एकीकृत विश्व की कल्पना करते हुए एक ऐसा सशक्त संदेश लेकर आए हैं, जहां समाज पर इसके प्रभावों को देखना सर्वोपरि होगा। भारत की इस क्षेत्र में बढ़ती रुचि ने स्पष्ट रूप से इस पहल को गति दी है। राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर एक सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां तक फ्रांसीसी राफेल की बात है, इसके कुछ हिस्से भारत में निर्मित हो रहे हैं और यह समझौते का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि यह हमारी रक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए रक्षा सौदा इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि हम युद्ध करना चाहते हैं, बल्कि इसमें महत्वपूर्ण यह है कि हम नहीं चाहते कि कोई हमें कमजोर समझे। यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण रक्षात्मक पहल है और मैं इस मामले में सरकार का समर्थन करता हूं।

■ कांग्रेस के लोकसभा सदस्य ने फ्रांस के साथ राफेल सौदे को लेकर किया केंद्र सरकार का समर्थन

संक्षिप्त समाचार

मोदी, बिरला, खड़गे, राहुल ने सिगकॉन के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिलांग से लोकसभा सदस्य डा. रिकी एजे सिगकॉन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मोदी ने शुक्रवार को सिगकॉन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा डा. रिकी एजे सिगकॉन के निधन से दुखी हूं। उन्हें मेघालय के लोगों के लिए उनकी समर्पित सेवा के लिए याद किया जाएगा। इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के साथ हैं।

क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज करेंगे ताज का दीदार

आगरा। क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक 21 फरवरी शनिवार को अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ ताजमहल के दीदार के लिए आगरा पहुंचेंगे। उनके आगमन को देखते हुए ताजमहल को आम पर्यटकों के लिए करीब तीन घंटे तक बंद रखा जाएगा। दोपहर लगभग 12 बजे से तीन बजे तक स्मारक में सामान्य पर्यटकों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री दिल्ली से यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते आगरा पहुंचेंगे और लगभग 12 बजे एक निजी होटल में ठहरेंगे, जहां भारतीय परंपरा के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ उनका स्वागत किया जाएगा। अल्प विश्राम के बाद वह करीब एक बजे ताजमहल पहुंचेंगे और अपने परिवार के साथ लगभग डेढ़ घंटा वहां व्यतीत करेंगे। ताजमहल भ्रमण के बाद प्रधानमंत्री होटल लौटकर दोपहर का भोजन करेंगे।

अमेरिका डील पर सरकार चुप्पी तोड़े और सच्चाई बताए: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमेरिका के साथ हुई डील को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते को लेकर सरकार की चुप्पी कई संदेह पैदा कर रही है और स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए।

यादव ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, क्या डील ने मुंह पर सील लगा दी है। या तो सरकार बताए कि इस डील में क्या शर्तें तय हुई हैं या फिर बाहरी हस्तक्षेप के दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार देश की संप्रभुता और आर्थिक हितों से जुड़े मुद्दों पर पारदर्शिता नहीं बरत रही है। उन्होंने कहा कि इस डील से किसानों, कारोबारियों, मजदूरों और छोटे-बड़े उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यदि खेती और उद्योग प्रभावित होंगे, तो रोजगार के अवसर कम होंगे और युवाओं का भविष्य असुरक्षित हो जाएगा। सपा प्रमुख ने इसे देश के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि इस डील से भारत के आर्थिक हितों और आत्मनिर्भरता पर क्या असर पड़ेगा।

अखिलेश ने मां शीतला देवी के दरबार में लगाई हाजिरी

कौशांबी। अखिलेश यादव शुक्रवार दोपहर बाद मां शीतला देवी के दर्शन के लिए शक्तिपीठ कड़ा धाम पहुंचे। रास्ते में देवीगंज बाजार में मोबीन अहमद के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उत्साहित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे सरकार: माता प्रसाद

शाह टाइम्स ब्यूरो

बढ़ते कर्ज, कंसोलिडेटेड फंड और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस हुई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में प्रदेश पर बढ़ते कर्ज, कंसोलिडेटेड फंड और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार को वित्तीय प्रबंधन और जनसेवाओं के मुद्दे पर घेरा, जिस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने जवाब दिया।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि प्रदेश पर नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज हो चुका है और सरकार इस मुद्दे से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट बनाते समय वास्तविक स्थिति को स्पष्ट नहीं किया जा रहा। इस पर सुरेश खन्ना ने शुरुआत में आपत्ति जताई, हालांकि बाद में कर्ज के आंकड़े को स्वीकार किया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जिला अस्पतालों से मरीजों को मेडिकल कॉलेजों और बड़े संस्थानों में रेफर करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जीवन-मरण से जुड़ा विषय है, इसलिए यहां संविदा और आउटसोर्सिंग पर कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में एक हजार लोगों पर केवल 0-37 डॉक्टर उपलब्ध हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक एक हजार पर एक डॉक्टर का है। जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दवाओं की कमी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपलब्धता भी उन्होंने प्रमुख समस्या बताई। पांडेय ने कहा कि यदि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज ठीक से कार्य करें तो मरीजों को लखनऊ के बड़े संस्थानों, जैसे संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, में रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने आयुष्मान योजना की जांच कराने और स्वास्थ्य विभाग को घ्लालों से बचाने की भी मांग की। प्रतिव्यक्ति आय और विकास के मुद्दे पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरा। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार आंकड़ों से खेल रही है और वास्तविक स्थिति को छिपा रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए लखनऊ के इकाना स्टेडियम, लोक भवन, पुलिस मुख्यालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय परिसर के विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने चुनौती दी कि वर्तमान सरकार एक्सप्रेसवे के अलावा कोई बड़ा विकास कार्य गिनाए। साथ ही कई विभागों में पूरा बजट खर्च न होने और केंद्र से मिलने वाले कर हिस्से में कमी आने का मुद्दा भी उठाया। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से आलोचना छोड़कर जनहित के मुद्दों पर ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए सदन के सभी सदस्यों का अभिनंदन

योगी ने विस में गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं को विस्तार से रखा, विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की आर्थिक उपलब्धियों और विकास योजनाओं को विस्तार से रखा। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें शिवपाल सिंह यादव का 'श्राप' न लगे। साथ ही उन्होंने लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए सदन के सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह बजट कई मायनों में ऐतिहासिक है, क्योंकि पहली बार कोई मुख्यमंत्री दसवीं बार बजट पेश कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार कर्ज के अनुपात को घटाकर 27 प्रतिशत से 23 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। राज्य की आय में बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में सरकारी आय लगभग 43 हजार करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि भारत तभी विकसित होगा, जब उसके राज्य विकसित होंगे और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले उत्तर प्रदेश को देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता था, लेकिन अब प्रदेश देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल है। उन्होंने लक्ष्य रखा कि वर्ष 2026-27 तक प्रदेश की जीडीपी 40 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचाई जाएगी। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में प्रदेश की छवि इतनी खराब हो गई थी कि बाहर से आने वाले लोगों को होटल में कमरे तक नहीं मिलते थे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश के लोगों को देशभर में सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में जब उनकी सरकार बनी, तब किसानों की कर्ज माफी की घोषणा के बावजूद कहीं से आर्थिक सहयोग नहीं मिल रहा था, क्योंकि प्रदेश की छवि खराब थी। उन्होंने कहा कि उस समय प्रदेश का खजाना खाली था, लेकिन सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर और सरकारी धन के लीकेज को रोक. कर वित्तीय स्थिति सुधारी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने भारतीय रिजर्व बैंक की गाइडलाइंस का पूरा तरह पालन किया है। वर्ष 2026 में प्रदेश का पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़कर 1 लाख 77 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं, जो रोजगार सृजन और आर्थिक विकास की मजबूत आधारशिला हैं।

जब बजट का समुचित उपयोग नहीं, तो बजट प्रस्तुत करना मात्र दिखावा: कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस ने बड़े बजट के बावजूद खर्च में कथित ढिलाई को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जब बजट का समुचित उपयोग ही नहीं किया जा रहा तो बड़ा बजट प्रस्तुत करने का दावा महज दिखावा है। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने शुक्रवार को बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि बजट का आकार बढ़ाना और आंकड़ों की गिनती बढ़ाना विकास का प्रमाण नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और ग्राम विकास जैसे अहम विभागों में आवंटित धनराशि का पूरा उपयोग नहीं कर पा रही है। उन्होंने आउटसोर्सिंग के माध्यम से दी जा रही नौकरियों को युवाओं के साथ धोखा बताते हुए कहा कि इससे उनके भविष्य पर अनिश्चितता छा जाती है। कांग्रेस ने सरकार से स्थाई नौकरी और सम्मानजनक वेतन की ठोस नीति बनाने की मांग की है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय पर सरकार ने दी सफाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

विधानसभा में विपक्ष ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय पर सवाल खड़े किए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय पर सवाल खड़े किए गए। इसको लेकर सरकार ने अपनी तरफ से जवाब दिया।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही समाजवादी पार्टी की विधायक रागिनी सोनकर ने श्रम एवं रोजगार मंत्री से पहला सवाल किया। उन्होंने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि उन्हें सरकारी कर्मचारियों के बराबर वेतन दिया जाना चाहिए। इस पर श्रम एवं रोजगार मंत्री अनिल राजभर ने जवाब देते हुए कहा कि निविदा में कार्य अवधि पहले से निर्धारित होती है। कंपनियां बदल सकती हैं, लेकिन कर्मियों को नहीं बदला जाता। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 2009 और 2016 के आदेश लागू हैं और वर्तमान सरकार ने इसमें कोई नया निर्णय नहीं लिया है। इसके बाद सपा विधायक आरके वर्मा ने महंगाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कविता के माध्यम से तंज कसते हुए कहा कि तेल की बोतल पूछ रही है ये पहले तुम ही खरीदते थे मुझे आज क्यों सोच रहे हो। उन्होंने आरोप लगाया कि आलू किसान परेशान हैं जबकि बिचौलिए मालामाल हो रहे हैं। मंत्री ने जवाब में कहा कि राज्य सरकार केवल केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेज सकती है।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 82814.71 | निफ्टी 25571.25 | सोना 152000 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) | **अर्थ व्यापार** | चांदी रु. 237000 प्रति किलो

गिरावट से उबरा शेयर बाजार आईटी कंपनियों में गिरावट

मुंबई, वार्ता

बैंकिंग और धातु सेक्टरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी लौट आई, हालांकि आईटी सेक्टर की कंपनियों पर दबाव देखा गया। बीएसई का सेंसेक्स 316.57 अंक (0.38 प्रतिशत) चढ़कर 82,814.71 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत ऊपर 25,571.25 अंक पर बंद हुआ।

पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों सूचकांक डेढ़ प्रतिशत के करीब टूटे थे। मझौली कंपनियों में आज लिवाली ज्यादा हुई, जबकि छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप.50 सूचकांक 0.40 प्रतिशत चढ़ गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.11 प्रतिशत की गिरावट रही। बैंकिंग, धातु, एफएमसीजी, ऑटो, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलटी और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। आईटी और मीडिया समूहों में गिरावट रही। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी का शेयर पौने तीन फीसदी चढ़ गया। एलएंडटी में सवा दो प्रतिशत की तेजी रही। हिंदुस्तान यूनीलिवर, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड, टाटा स्टील, बीईएल और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर एक से दो प्रतिशत की बढ़त में रहे। टाइटन, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंडिगो, एशियन पेंट्स, सनफार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट और आईटीसी में भी तेजी रही। क्वालिटी वॉल का शेयर साढ़े तीन फीसदी गिर गया। टेक महिंद्रा, इंफोसिस और इटरनल में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी टूट गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 8.66 अरब डॉलर बढ़कर पहली बार 725 अरब डॉलर के पार

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 8.663 अरब डॉलर बढ़कर 725.727 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा का देश का भंडार पहली बार 725 अरब डॉलर के पार गया है। इससे पहले 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 3.55 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और शुक्रवार को यह 573.603 अरब डॉलर रहा। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो भी शामिल हैं। इनके मूल्य का निर्धारण डॉलर की तुलना में संदर्भ दर के आधार पर होता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार भी 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.466 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.9 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 10.3 करोड़ डॉलर बढ़कर क्रमश: 4.734 अरब डॉलर और 18.924 अरब डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, यूरोप और रूस के बाद भारत पांचवें स्थान पर है।

शिवराज ने अरहर, उड़द और मसूर की पैदावार बढ़ाने पर पर चर्चा की

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को अरहर, उड़द और मसूर जैसी प्रमुख दलहनी फसलों की पैदावार को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित छह वर्षीय 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' पर अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की।

चौहान ने कहा कि किसानों को बिचौलियों से मुक्त कर सीधे सरकारी खरीद प्रणाली से जोड़ना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्यों के साथ समन्वय मजबूत हो और खरीद, भंडारण को और अधिक चाक चौबंद बनाया जाए, जिससे बाजार में मूल्य स्थिरता बनी रहे और किसानों के हितों की रक्षा हो सके बैठक में विशेष रूप से अरहर, उड़द और मसूर जैसी प्रमुख दालों की पैदावार बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित छह वर्षीय 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' पर गहन चर्चा हुई। इस मिशन के तहत उन्नत बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने और एक बेहतर मार्केटिंग तंत्र विकसित करने की योजना तैयार की गई है। सरकार का लक्ष्य दलहन पैदावार में देश को आत्मनिर्भर बनाकर आयात पर निर्भरता कम करना और किसानों की आय में स्थाई वृद्धि सुनिश्चित करना है। कृषि मंत्री ने मूल्य समर्थन योजना और मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए राज्यों के साथ बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को कहा खरीद केंद्रों पर किसानों के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं हों ताकि उन्हें फसल बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही, भंडारण व्यवस्था अधिक प्रभावी बनाने की बात कही गई, ताकि बाजार में कीमतों में स्थिरता बनी रहे और किसानों के आर्थिक हितों की रक्षा की जा सके।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
स्कूलों-कॉलेजों के सिलेबस में होगा बड़ा बदलाव
आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान
Cipzer HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

शिक्षामित्रों...

580 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में ड्रॉप आउट रेट लगभग छह प्रतिशत था, जिसे घटाकर 0.3 प्रतिशत तक लाया गया है। आठ हजार न्याय पंचायतों तक कंपोजिट विद्यालय ले जाने का लक्ष्य है, जहां एक ही छत के नीचे 12वीं तक की पढ़ाई और कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में शौचालय और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने से बच्चियों का स्कूल छोड़ना कम हुआ है। प्रदेश भर में बच्चों को ड्रेस, जूते और बैग देने की व्यवस्था की गई है, जिसमें किसी जाति या मजहब के आधार पर भेदभाव नहीं किया गया। योगी ने डिजिटल एन्टरप्रेन्योर योजना की घोषणा करते हुए कहा कि गांवों में आठ हजार डिजिटल उद्यमी स्थापित किए जाएंगे, जिनमें 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। साथ ही महिला उद्यमी विपणन उद्योग केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का है और यूपी सरकार युवाओं को मुफ्त एआई टूल उपलब्ध कराएगी। 2030 तक पांच गीगावॉट क्षमता का डाटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने की योजना है। लखनऊ और आसपास के जिलों को स्टेट कैपिटल रीजन तथा काशी-मिर्जापुर (विध्याचल) क्षेत्र को इकोनॉमिक जोन के रूप में विकसित किया जाएगा।

दबाव में...

हमारे तेल आयात तय करने की इजाजत देकर भारत की ऊर्जा सुरक्षा से समझौता क्यों किया गया? बिना किसी पारस्परिक वादे के, हर साल 100 अरब डॉलर का अमेरिकी आयात बढ़ाने पर सहमति क्यों दी गई? कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने यह क्यों कहा कि यह समझौता भारत को एक डेटा कॉलोनी (जहां किसी देश का नियंत्रण विदेशी शक्ति के पास हो) बना सकता है? श्री मोदी ऐसा समझौता क्यों मानेंगे?, जिसमें भारत इतना कुछ दे रहा और बदले में बहुत कम मिलता दिख रहा है। श्री गांधी ने इसे शर्मनाक स्थिति बताया और कहा कि इस आत्मसमर्पण का रहस्य प्रधानमंत्री पर डाले गए ग्रिप्स या पकड़ और चोक्स या गला घोंटने वाली स्थिति में छिपा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिर श्री मोदी ऐसे समझौते पर क्यों सहमत हुए, जिसमें भारत इतना कुछ दे रहा है और बदले में इतना कम मिलता है। उन्होंने इसे आत्मसमर्पण बताया और कहा कि इस आत्मसमर्पण का कारण प्रधानमंत्री पर बनाए गए 'दबाव' में निहित है।

एआई समिट में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन शर्मनाक: खंडेलवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने यहां भारत मंडपम में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) समिट में शुक्रवार को युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को शर्मनाक करार दिया है। खंडेलवाल ने संवाददाताओं से कहा कि जब देश एआई, नवाचार और भारत के तकनीकी भविष्य पर मंथन कर रहा था, उस समय इस प्रकार का भद्दा और ध्यान आकर्षित करने वाला 'नग्न प्रदर्शन' करना देश की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह आचरण उस दिवालिया मानसिकता को उजागर करता है, जो आज कांग्रेस की पहचान बन चुकी है। विचार, नीति विकल्प और सार्थक बहस प्रस्तुत करने के बजाय कांग्रेस केवल नाटक, उकसावे और अव्यवस्था फैलाने की राजनीति कर रही है। यह व्यवहार न केवल राजनीतिक हताशा दर्शाता है, बल्कि देश के युवाओं की आकांक्षाओं से पूर्णत: कटे होने का प्रमाण भी है। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावी पराजयों के बावजूद कांग्रेस ने आत्ममंथन नहीं किया है। श्री राहुल गांधी के विफल और अप्रभावी नेतृत्व में कांग्रेस ने रचनात्मक विपक्ष की भूमिका छोड़कर केवल प्रदर्शन और सनसनी की राजनीति को अपनाया है। खंडेलवाल ने कहा कि भारत का युवा नवाचार, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व चाहता है, इस तरह का आचरण नहीं। एआई समिट भारत की तकनीकी क्षमता और वैश्विक दृष्टि को प्रस्तुत करने का मंच था, इसे बाधित करने का प्रयास राष्ट्रीय प्रगति का अपमान है।

गोयल ने किया निर्यात संवर्धन मिशन का शुभारंभ

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा- एफटीए से विश्व के बड़े बाजारों में प्रवेश आसान

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सूक्ष्म, लघु और मझोले वर्ग के उद्यमों (एमएसएमई) के निर्यात को बढ़ावा देने और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए मजबूत करने के लिए शुक्रवार को निर्यात संवर्धन मिशन का शुभारंभ किया।

हाल के व्यापार समझौतों में भारतीय निर्यातकों के लिए वैश्विक जीडीपी में 70 प्रतिशत योगदान कर रहे देशों में भारतीय माल को वरीयता के आधार पर प्रवेश की सुविधा की गई है। उन्होंने इस मिशन के तहत सात अतिरिक्त समाधानों को शुरू किए जाने की घोषणा की, जो देश के निर्यातकों के सामने कर्ज की समस्या, विद. शी बाजारों में विस्तार के लिए मानकों आदि की चुनौतियों से निपटने तथा लॉजिस्टिक्स आदि की समस्या से निपटने में मदद करने के लिए हैं। इसके लिए वाणिज्य भवन में निर्यात इकाइयों के साथ आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी इस अवसर पर उपस्थित थे। गोयल ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बढ़ते नेटवर्क ने भारतीय निर्यातकों के लिए विश्व स्तर पर बड़ी संख्या में बाजारों का रास्ता आसान किया है। उन्होंने कहा कि अब तक अमे. रिका के साथ हुए अंतरिम समझौतों समेत नौ समझौतों में शामिल देश सकल वैश्विक उत्पाद में लगभग 70 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौते 38 विकसित और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों के बाजार में हर उस वस्तु के मामले में भारतीय निर्यातकों को वरीयता के आधार पर प्रवेश दिलाते हैं जिनका वहां आयात किया जाता है।

भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को 'सनातन' की ट्रेनिंग देने की तैयारी

लखनऊ। कांग्रेस समेत अन्य दलों को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं को अब सीधे संगठन में जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। पार्टी ने तय किया है कि ऐसे नेताओं को पहले 'सनातन प्रशिक्षण' से गुजरना होगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ही उन्हें पार्टी की मुख्यधारा में सक्रिय भूमिका दी जाएगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार इस प्रशिक्षण में पार्टी की रीति-नीति, कार्य संस्कृति, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की विचारधारा से विस्तार से अवगत कराया जाएगा। उद्देश्य यह है कि अन्य दलों से आए नेता संगठन की विचारधारा को आत्मसात कर सकें और चुनावी रणनीति में प्रभावी भूमिका निभा सकें। पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस व अन्य दलों से बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए थे। पार्टी का दावा था कि ऐसे नेताओं की संख्या 20 हजार से अधिक रही। अब भाजपा इन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में विपक्ष के खिलाफ एक मजबूत राजनीतिक आधार के रूप में तैयार करना चाहती है। पार्टी की रणनीति है कि इन नेताओं के माध्यम से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं को भाजपा से जोड़ा जाए और संगठन का दायरा बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए।

उत्तराखण्ड शासन

वसंतोत्सव

27-28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026
लोक भवन, देहरादून

पुष्प प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता

ले ज गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (से नि)
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

Theme: Floral Healing: Nature's Path to Well-being

सोशल मीडिया पर जुड़ें #FlowerShowUK2026 #ColoursOfSpring2026 #वसंतोत्सव2026

दर्शकों के लिए समय: 27 फरवरी, 2026 को अपराह्न 01:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक
28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को प्रातः 09:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक (प्रवेश निःशुल्क)

मुख्य आकर्षण : ट्यूलिप | कट फ्लावर्स | जैविक शहद | भोजपत्र पर डाक कवर | सांस्कृतिक कार्यक्रम | विभिन्न प्रतियोगिताएं | पर्वतीय उत्पाद

माननीय राज्यपाल महोदय की प्रेरणा से विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वसंतोत्सव का आयोजन लोक भवन, देहरादून के प्रांगण में दिनांक 27-28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा किया जा रहा है, जिसमें पुष्प प्रदर्शनी के साथ-साथ विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है:-

Name of Categories	Name of Sub Categories
A. Cut Flower competition (including commercial/hobbyist) (72 Prizes)	
1. Traditional Areas (42 Prizes) **(US Nagar, Nainital, Haridwar & Dehradun Districts)**	Gerbera Red Group, Gerbera Yellow Group, Gerbera White Group, Gerbera Others Group, Carnation, Rose, Gladiolus Red Group, Gladiolus White Group, Gladiolus Others Group, Orchid, Marigold, Chrysanthemum, Lilium and Any other. [20-30 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid, Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry]
2. Non Traditional Areas (24 Prizes) **(09 Hill Districts)**	Carnation, Rose, Gladiolus, Gerbera, Marigold, Orchid, Lilium, and Any other. (10-20 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid & Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry)
3.Cut Flowers Competition for Specially abled persons (Any Cut Flower) (03 Prize)	Any Cut Flower (10-20 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid & Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry)
4.Cut Flowers Competition for Women Flower Growers (Any cut Flower) (03 Prize)	Any Cut Flower (10-20 sticks of each variety will be treated as one entry except Rose, Orchid & Lilium where 03-05 sticks per variety will be treated as one entry)
B. Potted Plant arrangement (12 Prizes)	
(i) Private Nurseries	
a) Small upto 0.50 acre	Combination of all varieties (Minimum 15 potted plants in each will be considered as one entry)
b) Large above 0.50 acre	Combination of all varieties (Minimum 25 potted plants in each will be considered as one entry)
(ii) Hobbyists	Combination of all varieties (Minimum 10 potted plants in each will be considered as one entry)
(iii) Central & State Govt./Private Institution	Combination of all varieties (Minimum 25 potted plants in each will be considered as one entry)
C. Loose Flower arrangement (12 Prizes) (Enthusiasts/Hobbyists including Gardeners/ Individual/Group)	(i) Fresh Flowers (ii) Dry Flowers (iii) Bouquets (iv) Garlands.
D. Potted Plants other than flowers (06 Prizes)	1- Potted Plants (Fruits) 2- Potted Plants (Foliage) (Group of 3 pots of each variety as one entry)
E. Vegetables (09 Prizes)	1- Vegetables (Any Commonly Grown Vegetables) 2- Leafy vegetables (Spinach, Rai, Bathua, Methi, Swiss Chard etc.) 3- Exotic vegetables (Celery, Parsley, Red Cabbage, Zucchini, Brussel's Sprout etc.) (Group of 3 pots of each variety as one entry)
F. Cacti & Succulents, (03 Prizes)	1- Cacti and succulents (Group of 3 pots will be considered as one entry)
G. Bonsai (06 Prizes)	(i) Commercial Fruit Trees, (ii) Forest Trees (Group of 3 tree pots will be considered as one entry)
H. Terrarium (03 Prizes)	(i) Terrarium (One Terrarium as one Entry)
I. Hanging pots (03 Prizes)	(i) Hanging Pots (Arrangements of three pots as single entry)
J. Soil-less/Hydroponic Cultivation Technology Demonstration (03 Prizes)	(I) Soil-less/Hydroponic Cultivation Technology Demonstration
K. Pots for Gardening (03 Prizes)	Pots of any size. (03 pots of any size will be considered as one entry)
L. Honey (09 Prizes)	(i) Apis Cerana Himalayan Honey. (ii) Wild Forest Honey. (iii) Monofloral Honey (500 gm bottle/Jar as one entry)
M. On the spot photography (03 Prizes)	Any **two** best pictures (size- 6" x 8") of Plants/Plant parts/Flowers/Bunches etc. clicked on 27th February, 2026 at Lok Bhawan and displayed upto 11:00 am on 28th February, 2026.
N. Fresh Petal Rangoli (03 Prizes)	The participants for individuals above 12 years of age will bring fresh flower petals. The competition will be held on 27th February, 2026 from 09:00 am to 2:00 pm. Each participant will be given two hours to complete rangoli on 1 X 1 mtr Ply Board.
O. Painting competition for School children, specially abled children and street children/rag pickers (18 Prizes)	(i) Children of age between 5 to 12 years. (ii) Children of age between 12 to 18 years. (iii) Specially abled- Visually challenged (iv) Specially abled- Mentally challenged. (v) Specially abled- Hearing and speech impaired. (vi) Street children / rag pickers. (The participants will bring their own colors, sheets will be provided by the Department. Competition will held on 27th February, 2026 from 09:00 am to 02:00 pm.)
Postal Stamp competition organized by Postal Department, Dehradun.	

- वसंतोत्सव-2026 में स्टॉल के माध्यम से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने हेतु इच्छुक निजी फर्मों/कम्पनियों को शुल्क के रूप में ₹ 11000/- व एन०जी०ओ० से ₹ 6000/- एवं एस०एच०जी० से ₹ 3000/- की धनराशि देय होगी। स्टॉल के माध्यम से पुष्प एवं औद्यानिकी से संबंधित गतिविधियां संचालित करने वाली फर्मों/ कम्पनियों/एन०जी०ओ०/एस०एच०जी०/स्टार्ट अप्स (Startups) व महिला समूहों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।
- वसंतोत्सव-2026 में प्रादेशिक विभागों/केन्द्रीय विभागों/संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालयों आदि द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों/तकनीकी का प्रदर्शन अपने-अपने स्टॉल के माध्यम से किया जाएगा।
- वसंतोत्सव-2026 में विभिन्न संस्थाओं/फर्मों, एन०जी०ओ० तथा महिला स्वयं सहायता समूहों आदि द्वारा भी अपने उत्पादों के प्रदर्शन/बिक्री हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे।
- प्रतियोगी अपने प्रदर्शों तथा संबंधित विभाग अपने स्टॉल को दिनांक 27 फरवरी, 2026 को प्रातः 10:00 बजे तक निर्धारित स्थान पर तैयार कर लें, इसके बाद अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 27 फरवरी, 2026 को प्रातः 10:00 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात आम जनता के लिए प्रदर्शनी अपराह्न 01:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक तथा दिनांक 28 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को प्रातः 09:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक खुली रहेगी।
- प्रदर्शनी में आगन्तुक पुष्प प्रेमी/फोटोग्राफर द्वारा स्वयं लिए गए पुष्पों के फोटोग्राफ पर आधारित फोटो प्रदर्शनी, आर्ट गैलरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा आम जनता हेतु आयोजन स्थल के नजदीक फूडकोर्ट की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यंजन उपलब्ध होंगे।

अतः प्रदेश के समस्त सम्मानित नागरिकों एवं पुष्प प्रेमियों से अनुरोध है कि दिनांक 27-28 फरवरी व 01 मार्च, 2026 को उपरोक्तानुसार निर्धारित समय के अनुसार लोक भवन, देहरादून में अधिकाधिक संख्या में पधारकर पुष्प प्रदर्शनी का लाभ उठाएं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 20 फरवरी, 2026 से आवेदन पत्र (Entry Form) निम्न पते पर निःशुल्क प्राप्त कर उसी पते पर जमा कर सकते हैं। पंजीकरण दिनांक 27 फरवरी, 2026 को प्रातः 10:00 बजे तक ही किए जाएंगे तथा मात्र "ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी" कैटेगरी हेतु पंजीकरण दिनांक 27.02.2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक किया जाएगा।

Entry Form प्राप्त एवं जमा करने का पता:-

1. कार्यालय-मुख्य उद्यान अधिकारी, विकास भवन, सर्वे चौक, देहरादून
मो०- 9412027820 / 8279494638

2. कार्यालय-निदेशक, उद्यान/अपर निदेशक, उद्यान, राजकीय उद्यान, सर्किट हाउस, देहरादून
दूरभाष: 0135-2757814

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

डिजिटल बैंकिंग पर जोर, डीएम ने की बैंकर्स समिति की बैठक

■ आरसेटी और बैंकर्स की बैठक में वार्षिक ऋण योजना की हुई समीक्षा तिरेपन प्रतिशत लक्ष्य हुआ हासिल वित्तीय साक्षरता शि. विर लगाकर युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ें जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति और बैंकर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत ऋण प्रवाह की स्थिति की व्यापक समीक्षा करना था। प्रशासन और बैंक अधिकारियों के बीच हुए इस मंथन में जिले के आर्थिक विकास और बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में कई अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुलभता से बैंकिंग सुविधाओं का लाभ पहुंच सके। बैठक के दौरान लीड बैंक मैनेजर मनीष मिश्रा ने उपस्थित अधिकारियों के समक्ष एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया जिसमें उन्होंने जिले की वित्तीय स्थिति और बैंकों के प्रदर्शन का पूरा ब्यौरा रखा। उन्होंने वित्तीय समायोजन योजना और जिले भर में चलाए जा रहे वित्तीय साक्षरता अभियानों की प्रगति से सभी को अवगत कराया। इसके अलावा छात्र छात्राओं के लिए विशेष रूप से तैयार की गई डिजिटल वित्तीय शिक्षा प्रणाली और डिजिटल लेनदेन को गांव गांव तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठानों में पीओएस मशीन स्थापित करने के लिए भी लगातार जागरूक और प्रेरित किया जा रहा है जिससे कैशलेस लेनदेन को और अधिक सुरक्षित तथा सुलभ बनाया जा सके।

वार्षिक ऋण योजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक कुल निर्धारित लक्ष्य का तिरेपन दशमलव शून्य तीन प्रतिशत हासिल कर लिया गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी और रोजगारपरक योजनाओं की भी गहनता से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत अब तक धरातल पर हुए कार्यों का मूल्यांकन किया गया। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, होमस्टे योजना, पीएम स्वनिधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन और उनकी प्रगति पर उपस्थित अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों ने व्यापक चर्चा की। जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने सभी बैंक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि वार्षिक ऋण योजना के तहत जो भी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं उन्हें हर हाल में समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता कैंपों का वृहद स्तर पर आयोजन किया जाए ताकि आम जनता को डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूक किया जा सके और उन्हें विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल, डीडीओ मो असलम, डीटीडीओ एस एस राणा, नाबार्ड बैंक के प्रतिनिधि के न शुक्ला सहित जिले के विभिन्न बैंकों के अधिकारी और शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

देवप्रयाग कि अधिकांश पेयजल योजनाओं चढी भ्रष्टाचार की भेंट:बुटोला

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। पूर्व जिला पंचायत सदस्य महिपाल बुटोला ने देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए पेयजल योजनाओं और अन्य विकास कार्यों में अनियमितताओं की जांच की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द जांच नहीं हुई तो वे आंदोलन शुरू करेंगे। शुक्रवार को पूर्व प्रशासक दुग्ध संघ टिहरी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महिपाल बुटोला ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि त्यूणा पेयजल और बंजेला योजनाओं का पिछले नौ वर्षों से पुनर्गठन नहीं किया गया है, जबकि इन्हीं योजनाओं से क्षेत्र में पानी की आपूर्ति हो रही है। उन्होंने हडिमधार पंपिंग योजना के आंशिक पुनर्गठन में भी धांधली का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं 37 करोड़ की लागत से बने चौरास पेयजल योजना के वितरण प्रणाली में भी अनियमितता की आंशका जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा क्षेत्र में अधिकांश विकास कार्यों के ठेके विधायक के करीबी लोगों और रिश्तेदारों को दिए जा रहे हैं, जिससे अन्य ठेकेदारों में आक्रोश है। साथ ही नगर पालिका देवप्रयाग और नगर पंचायत कीर्तिनगर के कार्यों में कथित हस्तक्षेप का भी मुद्दा उठाया। शिक्षा के क्षेत्र में भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि नैखरी महाविद्यालय को श्री देव सुमन के नाम से कैंपस घोषित करने की घोषणा दो वर्ष पूर्व की गई थी, लेकिन अब तक इस पर अमल नहीं हुआ है। इसके अलावा बडियारगढ़ में डिग्री कालेज निर्माण के लिए बिना भूगर्भीय जांच भूमि चयनित करने का आरोप भी लगाया। पत्रकार वार्ता में जिला पंचायत सदस्य अंजली देवी, राजेंद्र सिंह और प्रकाश चंद्र लखेड़ा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने परखी जिला न्यायालय की सुरक्षा, दिए 'जीरो नैग्लीजेंस' के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद के न्यायिक परिसरों को अभेद्य बनाने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक नीहा. रिका तोमर ने जिला एवं सत्र न्यायालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूरे परिसर का विस्तृत 'सुरक्षा ऑडिट' कर बारीकियों का जायजा लिया।

एसपी ने अधीनस्थ पुलिस बल के साथ न्यायालय परिसर के प्रत्येक संवेदनशील बिंदु का निरीक्षण किया। सुरक्षा घेरे की मजबूती को परखने के लिए उन्होंने माननीय न्यायालय के प्राधिकृत अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक कर सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर गंभीर विचार-विमर्श किया और अधिकारियों से फीडबैक लिया, ताकि किसी भी संभावित कमी को तत्काल दूर किया जा सके।

ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को संबोधित करते हुए एसपी नीहा. रिका तोमर ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को उच्च स्तर की सतर्कता, मुस्तैदी और कड़े अनुशासन का पालन करने की हिदायत दी। उन्होंने दो. हराया कि न्यायालय की गरिमा और सुरक्षा सर्वोपरि है, जिसके लिए रुद्रप्रयाग पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस निरीक्षण से सुरक्षा कर्मियों में तत्परता देखी गई।

रुद्र गौरव सम्मान: शराब मुक्त गांव की दिशा में महिलाओं ने पेश की मिसाल

■ रुद्रप्रयाग प्रेस क्लब समिति ने किया महिला मंगल दल को सम्मानित सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने पहल को बताया अनुकरणीय

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जब पहाड़ की नारी शक्ति संगठित होती है, तो परिवर्तन की नई इबारत लिखी जाती है। विकासखंड अगस्त्यमुनि की सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत क्यूडी मंलास ने शराब मुक्त समाज की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाते हुए पूरे जनपद के लिए मिसाल कायम की है। इसी पहल के लिए रुद्रप्रयाग प्रेस क्लब समिति की ओर से आयोजित 'रुद्र गौरव सम्मान' समारोह में क्यूडी महिला मंगल दल को विशेष सम्मान से नवाजा गया।ग्राम पंचायत क्यूडी की महिलाओं ने गांव में बढ़ते नशे के प्रभाव को देखते हुए सामूहिक निर्णय लिया कि किसी भी शादी-ब्याह, धार्मिक अनुष्ठान या सामाजिक कार्यक्रम में शराब का सेवन और परोसना पूर्णत: प्रति. बंधित रहेगा। महिला मंगल दल के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय का पूरे गांव ने समर्थन किया और सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। गांव में पारिवारिक विवादों में कमी आई है, सामाजिक समरसता मजबूत हुई है तथा अनावश्यक खर्च पर भी अंकुश लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस निर्णय से युवाओं में भी सकारात्मक संदेश गया है और गांव का वातावरण पहले की अपेक्षा अधिक शांत एवं अनुशासित हुआ है।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सूचना महानिदेशक एवं सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी ने महिला मंगल दल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं की यह पहल पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि सामाजिक बदलाव की असली ताकत समाज के भीतर से आती है और क्यूडी की महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामूहिक संकल्प से बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना किया जा सकता है।

प्रेस क्लब समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि क्यूडी की इस पहल से प्रेरित होकर जनपद के अन्य ग्राम पंचायतों में भी शराब मुक्त आयोजन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। समिति ने कहा कि यह सम्मान केवल एक गांव का नहीं, बल्कि नशामुक्त समाज की दिशा में उठी एक सशक्त आवाज का सम्मान है। क्यूडी महिला मंगल दल की यह पहल अब जनपद में सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बनती जा रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में अन्य गांव भी इस दिशा में ठोस कदम उठाएंगे।

किसी प्रकार का भेदभाव सामाजिक समरसता के लिए घातक:अलका

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल के तत्वावधान में राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर के सभागार में सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उनके संवैधानिक अधिकारों,कर्तव्यों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना था।शिविर को संबोधित करती हुई सिविल जज अलका ने कहा कि सामाजिक न्याय का वास्तविक अर्थ है समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर,समान अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान करना। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति, लिंग, वर्ग, भाषा या आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव सामाजिक समरसता के लिए घातक है। कहा कि जब समाज का प्रत्येक वर्ग समान रूप से विकास की मुख्यधारा में भागीदारी करता है,तभी सच्चे अर्थों में सामाजिक न्याय की स्थापना होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे विधिक जानकारी को केवल ज्ञान तक सीमित न रखें,बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। शिविर में पीएलबीसदस्यों ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक अनूप पांथरी,अध्यक्ष परमेश चंद्र जोशी, पूर्व सह सचिव प्रदीप मैठाणी, कोषाध्यक्ष सुबोध भट्ट, भूपेंद्र पुंडीर, आरपी थपलियाल, डिप्टी डायरेक्टर सर्वेश कुमार वर्मा,आशुतोष नौटियाल,अनिल कुमार साह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विधायक किशोर उपाध्याय ने किया वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। सरस्वती शिशु मंदिर प्रदर्शनी मैदान बौराड़ी का वार्षिकोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस भव्य कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र छात्राओं ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने लोक गीतों और पारंपरिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं जिनमें विशेष रूप से जीतू बगड्वाल नृत्य नाटिका का मंचन आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही विद्यालय परिसर में एक विशाल और ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

इस प्रदर्शनी में छात्रों ने पहाड़ी खानपान, एक आदर्श घर का मॉडल, प्राचीन वस्तु संग्रहालय, लघु चिड़ियाघर, विज्ञान प्रयोगशाला, तरुण ताल, सुंदर बगीचा और कलाशाला के बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किए जिनकी सभी अतिथियों और अभिभावकों ने जमकर सराहना की। वार्षिकोत्सव के दौरान शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया जिससे उनके चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। शुक्रवार को आयोजित इस वार्षिकोत्सव का विधिवत शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं बल्कि वे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ ही उनका चरित्र निर्माण कर रहे हैं। विद्या भारती के सह प्रदेश निरीक्षक विनोद रावत ने शिक्षा के क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी और अपने कई महत्वपूर्ण अनुभव साझा किए।वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, मुख्य चिकित्साधिकारी श्याम विजय और बीआरसी आनंदमणी पैन्यूली ने भी अपने विचार व्यक्त किए।इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य शीशराम कोठियाल, प्रबंधक अनुसूया नौटियाल और अध्यक्ष उमेश चरण गुसाईं ने अतिथियों के समक्ष विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया` अवसर पर संरक्षक कमल सिंह महर, अब्बल सिंह श्रीकोटी, भाग सिंह रावत, सतीश थपलियाल, रागिनी भट्ट, दीक्षा रावत, गरिमा धाई, शिल्पा रावत, पूजा उनियाल, साविया अली, बीडी कुनियाल, अनिल नैथानी, पूर्ण सिंह रावत, मनीष राणा और जयेंद्र पंवार सहित भारी संख्या में अभिभावक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर ....

चन्द्रापुरी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन,

रुद्रप्रयाग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत चन्द्रापुरी में 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को कानून की बारीकियों और सामा. जिक समानता के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव पायल सिंह ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति और वंचित वर्गों को सुलभ न्याय दिलाना ही विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने ग्रामीणों को नि:शुल्क विधिक सहायता, महिला एवं बाल अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों के हक और विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जोर दिया कि जब लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे, तभी सामा. जिक न्याय की अवधारणा सिद्ध होगी।

डुंडा आटे की होली के साथ संपन्न हुआ लोसर पर्व

उत्तरकाशी। जिले के डुंडा के वीर पुर में जाड़ भोटिया समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला पारंपरिक तीन दिवसीय लोसर मेला आटे की होली के साथ शुक्रवार को संपन्न हो गया है।पहले दिन दीपावली की धूम मचाई गई, जिसमें चीड़ के छिलकों से बनीं मशालों का जलाया गया। दूसरे दिन नववर्ष व होली का अनोखा संगम देखने को मिला।तीन दिवसीय उत्सव की अनूठी परंपराएंअंतिम दिन कुछ घरों पर रंग-बिरंगे बौद्ध मंत्रों से लिखित झंडे लगाए गए। स्थानीय मान्यता है कि इन मंत्रों से सजा आटे की होली अगले वर्ष के लोसर की प्रतीक्षा को विराम देती है। यह पर्व हिंदू व बौद्ध परंपराओं का सुंदर समन्वय दर्शाता है, जो भागीरथी नदी के तट पर बसे किन्नौरी, जाड़ भोटिया व खाम्पा समुदाय की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत करता है।रिंगाली देवी मंदिर में विशेष पूजा के साथ मेला संपन्न हुआ। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। ग्रामीणों ने बताया कि लोसर में भारत के सभी प्रमुख पर्व एक साथ अलग-अलग दिनों में मनाए जाते

सीडीएस चौहान आज श्रीनगर में

श्रीनगर। देश के द्वितीय सीडीएस अनिल चौहान कल (आज) श्रीनगर पहुंचकर गढ़वाल विवि के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। सीडीएस के आगमन को लेकर गढ़वाल विवि ने तैयारियां पूर्ण कर ली है। सीडीएस के आगमन को लेकर प्रशासन पूर्ण रूप से मुस्तैद रहा। इस दौरान चौरास परिसर छावनी में तब्दील रहा। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एमपीएस बिष्ट ने बताया कि शनिवार को देश के द्वितीय सीडीएस अनील चौहान गढ़वाल विवि के विभिन्न कार्यक्रमों के शिरकत करेंगे। इस दौरान वह लाइब्रेरी का उद्घाटन सहित छात्रों से संवाद करेगें। बताया कि उनके आगमन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। वही इसके बाद सीडीएस मेडिकल कालेज पहुंचकर भावी डाक्टरों से संवाद स्थापित करेंगे।

पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण ने दी लोसर मेला की बधाई

उत्तरकाशी। वीर पुर डुंडा में आयोजित तीन दिवसीय लोसर मेला शुक्रवार को संपन्न हो गई है। इस दौरान गंगोत्री से पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण ने वीरपुर (डुंडा) में जनजाति समुदाय द्वारा आयोजित नववर्ष पर्व लोसर के भव्य कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने भोटिया, जाट, तिब्बती एवं किन्नौरी समाज के साथ पारंपरिक रीति-रिवा. जों के मध्य पर्व की शुभकामनाएँ साझा कीं और उत्सव की गरिमा में सहभागी बने। लोसर पर्व बौद्ध परंपराओं के निर्वहन का पावन अवसर है, जो आस्था, संस्कृति और सामूहिक उल्लास का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है।

जनजाति समागम समारोह में राज्य सरकार पर बरसे कांग्रेसी

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने दावा किया है कि राज्य में अगली सरकार कांग्रेस ही बनेगी।

बिरही के बेडू बगड़ में चल रहे जनजाति समागम समारोह को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि गोदियाल ने कहा कि राज्य में अगली सरकार कांग्रेस की ही बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से तंग आकर लोग अब कांग्रेस की ओर टकटकी निगाहें लगाए बैठे हैं। इसलिए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत की गारंटी पक्की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विपक्ष की पूरी अनदेखी की जा रही है। एक तरह से लोकतांत्रिक व्यवस्था को पंगु किया जा रहा है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक राज्य के लिए अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आई तो विपक्षी भाजपा को पूरा सम्मान और आदर दिया जाएगा।विधानसभा सत्र पर बोलते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल ने कहा कि सत्र को गैरसैण में आयोजित तो किया जा रहा है किंतु इसकी अवधि मात्र पांच दिन रखी गई है। इसके चलते राज्य के 70 विधायकों को सवाल पूछने का अवसर नहीं दिया जा रहा है। इसलिए सत्र की अवधि 30 दिन की जानी चाहिए। इससे विधायक अपने-अपने विधानसभा से संबंधित सवालों को प्रमुखता से उठा पाएंगे। सत्र का आयोजन सोमवार न होने के कारण मुख्यमंत्री से संबंधित विभागों के सवाल अनुतरित रह जा रहे हैं। इसलिए सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि विधानसभा का सत्र अगले सोमवार तक चले ताकि सीएम के विभागों के सवालों के जबाव विधायकों को मिल सकें। सवालों से भागने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। जनजाति समाज की एकजुटता का बखान करते हुए गोदियाल ने कहा कि उत्तराखंड में अनेकता में एकता के सिद्धांत पर जनजाति समाज आगे बढ़ता चला जा रहा है। इस समाज ने चिपको नेत्री गौरादेवी से लेकर केदार सिंह फोनिया, दीवान सिंह खाती, बाला सिंह पाल, पान सिंह बम्पाल, नंदन सिंह टकोला, नारायण सयाना, गो. विंद सिंह रावत, बचन सिंह जैसी प्रमुख हस्तियों को आगे बढ़ाया है। आगे भी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी जनजाति समाज की है। उन्होंने कहा कि तिब्बत व्यापार समाप्त होने के पश्चात जनजाति समाज को कांग्रेस राज में ही आरक्षण का लाभ दिया गया। शिक्षा के क्षेत्र में भी जनजाति समाज को प्रोत्साहित किया गया। यही वजह है कि यहां का जनजा. ति समाज हर क्षेत्र में अपनी पेठ बना गया है।

इस दौरान बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि जनजाति समाज के उत्थान के लिए कांग्रेस हमेशा चिंतित रही है। कांग्रेस की सरकार आई तो जनजाति समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर जोशीमठ की पालिकाध्यक्ष देवेश्वरी शाह, जोशीमठ के ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी, पूर्व प्रमुख प्रकाश रावत व हरीश परमार, हरेंद्र राणा, जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह रावत, कनिष्ठ प्रमुख नरेश चंद्र, राकेश रंजन भिलंगवाल, हरिकृष्ण भट्ट, गोविंद सजवाण, योगेंद्र बिष्ट, उषा रावत, सुदर्शन शाह, सूर्यप्रकाश पुरोहित, अरविंद नेगी, संदीप झिक्वाण, केदार सिंह रावत समेत तमाम लोग मौजूद रहे। नीती घाटी जनजाति कल्याण समिति के उपाध्यक्ष गुलाब सिंह बिष्ट, कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह बुटोला, संयोजक मंडल के सदस्य धीरेंद्र गरोडिया, नंदी राणा आदि ने गणेश गोदियाल का जोरदार स्वागत किया।

जनपद स्थापना दिवस मेले की तैयारियां शुरू, स्थानीय कलाकारों को मिलेगा मौका

शाह टाम्स संवाददाता

डुंडा/उत्तरकाशी, 20 फरवरी 2026: रेणुका मंदिर में लगने वाले जनपद स्थापना दिवस मेले मां रेणुका मंदिर में आयोजित किया जाता है जिसको लेकर को लेकर ब्लॉक प्रमुख राजदीप सिंह परमार की अध्यक्षता में विभिन्न क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ब्लॉक सभागार डुंडा में आयोजित हुई। बैठक में सभी ने अपने सुझाव रखे।ब्लॉक प्रमुख राजदीप सिंह परमार ने कहा कि यह मेला जनपद स्थापना दिवस का प्रतीक है और इसमें सभी को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

सात दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में जनपद के छोटे-बड़े कलाकारों और स्कूलों के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया जाएगा। विगत वर्षों की भांति इस बार भी 15-16 देव डोली को आमंत्रित किया जाएगा।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मेले से लोगों को सीखने का संदेश मिले।

आधार अपडेट, स्थायी निवास, जाति और परिवार रजिस्टर की नकल जैसी सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध कराई जाएंगी।

देहरादून के नामी अस्पताल और ग्राफिक एरिया से 7 दिनों तक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

ब्लॉक प्रमुख ने सभी जनपदवा. सियों से सहभागिता का आह्वान करते हुए जन्मस्थान के सभी प्रति. निधियों को आमंत्रित करने का सुझाव दिया। बता दें, उत्तरकाशी जनपद 24 फरवरी 1960 को टिहरी जनपद से अलग हुआ था।

इस बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष नागेंद्र सिंह चौहान, पूर्व राष्ट्रीय एवं जिला स्तर पर विभिन्न पदों पर रहीं स्वराज विद्वान, जिला पंचायत सदस्य भारत सिंह बिष्ट, खंड विकास अधिकारी दिनेश चंद जोशी सहित कई सम्मानित व्यक्ति मौजूद रहे।

लोक भवन में 27 फरवरी से होगा बसंतोत्सव

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून । लोक भवन में वसंतोत्सव-2026 का 'कर्टेन रेजर' आयोजित किया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को

इस वर्ष 27 फरवरी से लोक भवन में शुरू हो रहे तीन दिवसीय वसंतोत्सव-2026 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विशेष पोस्टल कवर के लिए ''भोजपत्र'' का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी को दोपहर 1.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक तथा 28 फरवरी एवं 01 मार्च को प्रात: 09.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक वसंतोत्सव/पुष्प प्रदर्शनी जनसामान्य के लिए नि:शुल्क खुली रहेगी।

राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन में आयोजित होने वाला वसंतोत्सव पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह उत्सव प्रकृति, परंपरा और प्रगति के संगम का प्रतीक है तथा आमजन, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है।

राज्यपाल ने कहा कि वसंतोत्सव स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला और कृषि आधारित उत्पादों को एक सशक्त मंच प्रदान करता है। इस आयोजन के माध्यम से कारीगरों, किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और युवा उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर मिलता है, जिससे स्वरोजगार को बढ़ावा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पुष्प उत्पादन के बढ़ते क्षेत्रफल और अनुकूल जलवायु के कारण फ्लोरीकल्चर के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हुई हैं। पुष्प प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धित उत्पाद किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो रहे हैं, वहीं ऐसे आयोजन पुष्प पर्यटन को भी प्रोत्साहित कर स्थानीय पर्यटन और रोजगार के अवसरों का विस्तार कर रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पुष्पों का विशेष स्थान है और वसंत ऋतु सृजन एवं नव प्रेरणा का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि पुष्प, कृषि पर्वतीय एवं सीमांत क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को बल दे रही है। राज्यपाल ने कहा कि आध्यात्मिक रूप से पुष्प श्रद्धा, पवित्रता और कृतज्ञता के प्रतीक भी हैं।वसंतोत्सव में 15 मुख्य प्रतियोगिताओं की श्रेणी में कुल 55 उप श्रेणी हैं, जिनमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिये जाएंगे। कुल 165 पुरस्कार निर्णायक मण्डल के निर्णय के उपरान्त दिनांक 01 मार्च, 2026 को विजेताओं को प्रदान किए जाएंगे।

'कर्टेन रेजर' में सचिव कृषि एवं कृषक कल्याण एस.एन. पाण्डेय, अपर सचिव राज्यपाल रीना जोशी, निदेशक उद्यान एस. एल सेमवाल, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. रतन कुमार भी उपस्थित रहे।

- कर्टेन रेजर में राज्यपाल ने वसंतोत्सव-2026 की दी विस्तृत जानकारी
- इस वर्ष विशेष पोस्टल कवर के लिए ''भोजपत्र'' का किया गया है चयन

प्रथम बार आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम

इस वर्ष वसंतोत्सव की थीम ''फ्लोरल हीलिंग: नेचर्स पाथ टू वेल बीइंग'' निर्धारित की गई है, जिसमें प्रकृति एवं पुष्पों के माध्यम से मान. सिक, शारीरिक एवं सामाजिक कल्याण को रेखांकित किया गया है। विशेष फोकस भोज पत्र के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं औषधीय महत्व पर रहेगा। इस थीम के अनुरूप आयोजन स्थल की सज्जा, प्रदर्शनी, स्मृति-चिह्न, साहित्य एवं विभिन्न गतिविधियों का स्वरूप निर्धारित किया गया है। कृषि एवं कृषक कल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रहे 03 उत्कृष्ट कृषकों, 03 उत्कृष्ट महिला कृषकों, स्टार्टअप्स के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य कर रहे 03 अग्रणी युवाओं को गवर्नर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया जायेगा। विभिन्न आयु वर्ग के स्कूली बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता थीम आधारित थीम: 1. फ्लोरल हीलिंग: नेचर्स पाथ टू वेल बीइंग, 2. भोज पत्र वृक्ष एवं 3. उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक समृद्धि एवं धरोहर) कराई जायेगी। प्रदेश में उत्पादित उच्च गुणवत्ता युक्त ड्रैगन फ्रूट एवं कीवी के प्रचार-प्रसार के लिए विभागीय स्टॉल में प्रदर्शन किया जाएगा।

नगर निगम के स्वास्थ्य, निर्माण एवं भूमि अनुभाग की टीम ने की कार्रवाई

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर आयुक्त नमामि बंसल के निर्देशों के क्रम में, अपर नगर आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में नगर निगम देहरादून के स्वास्थ्य अनुभाग, निर्माण विभाग एवं भूमि अनुभाग की संयुक्त टीम द्वारा शुक्रवार को नगर में प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया।

अभियान का उद्देश्य मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट का नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करना तथा अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करना रहा। स्वच्छता एवं गंदगी फैलाने पर स्वास्थ्य अनुभाग ने सख्त कार्रवाई की। नगर निगम की स्वच्छता टीम द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए 176 चालान किए गए। 86,300 की धनराशि अर्थदंड के रूप में अधिरोपित की गई।

सीएंडडी वेस्ट (निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट) पर कार्रवाई: अनुचित स्थानों पर निर्माण मलबा डालने के मामलों में 15 चालान किए गए।10,500 का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। साथ ही, मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पाए गए मलबे को हटाने को आवश्यक संसाधन लगाए गए तथा संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में नियमानुसार निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। अतिक्रमण हटाने एवं प्रवर्तन कार्रवाई भूमि अनुभाग की टीम द्वारा मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण के विरुद्ध सघन कार्रवाई करते हुए 30 चालान किए गए। 14000 की धनराशि नगद वसूली गई।इसके अतिरिक्त अभियान के दौरान मार्गों से अवैध प्रचार सामग्री एवं अतिक्रमण हटाते हुए 80बैनर/पोस्टर हटाए गए। अपर नगर आयुक्त द्वारा संयुक्त टीम को निर्देशित किया गया कि नगर निगम क्षेत्र के मुख्य मार्गों पर किसी भी प्रकार का सीएंडडी वेस्ट डालने, अवैध होर्डिंग लगाने, अतिक्रमण करने अथवा गंदगी फैलाने वाले व्यक्तियों का चिन्हीकरण कर निरंतर नोटिस एवं चालान की कार्रवाई' की जाए।

नगर निगम न की नागरिकों से अपील

नगर निगम देहरादून नागरिकों से अपील करता है कि निर्माण संबंधी मलबा केवल निर्धारित स्थलों पर ही डालें, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाएं तथा अतिक्रमण से बचें। स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित शहर निर्माण में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। नगर निगम देहरादून नागरिकों से अपील करता है कि निर्माण संबंधी मलबा केवल निर्धारित स्थलों पर ही डालें तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित, व्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

आज होगा महिलाओं के हृदय स्वास्थ्य पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

देहरादून। हृदय रोग विशेषज्ञों की संस्था 'कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया' के उत्तराखंड चैप्टर के तत्वावधान में 21 और 22 फरवरी को देहरादून में महिलाओं से संबंधित हृदय संबंधी समस्याओं पर केंद्रित एक दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रमुख डॉक्टर भाग लेंगे। कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रो. सत्येंद्र तिवारी ने शुक्रवार को प्रेस क्लब देहरादून में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की एक पहल शपिंक काउंसिलश ने आधिकारिक तौर पर शविमेंस हार्ट हेल्थ इनिशिएटिवश शुरू किया है। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन है जिसका उद्देश्य महिलाओं में हृदय रोगों के बढ़ते लेकिन कम पहचाने जाने वाले बोझ को दूर करना है। पिंक काउंसिल की राष्ट्रीय संयोजक प्रो. रूपाली खन्ना ने कहा कि महिलाओं की मृत्यु का प्रमुख कारण आज भी हृदय रोग ही है।

मंत्री ने किया डायट भीमताल का औचक निरीक्षण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

हल्द्वानी/देहरादून। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुक्रवार को कुमाऊँ मण्डल के एक दिवसीय दौरे के दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) भीमताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से संस्थान में शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। डॉ. रावत ने भ्रमण के दौरान विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं को भी परखा। इसके अलावा उन्होंने हल्द्वानी में आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि कुमाऊँ मण्डल के एक दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने डायट भीमताल सहित विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल के औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान की शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया।। डॉ. रावत ने निरीक्षण के दौरान डायट परिसर में निर्माणाधीन बहुउद्देशीय भवन एवं प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्यों की जानकारी ली, साथ ही कार्यदायी संस्था एवं विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

डालनवाला पुलिस ने दबोचा वाहन चोर

देहरादून। एसएसपी के निर्देश पर डालनवाला पुलिस ने क्रॉस रोड मॉल के बाहर से चोरी हुई स्कूटी के मामले का पर्दाफाश करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से चोरी का वाहन बरामद कर लिया गया है। कौलागढ़ निवासी यशस्वी कौशल ने कोतवाली डालनवाला में तहरीर दी थी कि उनकी पर्पल रंग की स्कूटी क्रॉस रोड मॉल के बाहर से चोरी हो गई है। पुलिस ने बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। चेकिंग के दौरान अभियुक्त रूपक थापा को चोरी की स्कूटी के साथ दबोच लिया गया।

एआई समिट में कांग्रेस का हंगामा देशद्रोह जैसा कृत्य: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने एआई समिट में कांग्रेस के हंगामे की कड़े शब्दों भर्त्सना करते हुए, देश की छवि खराब करने की साजिश करार दिया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा, ये देशद्रोही कृत्य नहीं तो क्या है, जरूरी नही इसके लिए हथियार ही उठाए जाएं। दर्जनों राष्ट्रध्यक्षों के सामने देश के अपमान की ये को. शिश बताती है कि विदेशी ताकतों की टूल किट बनी कांग्रेस की ये कोशिश, संयोग नहीं बल्कि सोचा समझा राष्ट्रविरोधी प्रयोग है।

उन्होंने मीडिया से हुई बातचीत में कहा, भारत आज दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम एआई के क्षेत्र में वर्ल्ड लीडर की तरह भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी बानगी है , देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रतिष्ठित वैश्विक एआई समिट की मेजबानी। जो दुनिया के सामने भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और नेतृत्व को प्रदर्शित कर रहा है। विश्वास नहीं होता कि जब दुनिया के 20 देश के राष्ट्रीय अध्यक्ष और 1000 से अधिक कंपनियों के सीईओ मौजूद हों, तब कोई भी नागरिक ऐसा शर्मनाक कृत्य कर सकता है।उन्होंने राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जुड़े इस अंतर्राष्ट्रीय यज्ञ में कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं के विघ्न डालने की कोशिश को शर्मनाक एवं अफसोसजनक बताया है। मुहब्बत की दुकान का दावा करने वाले राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने फिर से गरिमा की जगह अव्यवस्था को चुना है। ये देश विरोधी मानसिकता नहीं तो क्या है, जरूरी नहीं कि इसके लिए हथियार ही उठाए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज देश की छवि खराब करने के लिए देश विरोधी ताकतों की टूल किट बन गई है। कहा कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार और हंगामा खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

अनुशासन से समझौता नहीं, एसएसपी ने लापरवाही पर लगाई फटकार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी कड़े तेवरों में नजर आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों का वेलफेयर प्राथमिकता है, लेकिन अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।एसएसपी ने क्वार्टर गार्द, बैरक और मैस का भ्रमण किया। वहां सफाई व्यवस्था दुरुस्त न मिलने पर उन्होंने गार्द कमांडर और कर्मियों को सख्त हिदायत दी।

सरकारी वाहनों के लॉग बुक और रनिंग रजिस्टर अपडेट न होने पर एसएसपी ने उप निरीक्षक (परिवहन) को कड़ी फटकार लगाई और कार्यप्रणाली सुधारने की चेतावनी दी। ' सुरक्षा और प्रशिक्षण: बी.डी.एस. (बम निरोधक दस्ते) के उपकरणों की जांच करते हुए उन्होंने संदिग्ध वस्तुओं की सूचना पर त्वरित कार्रवाई के लिए थाना पुलिस और बीडीएस टीम को नियमित संयुक्त प्रशिक्षण के निर्देश दिए।

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जीएमएस रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सीआईएन U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक-148 **निविदा आमन्त्रण सूचना** दिनांक- 20/02/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, परियोजना जानपद अनुरक्षण-ढालीपुर, द्वारा इच्छुक निविदादाताओं से मोहरबन्द निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:-
निविदा संख्या-40/EE/PCM/Dhalipur/2025-26
कार्य का नाम-ढालीपुर, देहरादून स्थित आसन बैराज मे सिल्ट इजेक्टर नहर का अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य।
अनुमानित लागत - Rs. 9,97,561.00 (GST अतिरिक्त)
वैब साईट पर निविदा की उपलब्धता की तिथि एवं समय: 20.02.2026 को 17:00 बजे से
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय: 13.03.2026 को 15:00 बजे तक
अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी बेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की बेबसाइट "https://ujvnl.uk.gov.in" से डाउनलोड किये जा सकते हैं।
अधिशासी अभियन्ता
"बिजली के दुरुपयोग से बचें" परियोजना जानपद अनुरक्षण, ढालीपुर

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
विद्युत वितरण खण्ड, बड़कोट
CAN- UA 40109 UP 2001 SGC 025867

निविदा विस्तारीकरण

इस कार्यालय के पत्रांक 514/वि०वि०ख०ब०/दिनांक 05.02.2026 द्वारा निविदा संख्या 16, 21/25-26 जिनकी निविदा विक्रय की तिथि 17.02.2026 एवं निविदा खोले जाने की तिथि 18.02.2026 थी, को अपरिहार्य कारणों से विस्तारित किया जाता है। अब निविदा पुनः विक्रय की तिथि 27.02.2026 एवं खुलने की तिथि 28.02.2026 को उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख खोली जायेंगी। अन्य नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगे।
पत्रांक : 620/वि०वि०ख०ब०/टी-7 दिनांक : 18.02.2026 **अधिशासी अभियन्ता**
''राष्ट्र हित में बिजली बचायें'' ''टोल-फ्री नं० -1912''

एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के अराजकता फैलाने के विरोध में फूंका पुतला

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

- भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी एवं राहुल गांधी के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

देहरादून। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस द्वारा अराज. कता फैलाने के प्रयास के विरोध में शुक्रवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा ने महानगर कार्यालय देहरादून से कांग्रेस मुख्यालय तक जोरदार प्रदर्शन किया। भाजयुमो

कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी एवं राहुल गांधी के खिलाफ नारेबा. जी करते हुए पुतला दहन किया। प्रदेश अध्यक्ष भाजयुमो विपुल मंडोली ने कहा कि देश की प्रगति और तकनीकी विकास के महत्वपूर्ण मंच पर इस प्रकार का व्यवधान लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की हरकतें कर रही है। मोर्चा ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तकनीकी क्षेत्र में विश्व पटल पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है और ऐसे में किसी भी प्रकार की अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर मोर्चा प्रभारी आदित्य चौहान, युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष कुलद. ीप पंत, महानगर प्रभारी संकेत नौटियाल, प्रदेश उपाध्यक्ष आर्यन उनियाल, देवेंद्र बिष्ट, प्रदेश मीडिया प्रभारी संजय तोमर के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे

डॉ. सिंघल उत्तराखंड ऊर्जा रत्न पुरस्कार 2025-26 से सम्मानित

देहरादून। यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल को इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) के देहरादून चैप्टर द्वारा' ट्रांससॉर्मिंग वर्क एंड वर्कफोर्स एक्सपेक्टेशन: द न्यू पीपल एजेंडा' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में ऊर्जा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित "उत्तराखंड ऊर्जा रत्न पुरस्कार 2025-26" से सम्मानित किया गया। डॉ. सिंघल को यह सम्मान यूजेवीएन लिमिटेड को ऊर्जा क्षेत्र में सतत् लाभ कमाने वाले निगम के रूप में स्थापित करने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ . संदीप सिंघल के कुशल नेतृत्व में यूजेवीएन लिमिटेड ने वित्तीय रूप से सुदृढ़ता प्राप्त करने के साथ ही प्रदेश की ऊर्जा क्षमता में वृद्धि तथा तकनीकी उन्नयन की दिशा में भी कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। यूजेवीएन लिमिटेड की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत है तथा निगम कई वर्षों से राज्य सरकार को उनके पूंजी निवेश पर लगातार लाभांश देता आया है। इस अवसर पर इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल शाह, उपाध्यक्ष उत्तर क्षेत्र अंकिता शर्मा सूरी, अध्यक्ष देहरादून चौप्टर अनूप कुमार, सचिव राजेंद्र सिंह सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वक्ताओं ने डॉ. सिंघल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके कार्य को ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रेरणास्रोत बताया। डॉ. सिंघल ने इस सम्मान के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अपनी टीम और सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया तथा भविष्य में भी प्रदेश और देश के ऊर्जा क्षेत्र के विकास हेतु निरंतर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड सं. 252018182765 में मेरा नाम सुमित्रा अंकित है जबकि मेरे बैंक के दस्तावेजों में मेरा नाम सुमन बडोनी अंकित है। उक्त दोनो नाम सुमित्रा व सुमन बडोनी एक ही व्यक्ति के है।
सुमित्रा पत्नी शिव प्रसाद बडोनी निवासी- मकान नम्बर-11 सुमन नगर धर्मपुर, जिला देहरादून, उत्तराखण्ड-248001.

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम तौफीक हुसैन-TAUFIQ HUSSAIN (पुराना नाम) से बदलकर तौफीक हुसैन रिजवी-**TAUFIQUE HUSSAIN RIZVI** (नया नाम) कर लिया है। भविष्य में मुझे तौफीक हुसैन रिजवी पुत्र तौकीर हुसैन के नाम से जाना व पहचाना जाए।
शपथकर्ता:- तौफीक हुसैन रिजवी पुत्र तौकीर हुसैन, निवासी: 44/8, गांधी रोड, मेन पोस्ट ऑफिस, देहरादून, देहरादून, पिन- 248001 (उत्तराखण्ड)।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि.
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय-अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड,डोईवाला
Email Id-eedoiwalaupcl11@gmail.com

पत्रांक : 641/(EDD(D)/ दिनांक 20/02/2026

निविदा सूचना

[illegible]

निविदा संख्या	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अन्तिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र जमा करने व खोलने की तिथि व समय
49/EDD(D)/2025-26	विद्युत वितरण खण्ड, डोईवाला के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तकों को बदलने का कार्य।	₹1000.00+ जी०एस०टी०	₹ 45000.00	12.03.2026 (12:00 बजे तक)	13.03.2026 14:00 बजे, (15:00 बजे निविदा खोली जायेगी)

किसी भी विद्युत समस्या के लिये सम्पर्क करें टोल फ्री नं0 18004190405 | राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड, डोईवाला।

अकीदत के साथ अदा की गई रमजान के पहले जुमा की नमाज

रोजेदारों ने मुल्क में अमन-ओ-चौन के लिए मांगी दुआएं

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

- 50 रुपये प्रति व्यक्ति सदकतुल फित्र तय

देहरादून। मुकघ्द्दस माहे रमजान के पहले जुमा पर देहरादून शहर और आसपास के इलाकघें की मस्जिदों में रूहानी मंजर देखने को मिला। अकीदतमंद रोजेदारों ने पूरी नर्मी, खघ्शू-ओ-खघ्जू और एहतराम के साथ नमाज अदा की और मुल्क में अमन-ओ-आमान, खुशहाली और तरकघ्कघी के लिए खघस दुआएँ मांगीं।

पहले जुमा की अहमियत के मद्देनजर शहर की तमाम मस्जिदों में नमाजियों का हुजूम उमड़ पड़ा। आलम यह था कि कई स्थानों पर मस्जिदों के भीतर जगह कम पड़ गई और लोगों ने बाहर सहन, सड़कों तथा छतों पर सफें बनाकर नमाज अदा की। इंतजामिया कमेटियों की ओर से अतिरिक्त टेंट और ध्वनि व्यवस्था की मुकम्मल तैयारी की गई थी, ताकि इबादत में किसी तरह की दिक्कत न हो।

जुमा की नमाज से पहले इमामों और उलेमा-ए-किराम ने रमजान की फजीलत, सब्र, तकघ्वा और इंसानियत के पैगाम पर रोशनी डाली। उन्होंने जकात और सदकघ्तुल फित्र की अदायगी पर जोर देते हुए कहा कि रमजान दरअसल हमदर्दी, गमखघ्वारी और जरूरतमंदों की मदद का महीना है। उलेमा ने रोजेदारों से अपील की कि वे अपने आसपास के गरीब और बेसहारा लोगों का खास ख्याल रखें। मुफ्ती ताहिर कघसमी की तहकघीकघ के बाद इस वर्ष सदकघ्तुल फित्र 50 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किए जाने का ऐलान मस्जिदों से किया गया। उलेमा ने स्पष्ट किया कि फित्रा ईद की नमाज से पहले अदा करना अफजल है, ताकि जरूरतमंद भी ईद की खुशियों में शरीक हो सकें।

शहर की विभिन्न मस्जिदों में प्रमुख उलेमा की इमामत में नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद पलटन बाजार में शहर कघजी मुफ्ती हाशिम कघसमी, मुस्लिम कॉलोनी पार्क वाली मस्जिद में कघजी दारुल कघ्जा मुफ्ती सलीम अहमद, धामावाला में मुफ्ती हुजैफा, सना मस्जिद आजाद कॉलोनी में मुफ्ती वासिल, सईदिया मस्जिद में मुफ्ती अयाज जामई, फातिमा मस्जिद में मौलाना महताब तथा फिरदौस मस्जिद अधोईवाला में मुफ्ती नदीम ने नमाज अदा कराई।

नमाज के बाद रोजेदारों ने हाथ उठाकर दुआ की कि अल्लाह तआला मुल्क को नफरत और फित्नों से महफूज रखे, भाईचारे को मजबूत करे और हर घर में सुकून व बरकत अता फरमाए। पहले जुमा का यह रूहानी मंजर शहर भर में इत्तेहाद, मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम देता नजर आया

कार्यालय नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग

पत्रांक : 1577/कर अनु./2025-26 दिनांक 20.02.2026

(संशोधित निविदा सूचना)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका परिषद रूद्रप्रयाग द्वारा पत्र सं. 1568/कर/अनु./2025-26, दिनांक 12/02/2026 के द्वारा प्रकाशित सूचना में क्र. सं. 07 के बाद सूचना निम्नानुसार संशोधन के अनुसार पढा जाय, शेष यथावत रहेगा।

क्र. सं.	विवरण	क्षमता	अवधि	जमानत राशि	न्यूनतम निधारित राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
8.	पार्किग 01 सुरंग पार निकट संगम मार्ग।	8 nos. car vichle parking	01.04.2026 से 31.03.2027 तक	2,000/-	20,000/-	1000+GST
9.	पार्किग 02 निकट संगम (काली कमली आश्रम)	5 nos. car vichle parking	01.04.2026 से 31.03.2027 तक	2,000/-	10,000/-	1000+GST
10.	पार्किग कालापौड निकट डाटपुल	5 nos. car vichle parking	01.04.2026 से 31.03.2027 तक	2,000/-	15,000/-	1000+GST

अधिशासीअधिकारी
नगरपालिकापरिषद, रूद्रप्रयाग

अध्यक्ष
नगरपालिकापरिषद, रूद्रप्रयाग

अकीदत व सादगी के साथ अदा की गई रमजान के पहले जुमे की नमाज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रमजान उल मुबारक के पवित्र महीने का पहला जुमा शुक्रवार को बेहद अकीदत और सादगी के साथ अदा किया गया। नमाज के बाद सभी मस्जिदों मे रोजेदारों ने हाथ उठा कर अपने देश और प्रदेश में अमन, चौन, शांति और भाईचारे के लिए दुआ मांगी। सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मस्जिदों के बाहर पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से तैनात रहे। ज्वालापुर क्षेत्र की प्रमुख मस्जिदों जैसे जामा मस्जिद सेक्टर-1, अहमदनगर मस्जिद, कुरैशियान मस्जिद, हज्जबान मस्जिद, खरादियान मस्जिद और अंसारियान मस्जिद में रोजेदारों से खचाखच भरी रही। नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे, जिससे मस्जिदों के साथ-साथ आसपास के रास्तों पर भी रौनक नजर आई। अंसारियान मस्जिद में जुमे की नमाज से पहले मौलाना आरिफ कासमी ने तकरीर में कहा कि यह पूरा महीना खुदा की इबादत और रहमतों का है। उन्होंने बताया कि रमजान का यह पाक महीना अल्लाह की बरकतों को समेटने का समय है।

मौलाना आरिफ कासमी ने रोजेदारों को बताया कि इस पाक महीने में अल्लाह अपने बंदों पर रहमतों की बारिश करता है। उन्होंने कहा कि रमजान में खुदा अपने करम से नेकियों को 70 गुना बढ़ा देता है। यानी अगर आप एक नेकी करेंगे, तो उसका सवाब आपको 70 नेकियों के बराबर मिलेगा। उन्होंने लोगों से कहा इस महीने में ज्यादा से ज्यादा इबादत करने और गरीबों की मदद करने की अपील की।

अपहृत दो वर्षीय बच्ची को पुलिस ने सकुशल किया बरामद

पुलिस की सक्रियता देखकर बच्ची को छोड़कर फरार हुए युवक की तलाश में जुटी पुलिस

फुटपाथ पर माता पिता के साथ सो रही थी बच्ची

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर कोतवाली क्षेत्रांर्गत तुलसी चौक से अपहत हुई दो साल की बच्ची को पुलिस ने चार घंटे में सकुशल बरामद कर लिया। बरामद करने के बाद बच्ची को उसके माता पिता के सुर्पुद कर दिया गया। बच्ची के सकुशल मिलने पर माता पिता ने पुलिस का आभार जताया है। बच्ची का परिवार उत्तर प्रदेश के हरदोई का रहने वाला है और घाटों पर भिक्षा मांगकर गुजर बसर करता है। बृहष्पतिवार की रात बच्ची अपने माता पिता के साथ तुलसी चौक के फुटपाथ पर सो रही थी। इसी दौरान वहां आया एक व्यक्ति बच्ची को उठाकर ले गया। जब माता पिता को इसका पता चला तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। एसएसपी नवनीत सिंह ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर नगर कोतवाली पुलिस, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट व सीआईयू की पांच टीमों का गठन करते हुए बच्ची की जल्द सकुशल बरामदगी के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस टीमों को अलर्ट करते हुए जनपद के संवेदनशील स्थान, बॉर्डर, बस अड्डे व रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियों की जांच शुरू की गयी। बच्ची की बरामदगी के लिए जांच पड़ताल में जुटी टीमों ने पचास से अधिक सीसीटीवी चेक किए। एक सीसीटीवी फुटेज में एक युवक बच्ची को गोद में उठाए देवपुरा चौक से ऋषिकुल चौक की और जाता हुआ दिखा। सीसीटीवी फुटेज से मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने ऋषिकुल चौक बस स्टॉप के पास लावारिस हालत में बच्ची को बरामद कर लिया। सीसीटीवी फुटेज में बच्ची को उठाकर ले जा रहे व्यक्ति का चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं देने पर पुलिस टीमें जुटाए गए सबूतों को जोड़कर अपहरणकर्ता की तलाश कर रही हैं। एसएसपी ने बताया कि पुलिस की सक्रियता को देखकर बच्ची को छोड़कर फरार हुए आरोपी को चिन्हित कर लिया गया है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मासूम बच्ची को साथ रख बुजुर्ग महिलाओं को लूटने वाला जहरखुरान गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जीआरपी ने ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाने वाले एक शातिर जहरखुरान को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी इतना शातिर था कि किसी को शक न हो, इसके लिए वह वारदात के समय अपनी 5 साल की मासूम बच्ची को साथ रखता था। पुलिस ने आरोपी के पास से नशीली गोलियां और चोरी के मोबाइल बरामद किए हैं। सफलता पर जीआरपी कप्तान अरुणा भारती ने पुलिस टीम को 2500 रुपये इनाम देने की घोषणा की है। जीआरपी कप्तान अरुणा भारती ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रेस वार्ता कर घटना का खुलासा करते हुए बताया कि सहारनपुर निवासी आरोपी नीटू (36 वर्ष) बेहद शातिर किस्म का अपराधी है। वह रेलवे स्टेशन पर ऐसी बुजुर्ग महिलाओं को चुनता था जो अकेली हों या अपने वृद्ध पति के साथ हों। विश्वास जीतने के लिए वह अपनी छोटी बच्ची को आगे करता और लच्छेदार बातों में फंसाकर उन्हें चाय ऑफर करता था। पहले वह खुद और अपनी बच्ची को चाय पिलाता, फिर नशीली दवा मिली चाय महिला को दे देता था। महिला के बेहोश होते ही वह गहने और नकदी लेकर फरार हो जाता था। बीते कुछ महीनों में हरिद्वार और लक्सर क्षेत्र में जहरखुरानी की कई घटनाएं सामने आई थीं। जीआरपी पुलिस ने इन मामलों को सुलझाने के लिए लगभग 800 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक ही कद-काठी का संदिग्ध नजर आने पर पुलिस ने जाल बिछाया। शुक्रवार सुबह जब वह दोबारा शिकार की तलाश में हरिद्वार स्टेशन पहुंचा, तो मुखबिर की सूचना पर टीम ने उसे दबोच लिया। आरोपी के साथ मौजूद उसकी बच्ची को पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के बाद उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जीआरपी प्रभारी बिपिन चंद्र पाठक ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने 20 जनवरी 2026 को लक्सर निवासी एक महिला को नशीली चाय पिलाकर कुंडल और पाजेब लूटे थे। इससे पहले अक्टूबर 2025 में बरेली की एक महिला और जुलाई 2025 में सहारनपुर की महिला को भी शिकार बनाया था। जीआरपी कप्तान अरुणा भारती ने बताया कि आरोपी केवल पांचवीं पास है, लेकिन बहुत शातिर तरीके से पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस ने आरोपी को मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। टीम में जीआरपी प्रभारी बिपिन चंद्र पाठक, एसआई प्रमोद कुमार, एसआई प्रीति, एसओजी प्रभारी संजय शर्मा समेत अन्य शामिल रहे।

पेयजल निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

तीन महीने से नहीं मिला है कार्मिकों को वेतन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पेयजल निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभाग को राजकीय घोषित करने, राजकीय विभाग घोषत होने तक वेतन पेंशन का आहरण कोषागार से करने, सेंटेज व्यवस्था को समाप्त कर कार्मिकों के वेतन पेंशन भुगतान के लिए पेयजल सचिव के अधीन बजट का प्रावधन करने की मांग को लेकर पेयजल निगम की निर्माण शाखा में धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के दौरान के दौरान उत्तराखंड पेयजल निगम कर्मचारी महासंघ के मंडल सचिव कुमार गौरव ने बताया कि विभाग में सेंटेज व्यवस्था लागू है। जिसके तहत परियोजना पूरी होने पर विभाग को 12.5 प्रतिशत सेंटेंज मिलता है। जिससे कार्मिकों के वेतन, पेंशन व अन्य भत्तों का भुगतान किया जाता है। पेयजल योजनाओं से जुड़ा काम अन्य एजेंसियों को दिया जा रहा है। जिससे विभाग को कम योजनाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि सेंटेंज कम होने के कारण कार्मिकों को तीन महीने से वेतन नहीं मिल पाया है। जिससे ईएमआई, घर का राशन, बच्चों की स्कूल फीस व अन्य खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि सेंटेंज व्यवस्था को समाप्त कर विभाग को राजकीय घोषित किया जाए। राजकीय विभाग घोषित होने तक वेतन पेंशन का भुगतान कोषागार से किया जाए और प्रत्येक माह की 1 तारीख को सभी कार्मिकों को वेतन व पेंशन दी जाए। प्रांतीय ऑडिटर शलभ मित्तल ने बताया कि मांगों को लेकर पूरे प्रदेश में किए जा रहे आंदोलन के क्रम में जनपदवार 21 फरवरी से 5 मार्च तक प्रदेश मुख्यालय देहरादून में प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से विभाग के राजकीयकरण की मांग की जा रही है। इसके लिए कई बार समितियों का गठन भी किया गया। लेकिन आज तक इसे मूर्त रूप नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि मांगे पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन में इंजीनियर सीपी गंगवार, अरूण कुशवाहा, मौ. परवेज, शशि भूषण शाह, एकता रानी, गीता मवानी, सिद्धार्थ कुमार, शिव शर्मा, जीपी गैरोला, अनिकेत गुप्ता, प्रियव्रत गुप्ता, मनीष कश्यप, विकास सैनी, इंजीनियर सचिन कुमार, अंबिका प्रसाद भट्ट, नीरज कपिल, वर्षा बिष्ट, वैजयन्ती आर्या, सावित्री, अरूण कुशवाहा, सुप्रिया कुलश्रेष्ठ सहित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

भाजयुमो नेता रोहन सहगल ने एआई रणनीतिक संवाद में लिया भाग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रोहन सहगल ने नई दिल्ली स्थित डेनिश रेजिडेंसी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय रणनीतिक संवाद में भाग लिया। संवाद में देशभर के युवा राजनीतिक व नीति नेतृत्वकर्ताओं ने लोकतंत्र, शासन और नेतृत्व पर एआई के प्रभावों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम की मेजबानी रासमस एबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन, दूतावास के उप प्रमुख मार्टिन पीटरसन तथा ऐनी मैरी एंगटॉफ्ट ने की। इस अवसर पर रोहन सहगल ने कहा कि एआई तेजी से समाज और लोकतांत्रिक ढांचे को प्रभावित कर रहा है, इसलिए तकनीकी नवाचार को लोकतांत्रिक मूल्यों, जवाबदेही और वैश्विक नैतिक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाना आवश्यक है।

रमजान के पहले जुमे की नमाज अदा कर अमन चैन की मांगी दुआए

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के दर्जनों गांव में रमजान के पहले शुक्रवार को मस्जिदों में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने जुमे की नमाज अदा की। रोजेदारों ने नमाज अदा कर अल्लाह की इबादत कर उसकी रहमत पाने के लिये देश व मुल्क के लिये अमन चेन की दुआ मांगी।

पथरी क्षेत्र के गांव इब्राहिमपुर, अलावलपुर, धनपुरा, घिससुपुरा, अम्बुवाला, एककड कला, पदार्था, कटारपुर, चांदपुर, नाशिरपुर कला, कासमपुर, बुढहेड़ी, बहादरपुर जट, आदि गांव में पहले शुक्रवार को मुख्य मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की गई। रमजान को लेकर बाजारों में चहल पहल रही। पहले जुमे की नमाज अदा करने के बाद रोजेदारों ने अपनी जरूरत के सामानों की खरीददारी भी की। दोपहर करीब 12 बजे से सभी प्रमुख मस्जिदों में बड़ी संख्या में पहुंचकर रोजेदारों ने रमजान के पहले जुमा की नमाज अदा करने के बाद अल्ला की रहमत पाने के लिये हाथ उठाये। वही जुमे की नमाज अदा कर बच्चों ने भी खुदा की इबादत ओर मुल्क में अमन शांति की दुआ मांगी। बड़े बुजर्ग, बच्चों व महिलाओ ने रोजे रखकर कुरआन की तिलावत कर खुदा के सजदें में अपना सिर झुकाया। सभी स्थानों पर जुमे की नमाज सकुशल सम्पन हुई। उसके बाद रोजेदारों ने बाजारों से रोजा अफ्तारी के लिये खजरे, सेवया, खजूर आदि सामान की खरीदारी की है। जुमे की नमाज अदा करने के दौरान पुलिस भी व्यवस्था में खड़ी नजर आई। एसओ पथरी मनोज नोटियाल ने बताया जुमे की नमाज के दौरान कुछ गांव में सुरक्षा व्यवस्था के लिये पुलिस लगाई गई थी। सभी स्थानों पर नमाज सकुशल सम्पन हुई है।

नगर पालिका शिवालिक नगर में भ्रष्टाचार के आरोप

एसआईटी जांच व वित्तीय अधिकार सीज करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कांग्रेस प्रदेश महासचिव महेश प्रताप राणा ने अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर नगर पालिका शिवालिक नगर में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जांच के लिए एसआईटी गठित किए जाने और नगर पालिका अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार सीज किए जाने की मांग की है। महेश प्रताप राणा ने कहा कि नगर पालिका शिवालिक नगर में व्याप्त भ्रष्टाचार के संबंध में विभिन्न संगठनों द्वारा लगातार शिकायतें की जाती रही हैं। उक्त प्रकरणों से संबंधित अनेक मामलों की जांच जिला प्रशासन एवं शासन स्तर पर लंबित है। जांच में हीलाहवाली एवं आरोपों में सम्मिलित व्यक्तियों द्वारा जांच को प्रभावित किए जाने संबंधी चर्चा भी आमजन में लगातार होती रही हैं। महेश प्रताप राणा ने कहा कि वर्ष 2023 में हुए लाइट खरीद प्रकरण की निदेशालय स्तर पर करायी गयी जांच की रिपोर्ट में नगर पालिका प्रशासन को अनियमितताओं का दोषी माना गया था। लेकिन आज तक रिपोर्ट को शासन स्तर पर सार्वजनिक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि लाइट खरीद सहित अन्य मामलों में वित्तीय अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के लिए प्रथम दृष्टया नगर पालिका अध्यक्ष उत्तरादायी हैं। इसलिए लाइट खरीद सहित अन्य मामलों में वित्तीय अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों की समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जाए। साथ ही जांच की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार तत्काल प्रभाव से सीज किए जाएं। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालेश्वर सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुरली मनोहर, राजबीर सिंह चौहान, तेलूराम प्रधान, अशोक धींगान, अमित नौटियाल, सतीश दुबे, सीपी सिंह, तीर्थपाल रवि, प्रियांशु, विकास सिंह, राजेंद्र, सुनीता सिंह, पूनम भगत, बालेश्वर सिंह, बीएस तेजियान, अरूण चौहान, एमपी शर्मा, प्रियव्रत शामिल रहे।

कांग्रेसियों ने की संसदीय कार्यमंत्री के इस्तीफे की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दिए बयान और भाजपा समर्थक द्वारा राहुल गांधी और 25 कांग्रेस सांसदों को गोली मारने की धमकी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऋषिकुल स्थित कार्यालय पर केंद्र सरकार और किरेन रिजीजू के खिलाफ प्रदर्शन कर रिजीजू के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान कांग्रेस की महिला नेत्रीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चूड़ियां भेजी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी और मनोज सैनी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा और मोदी सरकार बौखला गई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू का बयान निंदनीय ही नहीं दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे मंत्री का पद पर बने रहना देश के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को एपस्टीन फाइल्स को लेकर जवाब देना चाहिए। इसके उलट मोदी सरकार के मंत्री ऊलजलूल बयान देकर देश की जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा और आईटी सेल के प्रदेश सचिव आशु भारद्वाज ने कहा कि मोदी सरकार गोडसे जैसे देश विरोधी तत्वों को बढ़ावा और संरक्षण देने का काम कर रही है। कांग्रेस और देश की जनता गांधी के देश में इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। आईटी सेल के लोकसभा संयोजक अनिल ठाकुर और महानगर महासचिव अखिल शर्मा त्यागी ने कहा कि 2014 से देश में कमजोर सरकार चल रही है, जिसके फैसले अमेरिका में लिए जा रहे हैं। इस अवसर पर वीरेंद्र भारद्वाज, जवाहर चावला, हरविंदर सिंह, आलोक कौशिक, चंदन शर्मा, शुभम् रावत, जावेद आलम, मनीष कश्यप, राजू चित्कारा, सोनू सैनी, श्याम सिंह, राजबीर, सरिता शर्मा, सागर बेनीवाल, हरीश भाटिया, विवेक कुमार, हकीम, नंदा सैनी, शिवम बाल्मीकि आदि शामिल रहे।

शिव मंदिर में विधायक अनुपमा रावत ने भंडारे का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के गांव टिहरी डोब नगर स्थित शिव मंदिर में हवन यज्ञ के दौरान भण्डारे का आयोजन किया। विधायक अनुपमा रावत ने भक्तो को प्रसाद खिलाया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी भंडारे में शामिल हुए। शुक्रवार को गांव टिहरी डोबनगर में ग्रामीणों की ओर से शिव मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में समिल होने पहुचे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत व विधायक अनुपमा रावत ने भक्तो को प्रसाद वितरण किया। इस दौरान विधायक ने शिवमंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। टिहरी डोब नगर पथरी मे शिव मंदिर मे पूजा अर्चना एवं भंडारे का आयोजन में हजारों शिवभक्तों ने प्रसाद खाया। और ग्रामीणों ने सामाजिक एकता एव आस्था धार्मिक भाई चारे का संदेश दिया। इस दौरान सोवन सिंह चौहान, मंजीत खरोला, महावीर खरोला, गब्बर पवार, सुरवीर सिंह गुसाईं, जबर सिंह नेगी, धर्मेंद्र चौहान, अजय चौहान, शेष राज, महेश राणा, राजवीर चौहान, नाथीराम, लखन चौहान, कुलदीप चौहान, पवन चौहान, आजाद गोसाई गौरव चौहान, शैलेंद्र पाठक, खेमचंद, शौकीन कालूरा, बालेश्वर सिंह जिला अध्यक्ष, नाग सिंह कश्यप, पंकज चौधरी, सुशील चौहान, महावीर रावत आदि उपस्थित रहे।

नशा तस्कर गिरफ्तार, 1200 नशीले कैप्सूल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना पुलिस टीम ने एक नशा तस्कर को नशीले कैप्सूलों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। हरिद्वार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पथरी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसएसपी ने खुलासा करते हुए बताया गुरुवार की रात्रि को पुलिस गस्त के दौरान पुलिस टीम ने फेरुपुर से बदरपुर जट जाने वाले मार्ग पर ट्यूबवेल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति स्कूटी पर दिखाई दिया। पुलिस को व्यक्ति को रोककर जब तलाशी ली गई तो व्यक्ति के कब्जे से भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल बरामद हुये हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कई नशीले कारोबारी के बारे महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं, जिन पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पथरी थाना प्रभारी मनोज नौटियाल बताया कि नशा तस्कर प्रमोद कुमार पुत्र रमेश चंद निवासी ग्राम इक्कड़ कलां को एक्टनीनोफेन ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड डायसाइक्लोमीन 1200 नशीले कैप्सूल के गिरफ्तार किया है।आरोपी की स्कूटी को सीज किया गया है। और मोबाइल को कब्जे में कर लिया है । आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। लगातार नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस कार्रवाई में एस एस आई यशवीर सिंह नेगी, फेरूपुर चौकी इंचार्ज विपिन कुमार, कांस्टेबल नरेश बहुगुणा, जयपाल चौहान, रविन्द्र बिष्ट शामिल रहे।

क्रिकेट खेलने को लेकर विवाद, तीन घायल

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र के गणपति धाम राजा गार्डन में क्रिकेट खेलने के दौरान मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। दो युवकों ने तीन दोस्तों पर क्रिकेट बैट और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में एक पुलिसकर्मी का बेटा और उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। देहरादून में तैनात पुलिसकर्मी राकेश शर्मा, जो कि गणपति धाम फेस-3 के निवासी हैं, उन्होंने पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत के अनुसार, शुक्रवार को उनका बेटा प्रेंस आर्यन शर्मा अपने दोस्तों सिद्धार्थ और हिमांशु के साथ राधाकुंज इलाके में क्रिकेट खेल रहा था। खेल के दौरान ही वहां रहने वाले भरत सिंह रावत और संजय सिंह रावत पहुंच गए। किसी बात को लेकर उनके बीच बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट तक पहुंच गई।आरोप है कि भरत और संजय ने क्रिकेट बैट और लोहे की रॉड उठाकर तीनों युवकों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने न केवल मारपीट की बल्कि गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।सिद्धार्थ और हिमांशु को गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। प्रिंस आर्यन को भी चोटें लगी हैं। कनखल कोतवाली प्रभारी देवेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपकम)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड ज्वालापुर हरिद्वार। मोबाईल नं0. 9412073716

पत्रांकः– 1495/वि0.वि0.ख0ज्वा0/ह0/शटडाउन/ई0ई0/ दिनांक– 20.02.2026

विद्युत बन्दी सूचना

खण्ड के अन्तर्गत आने वाले सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्न तालिका में वर्णित तिथि व समय में 33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान, पुल जटवाडा के अन्तर्गत विद्युत लाईन चार्ज करने का कार्य एवं 33/11 के०वी० विद्युत उपसंस्थान, कनखल–द्वितीय व 33/11 के०वी० विद्युत उपसंस्थान, जगजीतपुर के क्षेत्रान्तर्गत तार बदलने का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। अतः तालिका में वर्णित क्षेत्रों से सम्बन्धित सम्मानित उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति उल्लिखित तिथि व समय पर आंशिक/पूर्ण रूप से बाधित रहेगी।

क्रम सं0	उपसंस्थान का नाम	पोषक का नाम	दिनांक व दिन	समय	प्रभावित क्षेत्र
01	33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान, पुल जटवाड़ा।	11 के0वी0 सीतापुर	22.02.2026 / रविवार	10:00 बजे से 14:00 बजे तक	सीतापुर एवं उक्त पोषक से पोषित होने वाले समस्त घरेलू, अघरेलू व औद्योगिक उपभोक्ता ।
02	33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान, कनखल–द्वितीय	11 के0वी0 जगजीतपुर			राजा गार्डन, फुटबॉल ग्राउण्ड क्षेत्र तथा उक्त पोषक से पोषित होने वाले समस्त घरेलू, अघरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ता ।
		11 के0वी0 गंगा प्रदूषण			हनुमन्तपुरम, गंगा प्रदूषण, बृज विहार, मारुति वाटिका तथा उक्त पोषक से पोषित होने वाले सभी घरेलू, अघरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ता ।
03	33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान, जगजीतपुर	11 के0वी0 देव विहार			देव विहार, उमराव एन्क्लेव एवं उक्त पोषक से पोषित होने वाले समस्त घरेलू, अघरेलू व औद्योगिक उपभोक्ता।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त समय में विद्युत एवं पानी की वैकल्पिक व्यवस्था अपने स्तर से करने की कृपा करें। विद्युत बन्दी के समय सम्मानित उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की जाती है।

'विद्युत बिलो के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं'
Toll free No- 1800-419-0405

अधिशासी अभियन्ता

"राष्ट्रहित में विद्युत बचायें"

सूचना

मेरे व्यवहारी पिंकी देवी की सम्पत्ति का पुराना असल बैनामे जो की नीलम देवी उर्फ नोरती पत्नी राजेन्द्र सिंह ने संगीता पत्नी किरण सिंह के हक मे किया है बही नं0-1 जिल्द नं0-2772, पृष्ठ नं0-1 से 18, क्रमांक नं0-7300 दिनांक 03/06/2013 पर पंजीकृत है कही खो गये है यदि किसी को यह दस्तावेज मिलता है या किसी को कोई आपत्ति हो, तो सम्पर्क करे। विरेन्द्र सिंह एडवोकेट, चैंबर नंबर 27, तहसील रूड़की मो0नं0 9412073170.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे व्यवहारी PNBHFL शाखा हरिद्वार की उपभोक्ता श्रीमती सरिता भारद्वाज पत्नी श्री अजय भारद्वाज निवासी 25 तिलक रोड, ऋषिकेश, जिला देहरादून, ने एक आवासीय मकान जिसकी भूमि का क्षेत्रफल 71.10 वर्गमीटर अर्थात 85 वर्गगज है, सम्बन्धित नगर निगम खाता संख्या 712/364, स्थित गंगानगर ऋषिकेश, तहसील ऋषिकेश, जिला देहरादून अन्दर सीमा नगर निगम ऋषिकेश में है, जो विक्रेता श्रीमती शालिनी बडोला पत्नी श्री नरेश चन्द्र से क्रय करने हेतु मेरी व्यवहारी PNBHFL से ऋण प्राप्त करके, मेरी व्यवहारी के पक्ष मे बंधक करना चाहती हैं। यह कि विक्रेता श्रीमती शालिनी बडोला पत्नी श्री नरेश चन्द्र को उपरोक्त सम्पत्ति अपनी सगी माता श्रीमती उषा बडोला पत्नी सुरेन्द्र दत्त बडोला से द्वारा पंजीकृत उपहार पत्र प्राप्त हुई थी जिसका पंजीकरण बही नं0 1 जिल्द 7981 के पृष्ठ 373 से 396 दस्तावेज संख्या 6510 पर दिनांक 29.05.2023 को उपनिबन्धक कार्यालय ऋषिकेश मे दर्ज है। यह कि उपरोक्त सम्पत्ति श्रीमती शालिनी बडोला व श्रीमती उषा बडोला को श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्रीराम बडोला के स्वर्गवास के पश्चात् विरासत मे प्राप्त हुई थी। उत्तरजीवी प्रमाण पत्र के अनुसार इन दोनो के अतिरिक्त श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्रीराम बडोला का अन्य कोई विधिक उत्तराधिकारी नहीं है। यदि श्रीमती शालिनी बडोला व श्रीमती उषा बडोला के अतिरिक्त मृतक श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्रीराम बडोला के किसी अन्य विधिक वारिस या रिश्तेदार या किसी बैंक, व्यक्ति या संस्था का उपरोक्त सम्पत्ति को बन्धक रखे जाने के सम्बन्ध में किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा है तो नीचे दिये गये पते पर सम्बन्धित दस्तावेज के साथ प्रकाशन के 7 दिनों में मुझसे सम्पर्क करे। इसके बाद कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा। सुभाष कुमार एडवोकेट, दुकान नं0 1, गुर्जर धर्मशाला निकट त्यागी कॉम्पलैक्स हरिद्वार, तहसील व जिला हरिद्वार। मोबा0नं0 9719608924

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जे.डी. महोदय हरिद्वार।

मूलवाद संख्या 495 सन 2024

1. आचार्य महन्त गुरुप्रसाद गोस्वामी शिष्य श्री बच्चा गोस्वामी, निवासी धनोती जिला सिवान बिहार अध्यक्ष श्री भगवान धाम कबीर आश्रम धर्मशाला ट्रस्ट भूपतवाला हरिद्वार, तहसील एवं जिला हरिद्वार। 2. श्री भगवान धाम कबीर आश्रम धर्मषाला ट्रस्ट भूपतवाला हरिद्वार, द्वारा अध्यक्ष आचार्य महन्त गुरुप्रसाद गोस्वामी शिष्य श्री बच्चा गोस्वामी, निवासी धनोती जिला, सिवान, बिहार। दोनों मुख्ययारेआम संत संजय गोस्वामी पुत्र श्री मनन यादव निवासी मकान नं. 1, घासमण्डी रोड जैन नगर जालन्धर पंजाब ..... वादीगण

बनाम

नोटिस बनामः- प्रकाशानन्द शिष्य स्वामी जितवानन्द निवासी श्रीभगवान कबीर धाम आश्रम भूपतवाला हरिद्वार, तहसील एवं जिला हरिद्वार।

.... प्रतिवादी सं0 1

चूंकि ऊपर नामांकित आचार्य महन्त गुरुप्रसाद गोस्वामी अध्यक्ष श्री भगवान धाम कबीर आश्रम धर्मशाला ट्रस्ट भूपतवाला हरिद्वार, श्री भगवान धाम कबीर आश्रम धर्मशाला ट्रस्ट भूपतवाला हरिद्वार, द्वारा अध्यक्ष आचार्य महन्त गुरुप्रसाद गोस्वामी ने वास्ते उद्घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा हेतु वाद योजित किया है। अतः आपको सूचना दी जाती है कि यदि इस आवदेन के खिलाफ हेतु दर्षित करना चाहते है तो तीाख 06.03.2026 दिवस को 10 बजे पूर्वान्ह स्वयं या सम्यकरूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधातिर किया जायेगा।

विवरण सम्पत्ति : भूमि 6 बीघा 18 बिस्वे खाम मुतालिक खेवट सं0 1 हाल खसरा नं0 78 वाके ग्राम भूपतवाला खुर्द, परगना ज्वालापुर, तहसील एवं जिला हरिद्वार जिस पर भवन अजनाम कबीर आश्रम धर्मशाला बनी है जिसके पूरब में कुटिया कवंलदास, पश्चिम हरिद्वार ऋषिकेश रोड, उत्तर भूमि अनुभव आश्रम व दक्षिण कंवलदास की कुटिया है।

न्यायालय की आज्ञा से
सदर मुन्सरिग

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

गांव की देहरी पर दस्तक देती सरकार, मोरी के दोणी में विश्वास का नवप्रभात

■ डीएम ने शिक्षकों की तैनाती के मौके पर ही किए आदेश, ग्रामीणों ने की जमकर सराहना। ग्रामीणों की मांग पर डीएम का एक्शन, सट्टा गांव में तीन दिन लगेगा आधारकार्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरोला/उत्तराकाशी। सीमांत विकास खंड मोरी के दूरस्थ दोणी गांव में आयोजित जन-जन की सरकार,जन के द्वार,प्रशासन चला गांव की ओर अभियान में जन सैलाब उमड़ा।

सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत विभिन्न विभागों की लाभप्रद योजनाएं घर पर मिलने पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की। शुक्रवार को जिले के सुदूरवर्ती दोणी गांव में क्षेत्रीय विधायक की उपस्थिति में जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य की अध्यक्षता में शिविर आयोजित हुआ। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की व्यथाओं और अपेक्षाओं को आत्मीयता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को तत्परता से समाधान के निर्देश दिए। शिविर में सड़क,शिक्षा,पेयजल,विद्युत,संचार, खाद्य आपूर्ति आदि से सम्बंधित कुल 67 समस्याएं, शिकायतें दर्ज हुई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों की उपस्थिति में अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की और पात्र लाभार्थियों को आवश्यक प्रमाण-पत्र एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई। वर्षों से छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान हेतु लंबी दूरी तय करने को विवश ग्रामीणों के लिए यह शिविर किसी संजीवनी से कम नहीं रहा। ग्रामीणों के चेहरों पर झलकती संतुष्टि इस पहल की सफलता का प्रमाण बनी।

शिविर में सट्टा निवासी चंद्रमणि रावत ने मसरी पीएमजीएसवाई सड़क मार्ग से मलबा आने के कारण सेब के पेड़ों को हुए नुकसान पर मुआवजा देने की मांग की। इस पर अधिशासी अभियंता ने बताया कि प्रतिकर संबंधी प्रस्ताव मुख्य अभियंता को भेजा जा चुका है। ग्रामीणों ने पशुचारा लाने हेतु सिलान नामे तोक में लकड़ी का पुल निर्माण की मांग रखी। विधायक ने उप निदेशक गोविंद वन्य जीव विहार को ग्रामीणों के हक-हकूक को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मसरी ग्राम प्रधान ने मसरी एवं खन्यासणी में पेयजल संकट का मुद्दा उठाया, जिस पर विधायक ने जिलाधिकारी से जांच कराने का अनुरोध किया। जगदीश कुंवर ने दोणी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग की। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएचसी का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जा चुका है। ग्राम प्रधान कमला देवी ने सेवा,बरी गांव से हिमाचल प्रदेश के डोडरा क्वार तक सड़क मार्ग निर्माण की मांग उठाई। ग्राम प्रधान प्रमिला देवी हड़वाड़ी ने आपदा से क्षतिग्रस्त धौला-दाताधार पैदल मार्ग को सुचारू कराने की मांग की। विधायक ने गो. विंद वन्य जीव विहार को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

राजीव कुंवर ने भीतरी, खन्यासणी एवं सेवा बरी गांवों में शिक्षकों की तैनाती की मांग की। उन्होंने बताया कि मसरी में 49 तथा बरी में 40 छात्र होने के बावजूद शिक्षक तैनात नहीं हैं। इस पर जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खंड शिक्षाधिकारी को एक मार्च तक शिक्षकविहीन विद्यालयों में तैनाती सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि जहां छात्र संख्या कम और शिक्षक अधिक हैं,वहां से समायोजन किया जाए। बेनोल-नैटवाड़ बाईपास मार्ग पर नैटवाड़ में वैली ब्रिज निर्माण की मांग पर विधायक ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों की मांग पर जिलाधिकारी ने सट्टा गांव में आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं केवाईसी संबंधी कार्यों के लिए 26, 27 और 28 फरवरी को तीन दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करने की घोषणा की। जगदीश कुंवर ने भीतरी में लो वोल्टेज की समस्या तथा स्याड़ी व बताणु तोक में खराब विद्युत ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख रणदेव राणा,ज्येष्ठ प्रमुख त्रेपन राणा,जिला पंचायत सदस्य अनुपराज, उमराल सिंह चौहान, राजीव कुंवर,रणदेव सिंह कुंवर,सुखदेव सिंह राणा,सुर्तीलाल बरसियाण,सूरत सिंह रावत सहित उप निदेशक गोविंद वन्य जीव विहार निधि सेमवाल, सीएओ एसएस वर्मा,सीवीओ एचएस बिष्ट,सीएचओ डॉ रजनीश सिंह,पर्यावरण विशेषज्ञ स्वजल प्रताप मटूड़ा,ईई जल संस्थान विनोद पांडे,ईई पीएमजीएसवाई योगेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी व जनप्रति. निधिगण उपस्थित रहे।

बाल एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक करें कार्यःडीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। गौरव कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मातृ मृत्यु से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम और स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने अभिषेक गुप्ता को जिले में रेफरल मामलों, हाई-रिस्क प्रेगनेंसी तथा 108 एम्बुलेंस सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाई-रिस्क गर्भावस्था के मामलों की नियमित जांच और समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संसाधनों की उपलब्धता और बेहतर प्रसव देखभाल को जवाबदेही के साथ गंभीरता से लिया जाए।

जिलाधिकारी ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास विभाग के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने गांव स्तर पर जागरूकता बढ़ाने, मौत के कारणों की पहचान करने तथा सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी अस्पतालों में आवश्यक मैनपावर बढ़ाने और जहां चिकित्सा उपकरणों की आवश्यकता हो, वहां प्रस्ताव बनाकर उपलब्ध कराने को कहा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण किया जाए और प्रसव पूर्व चार एएनसी जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए। पोर्टल पर शत-प्रतिशत एंट्री कर हाई-रिस्क मामलों का पंजीकरण और प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। सभी गर्भवती महिलाओं की संस्थागत डिलीवरी पर विशेष जोर दिया जाए तथा एएनएम कार्यों की समय-समय पर औचक निगरानी की जाए।उन्होंने सभी शासकीय अस्पतालों में साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने, चिकित्सकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा जिन अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी है वहां अन्य अस्पतालों से ड्यूटी लगाने के निर्देश भी दिए।

साहिया महाविद्यालय ने प्रस्तुत किया संस्थागत नवाचार का मॉडल

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिया। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम में सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय पीजी कॉलेज साहिया को उत्कृष्ट संस्थागत कार्यप्रणाली के लिए मंच प्रदान किया गया। देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों के नेतृत्वकर्ताओं के बीच अंतर-संस्थागत विकास पर विचार-विमर्श के दौरान उत्तराखंड से एकमात्र इस महाविद्यालय का चयन हुआ।

एसएमआर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक रिंकूदास भारती ने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए विकेंद्रीकृत प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक प्रणालियों, नवाचारी प्रयोगों तथा जनजातीय समाज जौनसार-बावर के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक उन्नयन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि साहिया डिग्री कॉलेज स्थापित करने हेतु 1988 में मुन्ना सिंह राणा के नेतृत्व में व्यापक जनांदोलन हुआ। दो सरकारी महाविद्यालयों के बावजूद साहिया में उच्च शिक्षा की मांग दशकों चली इसके पश्चात ग्लोबल शिक्षा समिति ने 2010 में दूरस्थ शिक्षा केंद्र शुरू किया और 2017 में पीजी कॉलेज की स्थापना की।

वर्तमान में महाविद्यालय संस्थागत एवं दूरस्थ शिक्षा से सैकड़ो छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। निर्धन छात्रों को शुल्क छूट, राष्ट्रीय-राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को खेल कोटा में निःशुल्क प्रवेश देकर वंचित वर्ग का उत्थान हो रहा है। स्किल डेवलपमेंट एंड इंडस्ट्री इंटीग्रेशन सत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के कुलपति प्रो. संजीव जैन पीठासीन रहे। मोडरेटर प्रो. सम्पत कुमार सहित कुलपति, निदेशक, चेयरमैन एवं शिक्षाविद् उपस्थित थे।

महिला खो-खो प्रतियोगिता का बादशाहीथौल टिहरी बना विजेता

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर बादशाही थौल टिहरी में महिला अंतर महाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. जेडीएस नेगी, अति विशिष्ट अतिथि डॉ. आरबी गोदियाल एवं क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. पीडी सेमल्टी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रजवलित कर किया गया। मौके पर प्रो. गोदियाल ने कहा है कि सभी टीम खेल भावनाओं से खेल को आगे बढ़ाये और अपना सर्वोत्तम देकर यहां पर विजेता बनने का प्रयास करे।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की चार टीमों ने प्रतिभाग किया। पहला सेमीफाइनल मैच परिसर टिहरी एवं परिसर पौड़ी के मध्य खेला गया। जिसमें टिहरी परिसर ने पौड़ी को एक पारी और 15 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया तथा दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला बिड़ला परिसर श्रीनगर और डीएवी देहरादून के बीच खेला गया। जिसमें श्रीनगर परिसर ने देहरादून डीएवी को 19-6 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला परिसर टिहरी एवं बिड़ला परिसर श्रीनगर के मध्य खेला गया। जिसमें परिसर बादशाही थौल टिहरी ने श्रीनगर पर 8-7 से विजय प्राप्त कर ट्राफी अपने नाम की। इस अवसर पर विजेता और उपविजेता को ट्राफी तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर आयोजक सचिव प्रो. केसी पेटवाल, प्रो. यूएस नेगी, प्रो. शंकर लाल, डॉ. पूरन लाल मीणा, खेल निदेशक डॉ. मोहित बिष्ट, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. हंसराज सिंह बिष्ट, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राक. ेश कोठारी , अनुभाग अधिकारी सुदामा लाल, डॉ. पित्रेश भट्ट, निर्णायक मंडल के सदस्य विकास वर्मा, परविंदर नेगी, अमन नैथानी, दीपक रावत, पवन कुमार, राजीव पेटवाल, भगत सिंह चौहान, सहित आदि मौजूद थे।

ऊर्जा निगम ने स्मार्ट मीटर से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए नई टिहरी में चलाया जागरूकता अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। ऊर्जा निगम द्वारा स्मार्ट मीटर को लेकर आम जनता के बीच फैली विभिन्न भ्रांतियों और अफवाहों को पूरी तरह से दूर करने के उद्देश्य से एक वृहद जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी महत्वपूर्ण कड़ी में शुक्रवार को नगर पालिका नई टिहरी के सभागार में एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विभागीय उच्चाधिकारियों ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों के साथ सीधे संवाद स्थापित करते हुए एक अहम बैठक की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया और लोगों के मन में उठ रही हर प्रकार की शंक. ाओं और सवालों का मौके पर ही उचित समाधान किया ताकि किसी भी उपभोक्ता के मन में कोई भ्रम न रहे।

कार्यशाला के दौरान विद्युत वितरण खंड टिहरी के अधीक्षण अभियंता शैलेंद्र सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए स्मार्ट मीटर के बहुआयामी फायदों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक तकनीक पर आधारित ये स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बिल्कुल सटीक बिलिंग और बिजली खपत की पारदर्शी तथा वास्तविक जानकारी तत्काल उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने बताया कि इन आधुनिक मीटरों के लग जाने से पुरानी प्रणाली में होने वाली गलत बिलिंग और केवल अनुमान के आधार पर रीडिंग लेने जैसी गंभीर समस्याएं पूरी तरह से समाप्त हो जाएंगी। अब उपभोक्ता स्वयं अपनी दैनिक बिजली खपत पर सीधे निगरानी रख सकेंगे जिससे ऊर्जा की बचत भी होगी। उन्होंने इस भ्रांति का भी पुरजोर खंडन किया कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली की दरों में किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी होती है। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि यह नई प्रणाली पूरी तरह से उपभोक्ताओं के ही व्यापक हित और सुविधा को ध्यान में रखकर लागू की जा रही है। इस जन संवाद बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों ने भी स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली और बिलिंग को लेकर अपने कई सवाल अधिकारियों के समक्ष रखे। ऊर्जा निगम के अधिकारियों ने पूरी शालीनता और विस्तार के साथ उन सभी सवालों के संतोषजनक जवाब दिए। इस महत्वपूर्ण जन जागरूकता कार्यशाला में विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता अमित आनंद नागरिक मंच के यूएस नेगी भगवान चंद रमोला सभासद उर्मिला राणा और भाजपा मंडल अध्यक्ष व सभासद विजय कठैत सहित बड़ी संख्या में ऊर्जा निगम के कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पछवादून की सभी मस्जिदों में रमजान के पहले जुमे की नमाज शांतिपूर्वक ढंग से अता की गई

■ देश में अमन शांति की दुआ मांगी गई सभी मस्जिदों के बाहर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस तैनात रही

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। माह ए रमजान मुबा. रक के पहले जुमे की नमाज पछवादून की सभी मस्जिदों में शांतिपूर्वक ढंग से अता की गई। विकासनगर जामा मस्जिद में जुमे की नमाज पेश ईमाम हाफिज बशारत अली ने अता करायी। नमाज में काफी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने भागेदारी की ओर रमजान उल मुबारक के पहले जुमे की नमाज अता की।

सदौरान सुरक्षा के मद्देनजर पछवादून की सभी मस्जिदों के बाहर पुलिस मौजूद रही।

जामा मस्जिद विकासनगर के पेश इमाम हाफिज बशारत अली ने अपनी तकरीर में कहा कि रमजान उल मुबारक बड़ा ही बरकतों वाला महिना है। इस महीने में लोगों की मदद करना तथा अपने से गरीब लोगों को बराबरी में लाने के लिए अपनी कमाई का ढाई प्रतिशत हिस्सा तकसीम करना बड़ा सवाब का काम है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को चाहिए कि खैरात जकात देते वक्त पहले अपने खानदान रिश्तेदार तथा मुहल्ले व शहर के गरीबों को ढूंढे, न मिलने पर ही बाहर के लोगों को जकात दें। उन्होंने कहा समूचा क्षेत्र अमन व शांति का प्रतीक रहा है दूसरे मजहब के लोगों को ध्यान में रखकर अपना त्यौहार मनाएं।

पेड़ से गिरकर बुजुर्ग गंभीर उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। तहसील क्षेत्र के बुरासवा गांव में शुक्रवार दोपहर एक गंभीर हादसा हो गया, जब मवेशियों के लिए चारा काट रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति अचानक अस्वस्थ होकर पेड़ से नीचे गिर पड़े। घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुरासवा निवासी 60 वर्षीय इंदर सिंह रावत शुक्रवार को गांव के समीप दुलटी छानी क्षेत्र में पेड़ पर चढ़कर चारा-पत्ती काट रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें लकवे का दौरा पड़ गया, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे ऊंचाई से जमीन पर आ गिरे। गिरने से उनके शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत

108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। आपातकालीन वाहन द्वारा उन्हें प्राथमिक उपचार देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चकराता पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने उनका परीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. आजाद सिंह ने बताया कि घायल के शरीर में गंभीर चोटें पाई गई हैं। स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

सहसपुर पुलिस ने अवैध गांजा के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

■ एक किलो 178 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। कोतवाली सहसपुर पुलिस की अवैध नशे के विरुद्ध कार्यवाही में 1 किलो 178 ग्राम अवैध गांजा के साथ 1 व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया।

पुलिस कप्तान देहरादून द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी तथा नशे के कारोबार में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने हेतु कड़े निर्देश निर्गत किए गए हैं।

उक्त निर्देशों के क्रम में कोतवाली सहसपुर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत बीते रोज चौकिंग के दौरान उस्मानपुर कब्रिस्तान के पास कोतवाली सहसपुर,क्षेत्र से एक व्यक्ति अजय पुत्र सलीम निवासी जमनीपुर, जस्सोवाला थाना सहसपुर को 1 किलो 178 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली सहसपुर पर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी जेल भेज दिया। पुलिस टीम में एसआई राजीव धारीवाल, हेड कांस्टेबल डबल सिह चौहान, सिपाही राजबीर सिह भण्डारी कोतवाली सहसपुर शामिल रहे।

सहसपुर विधायक ने बहुउद्देशीय शिविर में सुनी क्षेत्रवासियों की समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। विधानसभा सहसपुर क्षेत्र के अंतर्गत रामपुर, भाऊवाला में "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने प्रतिभाग कर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखे। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। शिविर में राजस्व, विकास, सामाजिक कल्याण, विद्युत, जल

संस्थान सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसी उद्देश्य से इस प्रकार के बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को एक ही स्थान पर शासन की विभिन्न सेवाएं सुलभ हो सकें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही उनका मुख्य ध्येय है तथा सहसपुर विधानसभा के प्रत्येक गांव तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

पीड़ित परिवार ने भुठ मर्डर कांड में सीबीआई की जांच करने की मांग की

विकासनगर। शुक्रवार को विक. ासनगर स्थित डॉ. अंबेडकर कार्यालय में एक प्रेसवार्ता में पीड़ित पिता केवल राम और उनके परिवार ने अपने दो बेटों तथा एक दामाद की मौत को हत्या करार देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मामले की सीबीआई जांच की मांग की।यह मामला देहरादून जिले की त्यूनी तहसील के भूठ गांव से जुड़ा है, जहां 6 दिसंबर की रात को राजकीय हाईस्कूल के पुराने भवन में तीन युवक मृत पाए गए थे। शुरुआती जांच में राजस्व पुलिस ने इसे एलपीजी गैस सिलेंडर लीक से दम घुटने का हादसा बताया था, लेकिन परिजनों ने इसे साजिशपूर्ण हत्या करार दिया है। केवल राम ने कहा, हमारे बेटों और दामाद की हत्या की गई है।

पुरोला आपदा बचाव का दिया दो दिवसीय प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरोला। क्षेत्र में आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और समुदाय को पहले से तैयार करने के उद्देश्य से बुरांस परियोजना पुरोला द्वारा संवेदना प्रोजेक्ट मसूरी के सहयोग से पुरोला में दो दिवसीय आपदा प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय लोगों को आपदा की स्थिति में त्वरित और सुरक्षित प्रतिक्रिया के लिए सक्षम बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बताया गया कि किसी भी आपदा या दुर्घटना से पहले सतर्कता कैसे बरती जाए, जोखिम को कैसे पहचाना जाए और समय रहते सुरक्षित स्थान पर कैसे पहुंचा जाए। इसके साथ ही घायल अथवा बेहोश व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने, सीपीआर (ब्च्त) देने, श्वास रुकने की स्थिति में

आवश्यक कदम उठाने तथा आपदा प्रभावित व्यक्ति को सुरक्षित ढंग से राहत स्थल तक पहुंचाने की व्यवहारिक जानकारी भी दी गई।

बुरांस परियोजना के अधिकारी प्रकाश राज ने कहा कि ईश्वर करे ऐसी परिस्थितियां कभी न आएं, लेकिन यदि आपदा होती है तो तैयार रहना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से पुरोला क्षेत्र में 35 ऐसे लोग तैयार किए गए हैं, जो आपदा की स्थिति में प्राथमिक उपचार देकर लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

प्रशिक्षण सत्र में संवेदना प्रोजेक्ट से सुशील थपलियाल, विजय रतूड़ी एवं गमेश्वर सिंह ने आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं दिव्यांग संगठन से जयपुर लाल एवं भगवान सिंह ने दिव्यांगजनों की आपदा के समय विशेष जरूरतों और उनकी सुरक्षित निकासी पर प्रकाश डाला।

समुदाय की ओर से ग्राम प्रधान गबर सिंह, पंकज गौरेला, जयमाला एवं मनीषा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। बुरांस परियोजना की टीम से सुनीता, मधु, ममिता, आशा, रामीना, रितिका, रमिता, रेखा और पल्लवी ने प्रशिक्षण व्यवस्था एवं अभ्यास सत्रों में सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा के समय आत्मनिर्भरता बढ़ती है और समुदाय स्वयं एक-दूसरे की मदद करने के लिए सक्षम बनता है।

फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही राज्य सरकार: सीएम

■ उत्तराखण्ड फिल्म नीति-2024 का दिखा असर, क्षेत्रीय सिनेमा को मिला प्रोत्साहन, वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में कुल २५ फिल्मों को जारी हुई अनुदान राशि

■ 14 गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी फिल्मों को जारी हुई अनुदान राशि, 11 हिन्दी/अंग्रेजी फिल्मों को जारी हुई अनुदान राशि

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड राज्य सरकार फिल्म उद्योग के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्राकृतिक सौंदर्य, सुरक्षित वातावरण, सरल प्रक्रियाएँ और फिल्म-फ्रेंडली नीति के कारण ही उत्तराखण्ड आज देश और विदेश के फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की संकल्पना का ही असर है कि आज राज्य में क्षेत्रीय सिनेमा को नये आयाम मिल रहे है। मुख्यमंत्री श्री धामी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में लागू की फिल्म नीति-2024 प्रभावी रही है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य, विविध भौगोलिक परिस्थितियों, सांस्कृतिक विरासत और शांत वातावरण के कारण फिल्म निर्माण के लिए एक आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में फिल्म नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत फिल्म निर्माताओं को सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से त्वरित अनुमति प्रदान की जा रही है। शूटिंग की अनुमति प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है, जिससे फिल्म निर्माताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म नीति का उद्देश्य केवल फिल्मों की शूटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती मिल रही है। उत्तराखंड में वेब सीरीज, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म और फीचर फिल्मों के निर्माण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड की इन फिल्मों को मिला अनुदान: फिल्म नीति-2024 के कारण क्षेत्रीय सिनेमा को प्रोत्साहन मिला है। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी फिल्मों को अनुदान राशि जारी की गई है। जोना (गढ़वाली), 'मीठी' माँ कु आशीर्वाद (गढ़वाली), मेरे गांव की बाट (जौनसारी), घपरोल (गढ़वाली), द्वी होला जब साथ (गढवाली), गढ़-कुमौं (उत्तराखण्डी), असगार (गढ़वाली), रतब्याण-(गढ़वाली), संस्कार (गढ़वाली), मेरु गौ (गढ़वाली), अजाण (गढ़वाली), बथों सुबेरो घाम -2 (गढ़वाली), धरती म्यर कुमाऊँ (कुमाऊंनी), कारा एक प्रथा (गढ़वाली) फिल्में शमिल है।

हिन्दी भाषा की इन फिल्मों को मिला अनुदान: फिल्म नीति-2024 से आकर्षित होकर देश-विदेश के फिल्म निर्माता निर्देशक आकर्षित होकर फिल्मों की शूटिंग के लिए उत्तराखण्ड आ रहे है। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में हिन्दी फिल्मों को अनुदान राशि जारी की गई है, जिनमें विकी विद्या का वह वाला वीडियो (हिन्दी), वेब सीरीज लाइफ हिल गई (हिन्दी), तन्वी द ग्रेट (हिंदी/अंग्रेजी), माली (हिन्दी), मैं लड़ेगा (हिंदी), 5जी सितम्बर (हिंदी), केसरी चौप्टर-2 (हिंदी), ढाई आखर प्रेम का (हिन्दी), गंगा संग रविदास (हिन्दी), ए वेडिंग स्टोरी-(हिन्दी), मिडिल क्लास लव (हिंदी) फिल्मों को अनुदान दिया गया है।

राज्य में फिल्मों की शूटिंग होने से स्थानीय स्तर पर भी बढ़ रहे रोजगार के अवसर : तिवारी

उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने बताया कि परिषद द्वारा वर्ष में 02 बार (माह जुलाई एवं माह जनवरी) फिल्मों को अनुदान दिये जाने के लिए समिति की बैठक आयोजित की जाती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 25 फिल्मों को अनुदान धनराशि दी गई है। माह जुलाई, 2025 की बैठक में 12 फिल्मों के प्रस्ताव का परीक्षण अनुदान दिया गया, जबकि माह जनवरी, 2026 में 13 फिल्मों को अनुदान दिया गया है। इस वर्ष रुपये 8.28 करोड़ धनराशि अनुदान के रूप में 25 फिल्मों को जारी की गई है। तिवारी ने बताया कि मा. मुख्यमंत्री धामी के दिशा-निर्देश में परिषद द्वारा फिल्म निर्माता-निर्देशकों को राज्य में फिल्म शूटिंग के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा रहा है। राज्य में फिल्मों की शूटिंग होने से स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे है।

न्यायालय में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। न्यायालय की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को हल्द्वानी न्यायालय परिसर में उच्चस्तरीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत जोशी, जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल, एसएसपी नैनीताल डा. मंजुनाथ टीसी, अपर जिला जज सुजीत कुमार, मुख्य न्याय मजिस्ट्रेट रवि प्रकाश, एडीएम विवेक राय और एसपी सिटी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल ने संयुक्त रूप से परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय ऑडिट किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौजूदा सुरक्षा प्रबंधों की गहन समीक्षा की और परिसर की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए मैनपॉवर, उपकरणों की उपलब्धता और समन्वय व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखने के लिए एसपी सिटी हल्द्वानी की अध्यक्षता में एक विशेष सुरक्षा ऑडिट टीम गठित की जाए। इस टीम में न्यायालय परिसर के नामित प्राधिकारी, अभिसूचना इकाई के अधिकारी, स्थानीय थाना पुलिस और प्रतिसार निरीक्षक शामिल होंगे। टीम नियमित रूप से सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण और समन्वय सुनिश्चित करेगी और रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करेगी। इस अवसर पर एसएसपी नैनीताल ने जनपद की सभी पुलिस फोर्स को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी अधिकारी/कर्मचारी उच्च सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का पालन करें।

विज्ञान व कला का रंगीन प्रदर्शन

हल्द्वानी। लिटिल फ्लावर स्कूल में आयोजित सर्व-विषयक प्रदर्शनी में छात्रों ने विज्ञान, गणित, संस्कृति और तकनीकी नवाचार के रंगीन मॉडल्स पेश किए। प्रदर्शनी में बच्चों ने जेस. ीबी, रिंग टोपोलॉजी, सुडोकू, चंद्रयान-3, वैक्यूम क्लीनर, सौरमंडल, केदारनाथ मंदिर, वायु प्रदूषण, एआई प्रदर्शन, विद्युत प्रवाह, उत्तराखंड संस्कृति, गणित का जादू, वर्णमाला, कंप्यूटर और पानी में आग लगाने जैसे अनेक मॉडल प्रस्तुत किए। विशेष रूप से कक्षा 8 के छात्रों द्वारा बनाए गए वर्किंग मॉडल्स को सर्वोत्तम घोषित किया गया। अन्य कक्षाओं के छात्रों में कुनाल बिष्ट, आदित्य, सौरभ, महिमा, हार्दिक उन्नति, कार्तिकेय, निहित, तेजस्विनी, आरुष, सानवी आदि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य भी उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता और नवाचार की जमकर सराहना की। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों को भी इस सफलता के लिए धन्यवाद दिया। समारोह के अंत में प्रधानाचार्या शांति जीना ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान की सराहना की। इस प्रदर्शनी ने बच्चों की सृजनात्मकता, तकनीकी कौशल और सांस्कृतिक ज्ञान को उजागर किया और दर्शकों के लिए मनोरंजक व शिक्षाप्रद अनुभव प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने मां चंडिका महावन्याथ देवरा यात्रा में की दो बड़ी घोषणाएं

■ बीरों देवल में आस्था का महासंगम, मंदिर समूह का होगा पुरातत्व विभाग से पुनर्निर्माण

शाह टाइम्स ब्यूरो

रुद्रप्रयाग। जनपद के विकासखंड अगस्त्यमुनि अंतर्गत ग्राम बीरों देवल में आयोजित मां चंडिका महावन्याथ देवरा यात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। 20 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस दिवारा यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम मां चंडिका मंदिर पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच महायज्ञ में भाग लिया तथा पूर्ण विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर समिति, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 वर्षों बाद आयोजित यह महायज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि किसी भी देवस्थान पर पहुंचना मात्र संयोग नहीं, बल्कि ईश्वरीय आह्वान होता है। मुख्यमंत्री ने अपने बचपन की स्मृतियां साझा करते हुए ग्रामीणों की सहभागिता की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन समाज में समरसता, एकता और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बनते हैं।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2013 की आपदा के बाद हुए व्यापक पुनर्निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज केदारनाथ मंदिर का दिव्य और भव्य स्वरूप विश्व के सामने है। कार्यक्रम में विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, विधायक रुद्रप्रयाग भरत चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवान सहित जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में मौजूद रहे।

20 वर्षों बाद निकली दिवारा यात्रा

मां चंडिका की दिवारा यात्रा 21 नवंबर 2025 से प्रारंभ होकर लगभग 26 गांवों के भ्रमण के बाद बीरों देवल पहुंची। वीरों देवल, संगूड़, नैणी पौण्डार, क्यार्क बरसूड़ी, पाली, डुंगर, बड़ेथ, पाटियू, भटवाड़ी, जोला, उच्छोला, मथ्यागांव, डांगी, स्यूर, डडोली, दानकोट, कौशलपुर, हाट, नैली कुंड, रयांसू सहित विभिन्न गांवों में यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। 15 फरवरी से बीरों देवल में 9 दिवसीय महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है। 22 फरवरी 2026 को विशाल जलयात्रा तथा 24 फरवरी को पूर्णाहुति के साथ महावन्याथ यात्रा सम्पन्न होगी।

दो बड़ी घोषणाएं, क्षेत्र को मिला विकास का संबल

मुख्यमंत्री ने मंच से क्षेत्र के विकास के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं की कि मां चंडिका मंदिर प्रांगण एवं मंदिर समूह का पुरातत्व विभाग के माध्यम से पुनर्निर्माण कराया जाएगा। तहसील बसुकेदार में नवीन तहसील भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त लाटा बाबा विद्यालय को इंटरमीडिएट स्तर तक उच्चीकृत करने के प्रस्ताव पर परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही का आश्वासन भी दिया गया

फायरिंग के तीन आरोपी गिरफ्तार

दो पिस्टल, एक तमंचा व पांच कारतूस बरामद, पुरानी रंजिश के चलते की थी वारदात

शाह टाइम्स ब्यूरो

कालाढूंगी/हल्द्वानी। एक सप्ताह पूर्व बेलपड़ाव क्षेत्र में हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को बीती रात्रि गड़प्पू बैरियर के पास से गिरफ्तार किया है। जिनके पास से दो अवैध पिस्टल एक तमंचा व 5 कारत. ूस बरामद किए।

तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया जहां से तीनों को जेल भेज दिया। शुक्रवार को एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने फायरिंग मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बीते 14 फरवरी को 112 के माध्यम से सूचना मिली की बेलपड़ाव के पास कुछ लोगों के बीच मारपीट की गई जिसके बाद फायरिंग की घटना को भी अंजाम दिया गया। एसएसपी ने बताया कि सूचना पर तुरंत पुलिस फोर्स पहुंचा और घटनास्थल का जायजा लिया तो वहां से पुलिस को 11 खोखे 32 बोर के और दो खोखे 22 बोर के बरामद हुए। जिसके बाद 16 फरवरी को बलजीत कौर पत्नी लवप्रीत सिंह निवासी ग्राम बच्चीनगर कालाढूंगी ने नामजद तहरीर सौंपी। नामजद तहरीर के आधार पर धारा 109(1), 126(1), 352, 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया और बीते गुरूवार की रात्रि गडप्पू बैरियर के पास फायरिंग करने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरा. ेपी में गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पुत्र निर्मल सिंह निवासी ग्राम शेखपुरा थाना स्वर रामपुर, रंजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह निवासी बेलपोखरा कालाढूंगी, मनदीप सिंह उर्फ मंगा पुत्र मलकीत सिंह निवासी उदयपुर बेलपड़ाव शामिल है। जिनके पास से पुलिस ने दो देशी पिस्टल, एक 22 बोर का तमंचा व पांच कारतूस बरामद किए। पूछताछ में पकड़े गए आरो. पियों ने बताया कि वादिनी के पति लवप्रीत के दोस्त हरभजन की रंजीत से रंजिश थी। घटना की रात हरभजन ने आरोपियों को घटनास्थल पर बुलाया, जहां गाली-गलौच और मारपीट के बाद आरोपियों ने फायरिंग की। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से तीनों को जेल भेज दिया। एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने गुडवर्क करने वाली टीम को 1500 रूपये ईनाम की घोषणा की है। टीम में कालाढूंगी कोतवाल अरूण सैनी, एसएसआई पंकज जोशी, एसएस दीपक बिष्ट, एसआई राजवीर सिंह, एसओजी प्रभारी राजेश जोशी, एसआई देवेन्द्र राणा, कांस्टेबल अखिलेश तिवारी, स्वरूप सिंह, उमेश राम, मिथुन कुमार, संजय दोसाद, प्रीतम सिंह, अमनदीप सिंह शामिल रहे।

सिंथिया के बच्चों ने किया नाम रौशन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित आईआईटी जेईई परीक्षा में कक्षा 12 में अध्ययनरत छात्र शौर्य कत्युरा ने 97.38 पर्सेंटाइल तथा भावेश जोशी ने 91.11 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. प्रवीन्द्र कुमार रौतेला ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अभिभावकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। छात्रों की इस उपलब्धि पर एससी मिश्रा, महेश जोशी, अकादमिक कोऑर्डिनेटर बीबी जोशी, नीमा पांडेय, प्रदीप मित्रा, आईडी जोशी, प्रकाश शर्मा, एसएस कपकोटी, कोमल बिष्ट, मंजू जोशी आदि मौजूद रहे।

भूमि विवाद: न्यायालय के आदेश पर मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लामाचौड़ क्षेत्र में भूमिधरी जमीन को लेकर विवाद गंभीर रूप ले चुका है। पालम सिटी निवासी प्रफुल्ल गुप्ता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि कथित भू-माफिया गिरोह ने उनकी 70 वर्षीय मां की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की और लाखों रुपये खर्च कर विकसित की गई संपत्ति को चोरी कर लिया। पीड़ित ने द्वितीय न्यायिक दंडाधिकारी हल्द्वानी की अदालत को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि उनकी मां दुर्गा देवी ने वर्ष 2005 में ग्राम जयपुर पाडली, लामाचौड़ क्षेत्र में 0.670 हेक्टेयर भूमि खरीदी थी, जिस पर परिवार द्वारा बगीचा लगाया गया था। उनकी मां के स्वास्थ्य कारणों से अब इस जमीन की देखभाल की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। आरोप है कि वर्ष 2018-19 में भूमाफियाओं ने जेसीबी मशीन से बाउंड्री वाल और कमरा ध्वस्त कर दिया था। इस बारे में प्रशासन और राज्य महिला आयोग में शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। वर्ष 2020 में लॉकडाउन के दौरान भूमाफियाओं ने आम के आठ बड़े पेड़ भी काट दिए। 16 सितंबर 2021 को एक बार फिर बाउंड्री तोड़े जाने की कोशिश की गई। इसके बाद न्यायालय में वाद दायर किया गया, और 19 जुलाई 2023 को कोर्ट ने अतिक्रमण से रोकते हुए निषेधाज्ञा पारित की। गुप्ता ने सुरक्षा के लिए 10-12 लाख रुपये खर्च कर निर्माण सामग्री, सीसीटीवी कैमरे, लोहे का फ्रेम, टिनशेड, और अन्य सुविधाएं बनवायीं। हालांकि 27 अगस्त 2024 को जब गुप्ता उस स्थल पर पहुंचे, तो वहां रखी सारी सामग्री, जैसे लोहे का ढांचा, टिनशेड, कैमरे, फर्नीचर, और अन्य निर्माण सामग्री गायब थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में धमकियां देने वाले रमेश पलड़िया, कन्नू पलड़िया, मयंक शर्मा और ललित प्रताप सिंह रावत ने मिलकर यह कृत्य किया।

घटना के बाद गुप्ता ने लामाचौड़ चौकी और 28 अगस्त 2024 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ईमेल से शिकायत भेजी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अब न्यायालय के आदेश पर मुखानी थाना में भूमाफियाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कैडेट्स का रंगारंग सम्मान समारोह

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी में छात्र संघ की महिला उपाध्यक्ष ज्योति दानू के नेतृत्व और पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष नीरज बिष्ट के संयोजन में एनसीसी, एनएसएस और आरआर कैडेट्स का भव्य और मनमोहक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि यूकेडी के केंद्रीय युवा अध्यक्ष आशीष नेगी और प्राचार्य एनएस बनकोटी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई, इसके बाद कुमाऊनी, गढ़वाली, राजस्थानी, पंजाबी, देशभक्ति और बॉलीवुड गीत-संगीत ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

कार्यक्रम में दिल्ली परेड, आरडीसी कैम्प और अन्य महत्वपूर्ण प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आशीष नेगी ने कहा कि छात्र अनुशासन, ईमानदारी, जिम्मेदारी और देशभक्ति के साथ उत्तराखंड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देकर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा, आज के युवाओं को अपनी शक्ति और सामर्थ्य समझनी होगी। कार्यक्रम का संचालन नेहा बिष्ट ने किया। इस अवसर पर पूर्व दर्जा राज्य मंत्री ललित जोशी, केंद्रीय युवा उपाध्यक्ष कुलदीप रावत, सीए वरुण चंदोला, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष कुलदीप कुलयाल, पार्षद शैलेन्द्र सिंह दानू, सांस्कृतिक प्रभारी मनोज बोरा, पंखुड़ियाँ अध्यक्ष रिम्पी बिष्ट, एएनयू सदस्य कनिष्का, एएनयू सदस्य ज्योति, रिया मटियाली, करन पंत, मंजू दानू, कपिल मेहता, करन डोभाल, सुरेंद्र कोटलिया मौजूद रहे।

100 नई बसों को सीएम ने दिखाई हरी झंडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नववर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई 100 नई बसों में से दो बसें बीते गुरुवार रात हल्द्वानी डिपो पहुंच गई। जीपीएस व सीसीटीवी से लैस ये बसें पहाड़ी मार्गों पर यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव कराएंगी। हल्द्वानी डिपो के एआरएम संजय पांडे ने बताया कि 37 सीटर अत्याधुनिक बसें 174 व्हील बेस पर आधारित है, जिन्हें पहाड़ी मार्गों के अनुरूप तैयार किया गया है। फिलहाल बसों का पंजीकरण देहरादून में है। हल्द्वानी आरटीओ में रजिस्ट्रेशन और परमिट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इनका नियमित संचालन शुरू किया जाएगा। नई बसों का संचालन मुख्य रूप से हल्द्वानी-पिथौरागढ़ मार्ग पर प्रस्तावित है। इनमें जीपीएस ट्रैकिंग, सीसीटीवी कैमरे, ई-टिकटिंग सिस्टम, फ्लीट मॉनिटरिंग और समयबद्ध रखरखाव जैसी सुविधाएं उपलब्ध है जिससे बस संचालन अधिक पारदर्शी व प्रभावी होगा। बता दें कि जनवरी माह में हल्द्वानी डिपो को दो नई बसें मिली थी जिनका संचालन हल्द्वानी-गंगोलीहाट मार्ग पर किया जा रहा है।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

केनरा बैंक Canara Bank

एआरएम।। शाखा, ए-27, पहली मंजिल, हौज खास, नई दिल्ली - 110016

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी एक्ट) 2002 के अंतर्गत प्रतिभूतिहित नियम 2002 के नियम 13(2) के अन्तर्गत यह सूचना जारी की जाती है।

केनरा बैंक, से प्राप्त किये गये ऋण जो कि एन पी ए हो चुके है व जिसमे निम्न वर्णित दिनांक को निम्नवर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्नवर्णित ऋणियो एवं जमानतदारो को वित्तीय आस्तियों के प्रतिभुतिकरण एवं पुनर्गठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांकों को पंजीकृत डाक पावती सहित /स्पीड पोस्ट/कोरियर द्वारा आप सभी को भेजी गयी थी, मांग सूचना निम्नांकित दिनांकों में हमने आशय को स्पष्ट कर दिया था, कि आपके द्वारा सूचना मे दर्शायी राशी 60 दिनो के अन्दर जमा नही करायी गयी तो बैंक/सिक्योर्ड क्रेडिटर के ऊपर बताए गए आपके दायित्व का निर्वहन न करने की स्थिति में सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के तहत दिए गए किसी भी अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। बकाया राशि का विवरण निम्नानुसार है-

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एनपीए की तारीख	मांग सूचना की तारीख बकाया राशि	सिक्योर्ड आस्तियों का विवरण
1	मैसर्स एमजी वर्ल्ड डोर्स एंड विंडोज प्राइवेट लिमिटेड (ऋणकर्ता और बंधककर्ता) पता:- हिल व्यू अपार्टमेंट्स बी-307 सहस्त्रधारा रोड, पोस्ट ऑफिस- गुजरारा, देहरादून, उत्तराखंड-248001 श्रीमती अंजली कौल पत्नी संजय कौल (मैसर्स एमजी वर्ल्ड डोर्स एंड विंडोज प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक और गारंटर) पता:- फ्लैट नंबर 17, ब्लॉक नंबर 23, लेन नंबर 4, जगती कॉलोनी, नगरोटा, जम्मू और कश्मीर 181221 श्रीमती सुमन रावल पंडिता उर्फ श्रीमती सुमन रावल पत्नी श्री मनोज पंडिता (मैसर्स मिंदल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक) पता:-हिल व्यू अपार्टमेंट बी-307 सहस्त्रधारा रोड पो-गुजरा, देहरादून, उत्तराखंड-248001 श्री मनोज पंडिता पुत्र श्री. माखन लाल पंडिता (एमजी वर्ल्ड डोर्स एंड विंडोज प्राइवेट लिमिटेड मे निदेशक और गारंटर, साथ ही मिंदल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक) पता:- हिल व्यू अपार्टमेंट्स, बी-307, सहस्त्रधारा रोड, पोस्ट ऑफिस-गुजरारा, देहरादून, उत्तराखंड-248001 मिंदल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (गारंटर और बंधककर्ता) पता:- सी/ओ गौरव, बी-307, हिल व्यू अपार्टमेंट, सहस्त्रधारा रोड, पोस्ट ऑफिस-गुजरारा, देहरादून, उत्तराखंड 248001 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 21.10.2025	12.02.2026 1) रू. 47,44,380.86 (रुपये सैंतालीस लाख चवालीस हजार तीन सौ अस्सी रुपये और छियासी पैसे मात्र) दिनांक 31.01.2026 तक, ऋण खाता संख्या 1182261051836 में दिनांक 01.02.2026 से लागू ब्याज + व्यय - दिनांक 31.01.2026 के बाद की गई वसूली (यदि कोई हो) ऋण खाता संख्या 1182261051836 में। 2) रू. 40,11,952.97 (रुपये चालीस लाख ग्यारह हजार नौ सौ बावन रुपये और सत्तानवे पैसे मात्र) दिनांक 31.01.2026 तक, दिनांक 01.02.2026 से लागू ब्याज + व्यय - दिनांक 31.01.2026 के बाद की गई वसूली (यदि कोई हो) ऋण खाता संख्या 1182766000012 में। 3) रू. 20,08,332.84 (रुपये बीस लाख आठ हजार तीन सौ बत्तीस रुपये और चौरासी पैसे मात्र) दिनांक 06.02.2026 तक, दिनांक 07.02.2026 से लागू ब्याज +व्यय - दिनांक 06.02.2026 के बाद की गई वसूली (यदि कोई हो) ऋण खाता संख्या 170007033323 में। 4) रू. 7,47,937.14 (रुपये सात लाख सैंतालीस हजार नौ सौ सैंतीस रुपये और चौदह पैसे मात्र) दिनांक 31.01.2026 तक, दिनांक 01.02.2026 से लागू ब्याज + व्यय - दिनांक 31.01.2026 के बाद की गई वसूली (यदि कोई हो) ऋण खाता संख्या 170002784633 में।	चल संपत्ति:- संयंत्र एवं मशीनरी शीर्षक धारक का नाम- एम जी वर्ल्ड डोर्स एंड विंडोज प्राइवेट लिमिटेड अचल संपत्ति :- 1. खाता संख्या 02, खसरा संख्या 307M, रकबा 0.0161 हेक्टेयर और खसरा संख्या 306M, रकबा 0.0088 हेक्टेयर में शामिल भूमि और भवन का पूरा टुकड़ा, कुल 2 खाते, कुल रकबा 0.0249 हेक्टेयर, और कुल क्षेत्रफल मे से 85 वर्ग मीटर क्षेत्र पर निर्मित मकान, ग्राम-कोकलियाल गांव, पट्टी-सकलाना, तहसील-धनौल्टी, जिला-टिहरी गढ़वाल में स्थित है। संपत्ति की सीमाएँ निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित है- उत्तर- 10 फीट चौड़ी सड़क; दक्षिण- अन्य लोगों की भूमि; पूर्व- 14 फीट चौड़ी सड़क और अन्य लोगों की भूमि; पश्चिम- अन्य लोगों की भूमि शीर्षक धारक का नाम- एम जी वर्ल्ड डोर्स एंड विंडोज प्राइवेट लिमिटेड 2. खाता नंबर 02, खसरा नंबर -308M, रकबा -0.0249 हेक्टेयर, कुल 1 खाता कुल रकबा 0.0249 हेक्टेयर में शामिल भूमि और भवन के सभी टुकड़े और पार्सल, ग्राम-कोकलियाल गांव, पट्टी-सकलाना, तहसील-धनौल्टी, जिला-टिहरी गढ़वाल में स्थित है। संपत्ति की सीमाएँ निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित है- उत्तर- दूसरों की भूमि; दक्षिण- 10 फीट चौड़ी सड़क; पूर्व- दूसरों की भूमि; पश्चिम- दूसरों की भूमि शीर्षक धारक का नाम- मिंदल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड

[illegible]
नोट: इस नोटिस के संबंध में सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पूर्व में आरंभ की गई सभी कार्यवाहियां इस नोटिस के साथ निरस्त (वापस ली गई) मानी जाएंगी।

दिनांक : 20.02.2026, स्थान : नई दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

कलियर पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़, एक दबोचा

जनसेवा केंद्र की आड़ में होटल में चल रहा गोरखधंधा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। एसएसपी नवनीत सिंह के निर्देशन में जनपद हरिद्वार में चलाए जा रहे सघन सत्यापन एवं चेकिंग अभियान के तहत कोतवाली पिरान कलियर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जनसेवा केंद्र की आड़ में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है।

स्थानीय अभिसूचना इकाई के सहयोग से 19 फरवरी 2026 को संयुक्त टीम ने चारमीनार के पीछे स्थित अलीशान होटल में छापेमारी की। यहां "शाहिदा मानवाधिकार जनसेवा केन्द्र" के नाम से संचालित एक कमरे में युवक लोगों के जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज बनाता हुआ मिला। पूछताछ में आरोपी ने खुद को बिहार के थाना साहिबगंज का निवासी बताया और स्वयं को मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष बताते हुए फर्जी पहचान पत्र भी दिखाया, जो जांच में फर्जी पाया गया। आरोपी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्रों की जांच में पाया गया कि सभी पर सीरियल नंबर '1' अंकित था और उत्तराखंड सरकार का लोगो व नाम छपा हुआ था। अधिकांश प्रमाण पत्र हरिद्वार क्षेत्र के लोगों के नाम से जारी किए गए थे तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम रुद्रपुर के लेटर पैड पर तैयार किए गए थे। नगर पंचायत पिरान कलियर के अधिशासी अधिकारी से संपर्क कर प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराया गया, जिन्होंने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों पर लगे हस्ताक्षर और मोहरें फर्जी हैं। कड़ी पूछताछ में आरोपी शहनवाज (24 वर्ष) पुत्र मौ० प्यारे, निवासी ग्राम दाउदपुर, थाना साहिबगंज, जिला मुजफ्फरपुर (बिहार), हाल निवासी अलीशान होटल पिरान कलियर, ने स्वीकार किया कि वह कुछ दस्तावेज स्वयं ऑनलाइन तैयार करता था और कुछ ऑनलाइन मंगाकर प्रिंट निकालकर लोगों को उपलब्ध कराता था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह अब तक लगभग एक हजार से अधिक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज तैयार कर चुका है। आरोपी के पास से पुलिस ने 45 कूटरचित जन्म प्रमाण पत्र,एक लैपटॉप व चार्जर,एक माउस,एक मोबाइल फोन, 06 आधार कार्ड, 07 अलग-अलग फर्जी मोहरें मानवाधिकार आयोग का फर्जी पहचान पत्र बरामद किए इस संबंध में कोतवाली पिरान कलियर में मु0अ0सं0-29/2026 धारा 336(3), 338, 339 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस टीम: एसओ रविन्द्र कुमार, व0उ0नि0 सुनील पंत, उ0नि0 उपेन्द्र सिंह, हे0का0 रविन्द्र वालियान, का0 जितेन्द्र सिंह, का0 चालक नीरज राणा एवं स्थानीय अभिसूचना इकाई की टीम। हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सत्यापन अभियान के तहत यह कार्रवाई अवैध गतिविधियों पर कड़ा प्रहार मानी जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के दस्तावेज केवल अधिकृत एवं सरकारी मान्यता प्राप्त केंद्रों से ही बनवाएं।

❖ फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड बनाने का चल रहा था खेल।

तीन फरार वारण्टियों को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना पुलिस ने न्यायालय से फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी द्वारा न्यायालय से प्राप्त गैर जमानतीय वारण्टो की शत प्रतिशत तामील किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त क्रम में भगवानपुर पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए मा० न्यायालय से वांछित चल रहे वारण्टी 01. सोनू कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम किशनपुर जमालपुर थाना भगवानपुर हरिद्वार 02. प्रवेश सैनी पुत्र हुकम सिंह निवासी ग्राम इब्राहिमपुर मसाई कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार 03. बन्टी कुमार पुत्र सुभाष कुमार निवासी ग्राम डाडाजलालपुर कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने गौमांस सहित दो आरोपी किये गिरफ्रतार

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। पुलिस ने गौकशी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से गौमांस व गौकशी में उपयुक्त उपकरण बरामद कर दोनो आरोपियों के खिलाफ गौवंस सरंक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

मंगलौर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर नारसन चौकी प्रभारी हेमदत्त भरद्वाज टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रह थे। इस बीच सूचना मिली कि पीरपुरा गांव के जंगलों में गौकशी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों का गठन कर तत्काल सघन सर्चिंग अभियान चलाया कर घेराबंदी कर मौके से कुर्बान पुत्र हनीफ और आशु पुत्र हामिद निवासी मुकर्बपुर थाना कलियर को गिरफ्तार कर लिया और कुछ अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए । पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से गौमांस,लकड़ी का गुटखा,लोहे की कुल्हाड़ी व छुरी,इलेक्ट्रॉनिक तराजू तथा गौकशी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए।पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ उत्तराखंड गोवंश संरक्षण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय पेश किया गया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है और फरार आरोपियों की तलाश में दबिश जारी है।टीम में नारसन चौकी प्रभारी हेमदत्त भारद्वाज, कांस्टेबल तेजपाल, होमगार्ड रमेश, होमगार्ड रामलाल एवं पीआरडी इसम सिंह आदि शामिल रहे।

झबरेड़ा में शांति से अदा की गई जुमे की नमाज

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बा व क्षेत्र में स्थित मस्जिद व मदरसो में रमजान माह के पहले जुमे की नमाज मुस्लिम भाइयों द्वारा अदा कर अल्लाह से देश में अमन चैन की दुआ मांगी। कस्बे में स्थित पुरानी जामा मस्जिद व कस्बे के मुख्य बाजार के पास स्थित दारुल उलूम मदरसा में रमजान माह के पहले जुमे की नमाज मुस्लिम भाइयों द्वारा अदा कर देश के लिए अमन चैन की दुआ मांगी गई। नमाज अदा करने के लिए कस्बे के अलावा ग्राम शीतल पुर ग्राम भक्तों वाली से भी काफी संख्या में नमाजिओ द्वारा कस्बे की मस्जिद में आकर नमाज अदा की गई । कारी इस्तकार अहमद द्वारा नमाजियों को नमाज अदा कराई गई। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मदरसा के पास थाना ध्यक्ष अजय शाह पुलिस बल के साथ तैनात रहे।

माहे रमजान उल मुबारक के पहले जुमे पर

रुड़की व आसपास के क्षेत्रों में अकीदत से अदा की नमाज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रमजान उल मुबारक का पहला जुमा रुड़की नगर व आसपास के क्षेत्रों में अकीदत के साथ शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुआ।

रुड़की नगर की प्रमुख जामा मस्जिद में जुमा की नमाज मुफ्ती मोहम्मद सलीम ने अदा कराई। जुमा से पूर्व तकरीर करते हुए मदरसा रहमानिया के प्रधानाचार्य मौलाना अजहर उल हक कासमी ने कहा कि रमजान का महीना नेकियों का महीना है। इस महीने को दीन और इंसानियत की तरबीयत यानी रहम और सबसे हुस्ने सलूक करने का महीना कहा जाता है।पहला अशरा यानी रमजान के दस दिन रहमतों का अशरा कहा जाता है, इसलिए इसमें मुसलमानों को चाहिए कि वह अपने पड़ोसियों से, अपने अहले वतन से तथा सभी मजहब के लोगों से प्रेम, भाईचारा व मोहब्बत का सलूक करें और जो गरीब, बेसहारा, जरूरतमंद हैं,उनकी मदद करें। उन्होंने कहा कि रोजा रखकर हमें झूठ से, फरेब से, धोखेबाजी से तथा गलत कामों से बचना चाहिए,यही हमारा दीन कहता है,साथ ही उन्होंने कहा कि रमजान में यह भी याद करना चाहिए कि हम पूरे साल किसी दूसरे को बुरा नहीं कहेंगे,किसी मजहब की बुराई नहीं करेंगे,अपने मजहब पर चलते हुए नेकी और भलाई के कार्य करेंगे।नमाज के बाद मुफ्ती मोहम्मद सलीम ने देश की उन्नति,समाज में भाईचारे तथा स्वच्छता पर बहुत ध्यान देने के लिए अपील कर दुआ कराई।उन्होंने कहा कि हमें अपने आसपास के क्षेत्रों में सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए जो हमारे ईमान का एक हिस्सा है।मौलाना अरशद कासमी,हाफिज मोहम्मद वसीम, हाजी मोहम्मद मुस्तकीम, अफजल मंगलौरी, कारी एहतेशाम, कारी कलीम अहमद, हाजी नौशाद अहमद, इमाम नदीम उल हक,हाजी मोहम्मद सलीम खान,शेख अहमद जमां ,इमरान देशभक्त, सैयद नफीसुल हसन, एडवोकेट कौसर सिद्दीकी, हाजी गुलफाम अहमद, अता उरर्हमान अंसारी, बिट्टन त्यागी व सलमान फरीदी हजारों की संख्या में रोजेदारों ने नमाज अदा की।

लक्सर पुलिस ने दबोचा एक नशा तस्कर

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के आदेश पर लक्सर पुलिस ने एक सटीक और प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, लादपुर खुर्द (थाना कोतवाली लक्सर) निवासी रईस पुत्र सईद लंबे समय से क्षेत्र में अवैध मादक द्रव्यों की तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त था। आरोपी की सक्रियता और समाज पर इसके घातक प्रभाव को देखते हुए एसएसपी के निर्देशन में कोतवाली लक्सर में एक विशेष टीम का गठन किया गयाशासन के कड़े आदेश ।पुलिस टीम की सटीक रणनीतिशासनादेश मिलते ही व०नि० नितिन चौहान, उ०नि० विपिन कुमार, है०कानि० पंचम प्रकाश और कानि० सचिन की टीम ने घेराबंदी शुरू की। सटीक सुरागरसी और पतारसी के बाद 40 वर्षीय आरोपी रईस को पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का संदेश: जनपद पुलिस का कहना है कि नशे के सौदागरों के खिलाफ यह अभियान थमेगा नहीं। जो भी युवा पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन ने लगाया रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के सदस्य कविश मित्तल की स्वर्गीय माता जी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर फेडरेशन रुड़की इकाई ने गौशाला, चाव मण्डी, रुड़की में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर में कुल 20 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित रूप से रक्त संग्रह किया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर के संयोजक कविश मित्तल ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "रक्तदान महादान है, एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। कार्यक्रम में अभिषेक चंद्रा, नितिन गोयलश कविस मित्तल, श सुमित अग्रवाल, नीतीश कंसल, पार्षद शिवम अग्रवाल, निखिल तायल, शौर्य प्रताप सिंह, आशीष सिंघल, अक्षत गर्ग, पारस गोयल, तनुश्री सिंघल, रामगोपाल कंसल प्रदेश उपाध्यक्ष आईवीएफ आदि उपस्थित रहे।

असाई ग्लास फैक्ट्री में ठेकेदार से मांगे मजदूरों के कागजात

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेडा। पुलिस द्वारा ग्राम लाठरदेवा हुण के पास स्थित असाई ग्लास कंपनी में सत्यापन अभियान चलाते हुए कंपनी में काम कर रहे ठेकेदारों के साथ बैठक कर जल्द से जल्द कंपनी में काम करने वाले कर्मचारीयो के सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। थानाध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि क्षेत्र में उच्च अधिकारियों के आदेश पर सघन सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत क्षेत्र स्थित असाही ग्लास कंपनी में शुक्रवार को पुलिस द्वारा सत्यापन अभियान चलाया गया। सत्यापन अभियान के दौरान कंपनी में काम करने वाले ठेकेदारों के साथ बैठक कर उनसे पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सत्यापन अभियान के विषय में बताया गया। ठेकेदारों के अंडर में ही सैकड़ो कर्मचारी कंपनी में काम करते हैं। जिनमें कुछ स्थानीय होते हैं तथा कुछ बाहर दूसरे राज्यों से आकर काम करते हैं। सत्यापन अभियान के तहत कंपनी के ठेकेदारों को कहा गया कि कंपनी में काम करने वाले प्रत्येक कर्मचारी का सत्यापन उनके द्वारा जल्द कराया जाए तथा सभी के फॉर्म भरकर थाने में जमा किए जाएं। जिसमें उनकी नाम पता फोन नंबर संबंधी पूरी जानकारी होनी आवश्यक है। कोई भी कर्मचारी जो कंपनी में काम करता है बिना सत्यापन के पाए जाने पर उस कर्मचारी के साथ-साथ संबंधित ठेकेदार पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो सड़क किनारे गहरे खड्डे में पलटी, एक की मौत, 5 गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की/लंढौरा। देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। जहां एक स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटी है। घटना में एक युवक की मौत हुई है। जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हुए है। बताया जा रहा हैं कि कार सवार सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य है। रुड़की से शादी समारोह से लौट रहे थे। तभी उनके साथ यह दर्दनाक हादसा हुआ है। इस घटना के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना लंढौरा स्थित पेट्रोल पंप के पास हुई है। जहां रुड़की से लक्सर लौट रही स्कॉर्पियो गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है। अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो सड़क किनारे गहरे खड्डे में पलट गई। इस दौरान कार में 6 लोग सवार थे। घटना में एक युवक की मौत हुई है। जबकि पांच अन्य लोग गंभीर घायल हुए है। बताया गया कि पूरा परिवार रुड़की में एक शादी समारोह में शामिल होकर देर रात घर वापिस लौट रहे थे। तभी उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हुई है। इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शैलभ वर्मा पुत्र संजय वर्मा निवासी लक्सर के रूप में हुई है। जबकि शैलभ वर्मा की पत्नी,दो बच्चों और दो अन्य परिजन गंभीर रूप से घायल हो गए है। जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रुड़की के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है।

बाजारों मे सिवईयों दुकानों पर भी बढ़ी रौनक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रमजान का पवित्र महीना कल से शुरू हो गया और आज रमजान का पहला जुम्मे का दिन है इस बार रमजान की विशेषता यह है कि इस रमजान में पांच जुमाआएंगे और आखिरी जुमा बीस मार्च का पड़ेगा।रमजान इस्लाम धर्म का सबसे पवित्र और इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार यह साल नवां महीना होता है।इस महीने में मुसलमान रोजे रखते हैं और रोजे के दौरान सूर्योदय से सूर्यास्त तक कुछ भी खाने-पीने की पाबंदी रहती है।रमजान के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग अल्लाह की उनकी नेमत के लिए शुक्रिया अदा करते हैं तथा महीने भर रोजे रखने के बाद ईद उल फितर मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि आखिरी पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब को वर्ष 610 लैलतुलकद्र के मौके पर पवित्र कुरान शरीफ का ज्ञान प्राप्त हुआ था।उसी समय से रमजान को इस्लाम धर्म में पवित्र महीने के तौर पर मनाया जाने की परंपरा शुरू हुई। वही रमजान के पहले जुमा के दौरान बाजारों में काफी रौनक देखने को मिली।रमजान की सहरी के इस्तेमाल के लिए पापे,फैनी,खजले की दुकान सज कर तैयार हो गई।रमजान का महीना शुरू होते ही बाजारों में रमजान की खरीदारी के लिए लोगों की काफी भीड़ रही।नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र से भी लोगों ने बाजार पहुंचकर रमजान के समान खासकर शहरी में इस्तेमाल होने वाले समान और खजूर आदि की खूब खरीदारी की,जिससे बाजारों में काफी रौनक देखने को मिली।

पड़ोसी युवकों पर नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का आरोप

शाह टाइम्ससंवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव में गुरुवार रात्रि लगभग दो बजे पडोस के दो युवक मकान की छत से होकर मकान के दूसरी ओर पड़ोस की नाबालिक लड़की के मकान में घुस गए तथा लड़की के साथ अश्लील हरकत करने लगे। लड़की द्वारा शोर मचाने पर दोनों युवक उसे छोड़कर छत के रास्ते ही भाग गए। थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति द्वारा थाने में तहरीर देकर बताया कि गुरुवार रात्रि लगभग 2:00 बजे जब सभी परिजन सोए हुए थे उसी समय पड़ोस के दो युवक मकान की छत से होकर पड़ोस में दूसरे मकान मैं चले गए ।मकान के एक कमरे में सो रही नाबालिक लड़की के साथ दोनों युवक छेड़छाड़ करते हुए उसे जबरदस्ती उठा कर ले जाने लगे ।जबरदस्ती होते देख लड़की द्वारा शोर मचा दिया गया। शोर सुनकर लड़की के माता-पिता व अन्य परिजन उठ गए ।परिजनों के उठने पर दोनों लड़के लड़की को छोड़कर मकान की छत के रास्ते ही भाग गए ।थानाध्यक्ष का कहना है कि उक्त संबंध में तहरीर मिल गई है। मामले की सघनता से जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जेएम ने नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने को लेकर कहा परीक्षा की शुचिता सर्वोपरि, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अतिरिक्त संयुक्त मजिस्ट्रेट कार्यालय में उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा को नकल-मुक्त एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी केंद्र व्यवस्थापक, कस्टोडियन तथा विद्यालय प्रबंधक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा की शुचिता सर्वोपरि है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक चंद्र सेट ने रसभी कक्ष निरीक्षक ड्यूटी के दौरान अनिवार्य रूप से फोटो आईडी कार्ड के साथ उपस्थित रहेंगे। प्रत्येक कक्षा में सीसीटीवी कैमरे इस प्रकार लगाए जाएँ कि पूरा कक्ष स्पष्ट रूप से कवर हो। सीसीटीवी की डीवीआर केंद्र व्यवस्थापक के कक्ष में सुरक्षित रखी जाएगी। परीक्षा अवधि के दौरान विद्यालय का प्रबंधक या उसका कोई संबंधी विद्यालय परिसर में उपस्थित नहीं रहेगा। परीक्षार्थियों के लिए कक्षाओं में पर्याप्त प्रकाश एवं स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों ने सभी संबंधितों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा का सफल और निष्पक्ष संचालन सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मैथोडिस्ट कॉलेज में एनएसएस शिविर का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज, रुड़की में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पायल अग्रवाल के निर्देशन में किया गया।

उद्घाटन समारोह में रेवरेंड अमित सैमुअल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रार्थना के साथ शिविर का शुभारंभ करते हुए अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को समाज से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। यह मंच युवा शक्ति को सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के गुणों से परिपूर्ण करता है। कॉलेज की प्रबंधिका मिस जे. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विशेष शिविर छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास एवं सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करने का उत्कृष्ट अवसर है। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शुरुआत छोटे-छोटे प्रयासों से ही होती है। श्रीमती दीपिका चार्ली ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए सेवा, सहयोग और टीम भावना महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब युवा शक्ति संकल्प के साथ आगे के बढ़ती है, तो समाज में सार्थक परिवर्तन अवश्य संभव होता है। डॉ. अमिता श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर व्यवहारिक जीवन की सीख प्रदान करते हैं। शिविर के प्रथम दिवस स्वयंसेविकाओं द्वारा शिविर स्थल की साफ-सफाई की गई, जिससे स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्रवक्ता डॉ. अक्षिता सैनी छात्रों को जागरूक किया व छात्रों ने जागरूकता रैली निकाली।

जनसहभागिता से तैयार होगा आम जनता का बजट: सीएम

कहा, सुझावों को मिलेगा नीतियों में स्थान, रांसी में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुआ व्यापक मंथन

शाह टाइम्स ब्यूरो

पौड़ी। जनपद पौड़ी के रांसी स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों, कृषकों, उद्यमियों, व्यापारियों, महिला समूहों, पर्यटन व्यवसायियों, मत्स्य पालकों, कृषि वैज्ञानिकों, स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों ने सहभागिता करते हुए आगामी बजट के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा जनहितकारी बजट तैयार करना है, जो प्रदेश की जमीनी आवश्यकताओं, क्षेत्रीय विशेषताओं और जनअपेक्षाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण का रोडमैप है, जिसमें प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग जैसे पर्यटन व्यवसायियों, व्यापारियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों और उद्यमियों की अपेक्षाएं और आवश्यकताएं बजट में समुचित रूप से परिलक्षित हों। उन्होंने कहा कि इस संवाद के दौरान अनेक व्यावहारिक और दूरदर्शी सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमने बजट निर्माण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सहभागी और जनोन्मुखी बनाने का संकल्प लिया है। सीमांत क्षेत्रों सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर जनता से संवाद कर सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक वर्ग की भागीदारी इसमें सुनिश्चित हो सके।संवाद के दौरान ग्रामीण विकास को गति देने के लिए अनुदान में वृद्धि, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था सुदृढ़ करने, सीवर लाइन एवं शौचालय निर्माण, पंचायतों को सशक्त बनाने, बंजर भूमि के उत्पादक उपयोग तथा ग्राम स्तर पर सोलर प्लांट संचालन जैसे सुझाव प्राप्त हुए। शहरी क्षेत्रों के लिए नगर निकायों के संसाधन बढ़ाने, सोलर सिटी की अवधारणा को बढ़ावा देने, पार्किंग व सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा शहरी आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया गया।

- पर्वतीय विकास, रोजगार और आधारभूत संरचना पर केंद्रित रहा बजट पूर्व संवाद
- बजट निर्माण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सहभागी और जनोन्मुखी बनाने का संकल्प
- पौड़ी में मुख्यमंत्री धामी की पहल, जनसहभागिता से आकार लेगा भविष्य का बजट, संवाद, सहयोग, सुझाव और सहभागिता उत्तराखण्ड की ताकत

वर्ष 2047 तक उत्तराखंड को आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प दोहराया

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक उत्तराखंड को आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता से तैयार होने वाला यह बजट राज्य की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करते हुए समृद्ध और सशक्त उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में इनकी रही मौजूदगी

बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी,वित्त सचिव दिलीप जावलकर ,जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का संचालन अपर सचिव मनमोहन मैनाली द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कृषि, उद्योग, व्यापार, पंचायत, शहरी विकास आदि से जुड़े 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। जिला पंचायत पौड़ी की अध्यक्षा रचना बुटोला, मेयर गणर निगम श्रीनगर आरती भंडारी, ऋषिकेश शंभु पासवान, कोटद्वार शैलेन्द्र रावत, रुद्रकी अनीता देवी अग्रवाल, नगर पालिकाध्यक्ष पौड़ी हिमानी नेगी, आयुक्त गढ़वाल/सचिव उद्योग विनय शंकर पांडे, पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र सिंह रावत, आयुक्त ग्राम विकास अनुराधा पाल, अपर सचिव डॉ. आनंद श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ गहरवार, अभिषेक रोहिला, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल किशोर रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषक, उद्यमी, जनप्रतिनिधि तथा हितधारक मौजूद रहे।

उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर: मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और व्यापार, उद्योग, पर्यटन, कृषि एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य में होमस्टे, स्वरोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित हुए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है।

सरकार का लक्ष्य किसानों को उद्यमी के रूप में विकसित करना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा राज्य की अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट पूर्व संवाद के दौरान प्राप्त सभी सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर उन्हें आगामी बजट और नीतिगत निर्णयों में यथासंभव शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा बजट प्रस्तुत करना है, जो आकार में व्यापक, प्रभाव में ठोस और पूरी तरह जनहित पर केंद्रित हो, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके।

बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में कई बिंदुओं पर मिले अहम सुझाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

पौड़ी। कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में पर्वतीय कृषि को प्रोत्साहन, बागवानी एवं उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय, पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज एवं क्लस्टर आधारित खेती को बढ़ावा देने के सुझाव सामने आए। कृषकों के तकनीकी प्रशिक्षण, जिला स्तर पर प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना तथा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

उद्योग एवं एमएसएमई क्षेत्र में पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योग स्थापना के लिए पूंजीगत सब्सिडी, ब्याज अनुदान, मशीनरी पर विशेष छूट, सेवा क्षेत्र आधारित उद्योगों को बढ़ावा तथा स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन की मांग रखी गई। आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों को उद्योगों से सीधे जोड़ने, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें और पलायन रुके, इस पर भी सुझाव दिए गए।

महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत प्रत्येक जनपद में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराने तथा स्थानीय सेवाओं में महिलाओं को प्राथमिकता देने की बात कही गई। गौशालाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने, जैविक खाद उत्पादन को प्रोत्साहन देने तथा मत्स्य पालन के लिए आधुनिक तकनीकों एवं बायोफ्लॉक टैंकों को बढ़ावा देने के सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।

- 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' विकसित करने पर भी दिया जोर

पर्यटन क्षेत्र में होमस्टे के लिए रियायती ऋण सुविधा, हैली सेवा का विस्तार, वैकल्पिक मार्गों का निर्माण, छोटे पर्यटन स्थलों का विकास, संस्कृत ग्रामों एवं सांस्कृतिक स्थलों को पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित करने, नेचर एवं एग्री-टूरिज्म को बढ़ावा देने तथा स्थानीय उत्पादों के विपणन के लिए ठोस नीति बनाने की आवश्यकता बताई गई।

ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जा नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने, कृषि एवं उद्योग आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए कर एवं शुल्क में राहत तथा ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के सुझाव भी प्राप्त हुए।

अब एक क्लिक पर मिलेगी माय स्कीम पोर्टल पर योजनाओं की जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो चीफ

देहरादून। प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को आमजन तक सरल, सुलभ और त्वरित रूप में पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा माय स्कीम पोर्टल का अनावरण किया गया है।

माय स्कीम पोर्टल पर कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा तैयार की गई "मेरी योजना" पुस्तकों में प्रकाशित समस्त योजनाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है, जिससे पात्र लाभार्थी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

- 'मेरी योजना' पुस्तिका की सभी योजनाएं ऑनलाइन, पारदर्शिता और सुगमता की ओर बड़ा कदम
- आमजन तक सुलभता से त्वरित और सरल जानकारी पहुंचाने की पहल

यह पोर्टल पारदर्शिता, सुशासन एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके माध्यम से नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, लाभ, आवेदन प्रक्रिया तथा संबंधित विभागीय जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त होगी।

संबंधित सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने स्तर पर माय स्कीम पोर्टल का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें तथा अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ने का प्रयास करें। ताकि समन्वय एवं क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा सके।

राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र नागरिक तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे और कोई भी लाभार्थी जानकारी के अभाव में वंचित न रहे।

पांच दिवसीय बजट सत्र पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश की पंचम विधानसभा का प्रथम बजट सत्र 9 से 13 मार्च तक आहूत किया गया है। विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग के 17 फरवरी 2026 के पत्र के अनुसार यह सत्र मात्र पाँच दिनों का होगा।9 मार्च को राज्यपाल का अभिभाषण निर्धारित है, जिससे प्रभावी कार्यवाही के लिए शेष बचते हैं केवल चार दिन।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सत्र की अवधि और उसकी प्रक्रियात्मक वैधता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। उनका कहना है कि प्रस्तावित समय-सारिणी न केवल व्यवहारिक दृष्टि से अपर्याप्त है, बल्कि विधानसभा की नियमावली और संसदीय परंपराओं की भावना के भी प्रतिकूल प्रतीत होती है। कहा कि यदि उत्तराखंड विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली, 2005 पर दृष्टि डाली जाए तो स्थिति और स्पष्ट होती है। नियम 20(3) के अनुसार राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के लिए चार दिन नियत हैं।

- क्या नियमों की भावना के अनुरूप है यह सत्र: आर्य
- नेता प्रतिपक्ष ने प्रक्रियात्मक वैधता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए

नियम 172 के अनुसार जिस दिन आय-व्ययक (बजट) प्रस्तुत किया जाएगा, उस दिन कोई चर्चा नहीं होगी। नियम 175(1) के अनुसार बजट प्रस्तुति के कम से कम दो दिन बाद सामान्य चर्चा प्रारंभ होती है, जो सामान्यतः चार दिन चलती है। ऐसी परिस्थिति में स्वाभाविक प्रश्न यह उठता है कि जब प्रभावी कार्यवाही के लिए केवल चार दिन उपलब्ध हों, तो अभिभाषण पर चर्चा, बजट प्रस्तुति, अनिवार्य अंतराल तथा सामान्य चर्चाक्षेत्रे सभी प्रक्रियाएँ किस प्रकार पूर्ण होंगी?

21 दिन का सत्र करने की मांग: यशपाल आर्य ने मांग की है कि बजट सत्र की अवधि न्यूनतम 21 दिन निर्धारित की जाए, ताकिज्ञ राज्यपाल के अभिभाषण पर समुचित चर्चा हो सके, बजट पर विस्तृत और सार्थक बहस सुनिश्चित हो, विधायकों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर मिल सके, तथा प्रदेशवासियों के हितों की पूर्ण रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद, विमर्श और जवाबदेही ही सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि बजट जैसे महत्वपूर्ण विषय पर पर्याप्त समय नहीं दिया जाएगा, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं माना जा सकता

लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता का प्रश्न

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य का कहना है कि यह केवल तकनीकी या प्रक्रियात्मक विषय नहीं है। आगामी बजट एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का होने जा रहा है, जो राज्य की आर्थिक दिशा, विकास योजनाओं और करोड़ों नागरिकों के भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ है। इसके अतिरिक्त, सैकड़ों प्रश्न, जनहित के मुद्दे, नीतिगत निर्णय तथा विभिन्न विभागों से संबंधित विषय भी विचारणीय हैं। ऐसे में इतने महत्वपूर्ण विषयों को पाँच दिनों में सीमित करना लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता को कम करने जैसा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि नियमों की भावना का सम्मान नहीं किया जाएगा, तो विधानमंडल की गरिमा और संसदीय परंपराएँ कैसे सशक्त होंगी?

उत्तराखण्ड में अप्रैल माह में विशेष गहन पुनरीक्षण

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की एसआईआर तैयारियों के सम्बंध में समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम ने शुक्रवार को सचिवालय में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में माध्यम समीक्षा बैठक की।

बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आगामी एसआईआर के दृष्टिगत सभी जनपदों की प्रशासनिक तैयारियों की जनपदवार समीक्षा कर कद विस्तृत जानकारी ली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी अप्रैल माह में उत्तराखण्ड में एसआईआर प्रस्तावित है इस लिहाज से जनपद देहरादून, उधमसिंह नगर और नैनीताल में मतदाताओं की मैपिंग की प्रगति लक्ष्य के अनुरुप कम है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन बूथों पर मैपिंग प्रतिशत कम है सम्बंधित ईआरओ और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो भी अधिकारी एसआईआर के कार्य में लापरवाही करत हुए पाए गए तो उनपर ठोस कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों को तय समयसीमा में एसआईआर की तैयारियों के बूथ अवेयरनेस ग्रुप के गठन के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा वर्तमान में 77 प्रतिशत बूथों पर कि बूथ लेवल एजेंट्स की तैनाती हो चुकी है, बीएलए की शत प्रतिशत तैनाती हेतु राजनैतिक दलों से पुनः बैठक कर दी जाए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सभी जनपदों के डीएम, अपर जिलाधिकारी, ईआरओ वर्चुअल रुप से शामिल रहे।

देहरादून में फिल्म 'अजेय' की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित

देहरादून। सेवाल सामाजिक संस्था के तत्वावधान में माइक्रोसिनेप्लेक्स सिनेमा, द सिटी जंक्शन मॉल, आईएसबीटी, देहरादून में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित प्रेरणादायक फिल्म "अजेय" की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा कुसुम कंडवाल, संस्कृति एवं कला परिषद की अध्यक्षा मधु भट्ट , पुष्पा बर्थवाल, कंचन गुनसोला, आशा पैनुली, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष भावना डोभाल ,स्वामी एस. चंद्र, प्रदेश प्रवक्ता महिला मोर्चा जानकी नौटियाल, डॉ. स्वाति, पूर्व प्रदेश मंत्री ऋषभ रावत, प्रीति शुक्ला, राष्ट्रीय सेविका समिति से शारदा त्रिपाठी, तथा फिल्म के लेखक शांतनु गुप्ता सहित अनेक सम्मानित अतिथिगण उपस्थित रहे। फिल्म के लेखक शांतनु गुप्ता ने अपने संबोधन में फिल्म की पृष्ठभूमि, लेखन प्रक्रिया एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "अजेय" एक व्यक्तित्व की जीवनी मात्र नहीं, बल्कि संकल्प, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की प्रेरक यात्रा का चित्रण है।

कुर्क फ्लैटों को पहले ही बेचकर बिल्डर ने की धोखाधड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर जिला प्रशासन ने धोखाधड़ी करने वाले बिल्डर और उसके प्रतिनिधियों के विरुद्ध थाना राजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है।

मामला जीएसटी बकाया न चुकाने और कुर्क की गई संपत्ति की जानकारी छिपाकर प्रशासन को गुमराह करने से जुड़ा है।

मैसर्स क्वींसटन रियलिटी प्रोजेक्ट्स एलएलपी, कैनाल रोड पर जीएसटी का बकाया चल रहा था। देय धनराशि जमा न करने पर तहसीलदार सदर ने कार्रवाई करते हुए 5 जनवरी को बिल्डर के दो फ्लैट (संख्या 303 और 403) कुर्क कर दिए थे। नीलामी की प्रक्रिया फर्म के प्रतिनिधि की उपस्थिति में पूरी की गई और उच्चतम बोलीदाता के पक्ष में फ्लैट आवंटित कर दिए गए।पूरी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद यह तथ्य सामने आया कि बिल्डर ने इन फ्लैटों को 27 मई 2022 को ही पूजा संजय मिश्रा के हक में बेच दिया था और ये फ्लैट बैंक में बंधक भी थे। बिल्डर ने यह जानकारी तहसीलदार और नीलाम अधिकारी से छिपाकर धोखाधड़ी की। तथ्यों को छिपाने के आरोप में राजपुर थाना पुलिस ने कर्मवीर सिंह (निवासी मुंबई, महाराष्ट्र), आशीष राजेंद्र गर्ग (निवासी मुंबई, महाराष्ट्र), राजपुरोहित विक्रम सिंह (निवासी गुजरात) और उनके स्थानीय प्रतिनिधि अजय (निवासी काठबंगला, कैनाल रोड) के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

- प्रशासन ने दर्ज कराया मुकदमा

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 21 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

जरूरत रोजगार की

गुरुवार को जिस तरह सुप्रीम कोर्ट सरकारों द्वारा लोगों को दी जाने वाली मुफ्त योजनाओं पर भड़का है, उससे साफ है कि पानी अब सिर से गुजरता जा रहा है। हालांकि यह हमेशा से ही विवाद का विषय रहा है कि सरकार तरह-तरह के प्रलोभन देकर जनता को क्यों लुभाती है,जबकि वह अच्छी तरह जानती है कि वह इतनी अच्छी स्थिति में नहीं है, जो मुफ्त की योजनाओं का भार वहन कर सकें, लेकिन हम देखते हैं कि अपने राजनीतिक लाभ के लिए वह किसी भी सीमा तक पहुंच जाती है। विशेषकर मुफ्त बिजली पानी की चर्चा बहुत होती है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम बनाम भारत सरकार केस की सुनवाई करते हुए कठोर टिप्पणी की। निगम को उपभोक्तों की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को मुफ्त बिजली देने के वादा करने के लिए फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सवाल किया कि हम पूरे भारत में किस तरह का कल्चर बना रहे हैं। हालांकि उन्होंने माना कि यह तो समझ में आता है कि एक वेलफेयर सिस्टम के तहत उन लोगों को बिजली देनी चाहिए, जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो दे सकते हैं और जो नहीं दे सकते, उनके बीच फर्क किए बिना अगर बांटना शुरू करते हैं, तो क्या यह एक तरह की तुष्टिकरण पॉलिसी नहीं होगी। उन्होंने बेहद तीखे शब्दों में यह भी कहा कि कभी-कभी हम सच में परेशान हो जाते हैं। भले ही आप एक रेवेन्यू सरप्लस राज्य हों। इस समय बात तमिलनाडु की हो रही है, जो 50 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली देने की बात कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी बात पर टिप्पणी की है। कोर्ट का मानना है कि किसी की सहायता करना कोई बुरी बात नहीं, लेकिन जिनको सहायता की जरूरत है और जिनको नहीं, उनके बीच अंतर तो होना ही चाहिए। सबके साथ एकजैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता। कोर्ट की नजर में यह व्यवहारिक नहीं है। यूं भी यह बात केवल तमिलनाडु की नहीं है। करीब-करीब हर राज्य की है, यहां तक कि केंद्र सरकार भी इससे बची हुई नहीं है और इस सच्चाई से भी हर कोई वाकिफ है कि राजनीतिक लोग मुफ्त में कुछ भी नहीं देते। लोक लुभावन वादों में राजनीतिक दलों का अपना हित जुड़ा होता है। देखने में भी आता है जब-जब चुनाव नजदीक होते हैं, तभी मुफ्त योजनाओं की झड़ी लग जाती है। इस हमाम में सभी नंगे हैं। निश्चित रूप से भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस ओर सरकारों का ध्यान दिलाकर एक प्रशंसनीय कार्य किया है और उम्मीद जगाई है कि तमाम सरकारें इस ओर ध्यान देंगी और लोगों द्वारा दिए जा रहे राजस्व का पूरा ध्यान रखेंगी। सबसे बड़ी बात जो सुप्रीम कोर्ट ने कही वह यह कि फ्री की चीजें लोगों को आलसी बनाती हैं। इसलिए जरूरत फ्री की चीजों की नहीं बल्कि उनको रोजगार देने की है। रोजगारों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर बड़ा संदेश

एआई पर आयोजित विश्व सम्मेलन भारत की क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन है, इसमें विश्व के बड़े नेताओं की मौजूदगी एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर बड़ा संदेश देने वाली है, राफेल सौदा रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के लिए जरूरी है, इसमें बड़ी बात यह है कि राफेल के कुछ हिस्सों का निर्माण भारत में होना ज्यादा महत्वपूर्ण है, राफेल मामले में वह सरकार का समर्थन करते हैं, आई सम्मेलन के शुरुआती दिन बेहद सफल रहे हैं, कुछ छोटी-मोटी दिक्कतें आई, लेकिन बड़े आयोजनों में ऐसा होना आम बात है, विभिन्न मुल्कों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य विश्व नेताओं की मौजूदगी इस आयोजन में अत्यंत प्रभावशाली रही है।

-शशि थरूर, लोकसभा सदस्य, कांग्रेस

युवा स्वर और मातृभाषा: युवाओं की आवाज बने आधार

सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम द्वारा दिया गया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में शहीद हुए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

मातृभाषा की मदद से न केवल क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में जानने-समझने में सहायता मिलती है बल्कि एक-दूसरे से बातचीत करना भी आसान हो जाता है। यही वजह है कि भाषा की विविधता को विस्तार से जानने के लिए कई देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत एक क्षेत्र का व्यक्ति किसी दूसरे क्षेत्र के व्यक्ति की मातृभाषा को न केवल जान पाएगा बल्कि उसे सीख भी सकेगा। मानव जीवन में भाषा महत्व को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषाई तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषावाद का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यूनेस्को द्वारा हर साल 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाता जाता है।

यह दिवस भाषाओं का जश्न मनाने का समय है, साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय है 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की राय', जो भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की रक्षा, पुनर्जीवन और उपयोग में युवाओं की आवश्यक भूमिका को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा प्रणाली समावेश को बढ़ावा देने के लिए शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस 'भाषाएं मायने रखती हैं, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह' विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमश: 'बहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है' तथा 'बहुभाषी शिक्षा: शिक्षा को बदलने की आवश्यकता' थी। इससे पहले 2022 की थीम 'बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग: चुनौतियां और अवसर' थी जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी 'शिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहन'। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम द्वारा दिया गया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में शहीद हुए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और शिक्षा तथा साहित्य से जुड़े लोग विभिन्न भाषाओं को लेकर चर्चा करने के साथ-साथ किसी भी भाषा को सरल व सुगम बनाने के लिए परामर्श भी देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बोली जाने वाली करीब सात हजार भाषाओं में से नब्बे फीसद भाषाएं बोलने वाले लोग एक लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 फीसद से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब चालीस फीसदी लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है। लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में 'लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण' योजना भी चलाई जा रही है। यूजीसी देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा 'लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापना' योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए। दरअसल प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं को सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350 ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषाई अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त दरकार है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

दक्षिण भारत की फिल्टर कॉफी

इतालवी लोग कॉफी को कई तरह से बनाते हैं। मसलन एस्प्रेसो कॉफी में, उच्च दाब पर कॉफी पावडर से गर्मा-गरम पानी गुजारा जाता है। दक्षिण भारतीय फिल्टर कॉफी आम तौर पर गर्म दूध डाल कर पी जाती है। कॉफी में दूध मिलाने से उसका स्वाद और महक बढ़ जाते हैं। दरअसल, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री के जनवरी 2023 के अंक में यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के शोधकर्ताओं द्वारा प्रका. शित एक पेपर बताता है कि दूध वाली कॉफी पीना शोथ-रोधी असर दे सकता है। दूध में प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट की उपस्थिति रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने वाली कोशिकाओं को सक्रिय करने में मदद करती है।

वे बसाइट स्टेटिस्टा बताती है कि ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया, इथियोपिया और होंडुरास के बाद भारत दुनिया का छठवां सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक देश है। 2022-23 में भारत में करीब 4 लाख टन कॉफी का उत्पादन हुआ है।

डॉ. केटी अचया अपनी पुस्तक इंडियन फूड ए हिस्टोरिकल कम्पेनियन में लिखते हैं कि 14वीं-15वीं शताब्दी में कॉफी मध्य पूर्व से कोहा नाम से भारत आई और बाद में कॉफी कहलाने लगी। कुछ ब्लॉगर्स लिखते हैं कि औपनिवेशिक अंग्रेजों ने मैसूर से यूरोप तक भारतीय कॉफी का व्यावसाईकरण किया था। स्रोत के फरवरी 2020 के अंक में प्रकाशित अपने एक लेख में मैंने लिखा था कि कॉफी एक स्वास्थ्यवर्धक पेय है। मेटा-विश्लेषण से पता चलता है कि कॉफी में कई विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इस तरह यह एक ऐसा स्वास्थ्यकारी पेय है जो हमारे आमाशय की को. शिकाओं को ऑक्सीकारक क्षति से बचाता है और टाइप-2 डायबिटीज और बढ़ती उम्र से जुड़ी कई बीमारियों के जोखिम को कम करता है, लेकिन इसकी अति से बचना चाहिए एक दिन में पांच कप से ज्यादा नहीं। दक्षिण भारतीय कॉफी वास्तव में भुने हुए कॉफी के बीज और भुनी हुई चिकरी की जड़ों के पावडरों का मिश्रण होती है। चिकरी की यह मिलावट ही दक्षिण भारतीय कॉफी को खास बनाती है, लेकिन चिकरी है क्या? यह मूलत: यूरोप और एशिया में पाई जाने वाली एक वनस्पति है। इसकी जड़ में इनुलिन नामक एक स्टार्ची पदार्थ होता है। यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। यह गेहूं, प्याज, केले, लीक (हरी प्याज सरीखी सब्जी), आर्टिचोक (हाथी चक) और सतावरी सहित विभिन्न फलों, सब्जियों और जड़ी-बूटियों में पाया जाता है। चिकरी की जड़ हल्का-सा विरेचक (दस्तावर) असर देती है और सूजन कम करती है। यह बीटा कैरोटीन का भी एक समृद्ध स्रोत है। यह कॉफी के मुकाबले कोशिकाओं को ऑक्सीकारक क्षति से बेहतर बचाता है। इसके अलावा, चिकरी में कैफीन भी नहीं होता, जिसके कारण बेचैनी और अनिद्रा की शिकायत होती है। दूसरी ओर कॉफी में कैफीन होता है। यही कारण है कि दक्षिण भारतीय तरीके से (कॉफी और चिकरी पाउडर मिलाकर) कॉफी बनाना एक अच्छी परम्परा लगती है- इस मिश्रण में 70 प्रतिशत कॉफी और 30 प्रतिशत चिकरी पावडर मिलाते हैं। स्वादानुसार ए प्रतिशत अलग भी हो सकते हैं। भारत में कॉफी बागान कहां-कहां हैं?

इसके अधिकतर बागान कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्रों में हैं। फिर आंध्र प्रदेश (अरकू घाटी) और ओडिशा, मणिपुर, मिजोरम के पहाड़ी क्षेत्रों में और पूर्वोत्तर भारत के सेवन सिस्टर्स पहाड़ों में कॉफी के बागान हैं। चिकरी मुख्यत: उत्तर प्रदेश और गुजरात में उगाई जाती है। दिलचस्प बात यह है कि इन दोनों राज्यों में ज्यादातर लोग चाय पीते हैं, कॉफी नहीं। अच्छी बात यह है कि तुलनात्मक रूप से प्रति कप चाय में भी कम कैफीन होता है। दुनिया के कई हिस्सों में लोग बिना दूध वाली ब्लैक कॉफी पीते हैं। इतालवी लोग कॉफी को कई तरह से बनाते हैं। मसलन एस्प्रेसो कॉफी में, उच्च दाब पर कॉफी पावडर से गर्मा-गरम पानी गुजारा जाता है। दक्षिण भारतीय फिल्टर कॉफी आम तौर पर गर्म दूध डाल कर पी जाती है। कॉफी में दूध मिलाने से उसका स्वाद और महक बढ़ जाते

हैं। दरअसल, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री के जनवरी 2023 के अंक में यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क के शोधकर्ताओं द्वारा प्रकाशित एक पेपर बताता है कि दूध वाली कॉफी पीना शोथ-रोधी असर दे सकता है। दूध में प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट की उपस्थिति रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने वाली कोशिकाओं को सक्रिय करने में मदद करती है। दूध वाली कॉफी के स्वास्थ्य पर प्रभावों का अध्ययन करने के लिए शोधकर्ताओं ने मनुष्यों पर परीक्षण शुरू कर दिए है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कॉफी के शौकीन भारतीय लोग इस ट्रायल में जरूर शामिल होना चाहेंगे।

शीतलन पर शोध : सिर्फ शरीर को ठंडा करके चल जाएगा काम

समस्या तब शुरू होती है जब गर्मी के दिनों में बाहर का परिवेश शरीर की तुलना में गर्म हो जाता है, और शरीर पर्याप्त ऊष्मा नहीं बिखेर पाता। एकमात्र तरीका होता है कि पसीना आए जिसके वाष्पीकरण के माध्यम से शरीर की गर्मी बाहर निकल सके, लेकिन आसपास का परिवेश उमस (नमीं भरा हो तो पसीना आना कारगर नहीं होता है बल्कि बेचैनी बढ़ जाती है क्योंकि पसीने का वाष्पीकरण नहीं हो पाता। प्रोसिडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में शोधकर्ताओं ने जिस तरीके का उपयोग किया है उसमें उन्होंने कमरे में एक विशेष रूप से निर्मित पर्याप्त ठंडी सतह लगाई है जो मानव शरीर द्वारा उत्सर्जित ऊष्मा को अवशोषित तो करेगी लेकिन उसे पर्यावरण में वापस नहीं छोड़ेगी, यानी यह एकतरफा रास्ते (वन-वे) की तरह काम करेगी। तो सवाल है कि कोई भी ठंडी सतह यह काम क्यों नहीं कर सकती? इसलिए कि कमरे की कोई भी साधारण सतह या चीज आसपास बहती गर्म हवा के संपर्क में आकर जल्दी गर्म हो जाएगी।

गर्मी से राहत पाने के लिए हम अपने कमरे या अपने आसपास की जगह को ठंडा करने का जो तरीका अपनाते हैं, उससे हम उन चीजों को भी ठंडा कर देते हैं जिन्हें ठंडा करने की जरूरत नहीं होती। किसी कमरे में मौजूद चीजों की ऊष्मा धारिता, जिन्हें एयर कंडीशनर (एसी) ठंडा कर देता है, लोगों की ठंडक की जरूरत की तुलना में कई गुना अधिक होती है। हाल ही में ETH इंस्टिट्यूट के सिंगापुर परिसर के एरिक टिटेलबौम और उनके दल ने प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में विकिरण शीतलन (रेडिएटिव कूलिंग) पर एक अध्ययन प्रकाशित किया है। इस तकनीक में शरीर की गर्मी बाहर निकलेगी और शरीर ठंडा तो होगा, लेकिन आसपास की चीजों को ठंडा करने में ऊर्जा जाया नहीं होगी। जिस तरह हम किसी वस्तु पर रंगीन रोशनी तो डाल सकते हैं, लेकिन हम उस पर अंधेरा नहीं डाल सकते, उसी तरह गर्म वस्तुएं अपनी गर्मी तो बाहर छोड़ती या बिखेरती हैं, लेकिन ठंडी चीजें अपनी ठंडक बाहर छोड़ती या फैलाती नहीं हैं, लेकिन ठंडी चीजें जितनी ऊष्मा उत्सर्जित करती हैं उसकी तुलना में अधिक ऊष्मा अवशोषित करती हैं और ठंडी चीजों की मौजूदगी गर्म चीजों को अपनी ऊष्मा खोने और ठंडी होने में मदद करती है, तो सवाल सिर्फ उन चीजों को शीतल करने का है जिन्हें ठंडा करने की जरूरत है। आम तौर पर हम गर्मी के मौसम में लोगों को ठंडक देने के लिए जिस तरीके का उपयोग करते हैं, वह है एयर कंडीशनिंग या वातानुकूलन। इसमें कमरों में ठंडी हवा छोड़ी जाती है और सर्दियों में लोगों को गर्माहट देने के लिए हम रेडिएटर्स या गर्म वस्तुओं का उपयोग करते हैं, जो कमरे की हवा को गर्म कर देते हैं, हालांकि लोग सीधे भी इन रेडिएटर्स की गर्मी को महसूस कर सकते हैं। ठंडा करने के लिए एकमात्र व्यावहारिक तरीका है कि हवा को शीतलक से गुजार कर ठंडा किया जाए और फिर इस ठंडी हवा को कमरे में फैलाया जाए (सिर्फ पंखे का उपयोग करें तो उसकी हवा से शरीर का पसीना वाष्पित होकर थोड़ी ठंडक महसूस कराता है)। इस तरह ठंडे किए जा रहे कमरे में लोग ठंडक या आराम महसूस करने लगें उसके पहले ठंडी हवा को दीवारों, फर्नीचर और फर्श को ठंडा करना पड़ता है। मानव शरीर का तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस रहता है। चूंकि आसपास का परिवेश आम तौर पर अपेक्षाकृत ठंडा होता है, तो शरीर के भीतर ऊष्मा उत्पादन और बाहर ऊष्मा ह्रास के बीच संतुलन रहता है। यह ऊष्मा ह्रास मुख्य रूप से विकिरण के माध्यम से होता है। इस प्रक्रिया में गर्म शरीर परिवेश से अवशोषित ऊष्मा की तुलना में अधिक ऊष्मा बिखेरता है। कुछ ऊष्मा ह्रास हवा के संपर्क से भी होता है, लेकिन इस तरह से बहुत ज्यादा ऊष्मा बाहर नहीं जाती है, क्योंकि हवा की ऊष्मा धारिता कम होती है। समस्या तब शुरू होती है जब गर्मी के दिनों में बाहर का परिवेश शरीर की तुलना में गर्म हो जाता है, और शरीर पर्याप्त ऊष्मा नहीं बिखेर पाता। एकमात्र तरीका होता है कि पसीना आए जिसके वाष्पीकरण के माध्यम से शरीर की गर्मी बाहर निकल सके, लेकिन आसपास का परिवेश उमस (नमीं भरा हो तो पसीना आना कारगर नहीं होता है बल्कि बेचैनी बढ़ जाती है क्योंकि पसीने का वाष्पीकरण नहीं हो पाता। प्रोसिडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में शोधकर्ताओं ने जिस तरीके का उपयोग किया है उसमें उन्होंने कमरे में एक विशेष रूप से निर्मित पर्याप्त ठंडी सतह लगाई है जो मानव शरीर द्वारा उत्सर्जित ऊष्मा को अवशोषित तो करेगी लेकिन उसे पर्यावरण में वापस नहीं छोड़ेगी, यानी यह एकतरफा रास्ते (वन-वे) की तरह काम करेगी। तो सवाल है कि कोई भी ठंडी सतह यह काम क्यों नहीं कर सकती? इसलिए कि कमरे की कोई भी साधारण सतह या चीज आसपास बहती गर्म हवा के संपर्क में आकर जल्दी गर्म हो जाएगी। इसके अलावा, हवा में मौजूद नमी ठंडी सतह पर संघनित हो जाएगी और संघनन की प्रक्रिया से अत्यधिक ऊष्मा मुक्त होती है। वातानुकूलन के मामले में, दरअसल, कमरे में प्रवाहित हो रही हवा को सुखाने में जितनी ऊर्जा लगती है, वह ऊर्जा उस हवा को ठंडा करने में लगने वाली ऊर्जा से कहीं अधिक होती है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने जो व्यवस्था बनाई है वह इन दोनों प्रभावों को ध्यान रखती है और ठंडी सतह को केवल उस पर पड़ने वाले विकिरण द्वारा ऊष्मा सोखने देती है। शोधकर्ताओं द्वारा बनाई गई यह व्यवस्था धातु की चादर लगी एक दीवार थी जिसे ठंडे किए गए पानी की मदद से 17 डिग्री सेल्सियस पर रखा गया था। इस व्यवस्था को उन्होंने सिंगापुर में एक तंबू को ठंडा करने में आजमाया, जिसका तापमान लगभग 30 डिग्री सेल्सियस था।

आम तौर पर, हवा (संवहन द्वारा) धातु की चादर को गर्म कर देती है, लेकिन यहां ऐसा न हो इसलिए इस व्यवस्था में एक कम घनत्व वाली पॉलीएथलीन झिल्ली को इंसुलेटर के रूप में धातु की चादर के ऊपर लगाया गया था। अध्ययन के अनुसार, हम ऊष्मा स्थानांतरण के इस अवांछित संवहन को हटा पाए। बहरहाल, यह झिल्ली विकिरण ऊष्मा के लिए पारदर्शी थी और तंबू में मौजूद लोगों के गर्म शरीर का ऊष्मा विकिरण इससे गुजर सकता था ताकि उसे अंदर की ठंडी सतह सोख सके। हवा से संपर्क वाली सतह को इन्सुलेशन झिल्ली ने अधिक ठंडा होने से बचाए रखा जिसकी वजह से संघनन नहीं हो पाया। परीक्षणों में देखा गया कि 6615 प्रतिशत आर्द्रता होने पर भी 23.7 डिग्री सेल्सियस (जिस तापमान पर संघनन शुरू होता है) पर भी दीवार की सतह पर कोई संघनन नहीं हुआ था। अध्ययन के अनुसार, दीवार के अंदर से गुजरता ठंडा पानी संघनन तापमान से भी कम, 1217 डिग्री सेल्सियस, तक भी ठंडा रखा जा सकता है। मानव आराम के बारे में क्या? सिंगापुर में 8 से 27 जनवरी के दौरान, जब वहां गर्मी का मौसम पड़ता है, 55 लोगों के साथ यह देखा गया कि उन्होंने कैसी ठंडक महसूस की। 55 लोगों में से 37 लोगों ने तंबू में तब प्रवेश किया था जब शीतलन प्रणाली चालू थी और बाकी 18 लोगों ने तब प्रवेश किया जब शीतलन प्रणाली बंद थी। जिस समूह ने शीतलन प्रणाली चालू रहते प्रवेश किया था, उन्होंने 79 प्रतिशत दफे तंबू में तापमान संतोषजनक बताया। यह देखा गया कि वहां मौजूद गर्म वस्तुओं ने अपनी गर्मी अवशोषक दीवार को दे दी थी और सबसे गर्म वस्तुएं मनुष्य थे और उन्होंने ही सबसे अधिक ऊष्मा गंवाई। हालांकि, हवा (या तंबू) का तापमान बमुश्किल ही कम हुआ था, 31 डिग्री सेल्सियस से घटकर यह सिर्फ 30 डिग्री सेल्सियस हुआ था। इस अंतिम अवलोकन से पता चलता है कि हवा को ठंडा करने में बहुत कम ऊर्जा खर्च हो रही थी, जबकि पारंपरिक शीतलन प्रणालियों में तापमान घटाने के लिए मुख्य वाहक हवा ही होती है। इस तरह इस अध्ययन में प्रस्तुत यह तकनीक एयर कंडीशनर की जगह बखूबी ले सकती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस तकनीक से ऊर्जा की खपत में 50 प्रतिशत तक कमी आ सकती है, सिर्फ ऊष्मा सोखने वाली दीवारों तक ठंडे पानी को पहुंचाने में ऊर्जा लगेगी। यह इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि विश्व की कुल ऊर्जा खपत में से एयर कंडीशनिंग की ऊर्जा एक बड़ा हिस्सा है और इसके बढ़ने की संभावना है। नई प्रणाली का एक अन्य लाभ यह है कि ठंडे किए जा रहे स्थान खुली खिड़की वाले, हवादार भी हो सकते हैं। एयर कंडीशनिंग में, किफायत के लिहाज से यह मांग होती है कि अधिकांश ठंडी हवा को पुन: कमरे में घुमाया जाता रहे। तब ऑफिस में यदि कोई व्यक्ति सर्दी-जुकाम (या ऐसे ही किसी संक्रमण) से पीड़ित हो तो पूरी संभावना है कि वह बाकियों को भी अपना संक्रमण दे देगा। विकिरण शीतलन (रेडिएंट कूलिंग) की तकनीक काम करती है क्योंकि मानव शरीर से निकलने वाली ऊष्मा आसपास की हवा द्वारा नहीं सोखी जाती है जिसे वापस मुक्त कर दिया जाए वह तो ठंडी सतह तक पहुंच सकती है। वैसे, धरती के पैमाने पर देखें तो वायुमंडल ऊष्मा को पृथ्वी से बाहर नहीं निकलने देता है, यही कारण है कि रात में पृथ्वी बहुत ठंडी नहीं होती है और इसलिए वायुमंडल में परिवर्तन वैश्विक तापमान बढ़ने का कारण बन रहे हैं। हालांकि, 8-13 माइक्रोमीटर तरंग दैर्ध्य के लिए हमारा वायुमंडल ऊष्मा के लिए पारदर्शी है। इस परास की तरंग दैर्ध्य वाला ऊष्मा विकिरण वायुमंडल से बाहर सीधे अंतरिक्ष में जाता है। इस तथ्य का फायदा उठाने के लिए वस्तुओं को ऐसी फिल्म या शीट से ढंका जाता है जो वस्तुओं से निकलने वाली गर्मी को वांछित रेंज की तरंग दैर्ध्य में परिवर्तित कर दें। नतीजा यह होता है कि धूप में रखी जाने पर ए वस्तुएं रेडिएटिव कूलिंग के माध्यम से परिवेश की तुलना में 4-5 डिग्री सेल्सियस तक ठंडी हो सकती हैं। यह तकनीक ग्रीन कोल्ड स्टोरेज और सौर ऊर्जा पैनल, जो गर्म होने पर कम कुशल हो जाते हैं, के लिए उपयोगी हो सकती है।

...साभार

इम्फाल। लैंगोल स्थित वैकल्पिक आवास परिसर में विस्थापित बच्चों से बातचीत करते मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद।

एपस्टीन फाइल्सः माकपा ने की हरदीप पुरी को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने 'एपस्टीन फाइल्स' के खुलासों का हवाला देते हुए शुक्रवार कोपेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से तुरंत हटाने की मांग की। माकपा पोलित ब्यूरो ने एक बयान में फाइलों की सामग्री को 'अत्यंत घृणित एवं वीभत्स' करार देते हुए आरोप लगाया कि ये फाइलें राजनेताओं, वित्तीय दिग्गजों, प्रौद्योगिकी जगत के नेताओं और मशहूर हस्तियों के शक्तिशाली वैश्विक नेटवर्क का पर्दाफाश करती हैं, जो यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े हैं। पोलित ब्यूरो ने कहा कि एपस्टीन फाइल्स की अत्यंत घृणित और वीभत्स सामग्री रोजाना सामने आ रही है। उन्होंने इसके साथ ही अमेरिकी अधिकारियों पर जानकारी दबाने के प्रयास का आरोप भी लगाया।

गाजा पर बोर्ड ऑफ पीस मीटिंग में भारत हुआ शामिल

गाजा के लिए 1.5 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान, 50 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में भारत ने आब्जर्वर देश के तौर पर हिस्सा लिया। यह बैठक वाशिंगटन डीसी में हुई। भारत की तरफ से भारतीय दूतावास में तैनात चार्ज द'अफेयर्स (सीनियर अधिकारी) नमग्या सी खम्पा ने हिस्सा लिया। भारत ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह बोर्ड का फुल टाइम मेंबर बनेगा या नहीं।

भारत ने पिछले महीने दावोस में इसके लान्च कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था। बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि 9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपये (7 अरब डालर) देंगे। जबकि, अमेरिका खुद 90 हजार करोड़ रुपये (10 अरब डालर) देगा। वहीं, 5 देशों ने युद्ध से तबाह फलस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। वाशिंगटन में हुई इस बैठक में करीब 50 देशों के अधिक. रों शामिल हुए। इनमें से 27 देश बोर्ड के सदस्य हैं, जिनमें अजरबैजान, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, इंडोनेशिया, इजरायल, जार्डन, मोरक्को, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) सहित बाकी देश आब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए। ट्रम्प ने कहा कि यह रकम युद्ध पर होने वाले खर्च के मुकाबले बहुत छोटी है। उन्होंने सदस्य देशों से कहा कि अगर सभी देश साथ आएं तो उस इलाके में स्थाई शांति लाई जा सकती है, जो सदियों से युद्ध और हिंसा झेलता आया है।

ट्रम्प ने कहा कि गाजा पर खर्च किया गया हर डालर इलाके में स्थिरता लाने और बेहतर भविष्य बनाने में निवेश है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक भेजे जाएंगे, वे कब तैनात होंगे और दी गई रकम का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा। 5 देशों ने युद्ध से तबाह फलस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि यह बोर्ड अब दुनिया भर के संघर्ष सुलझाने में भी भूमिका निभाएगा। ट्रम्प ने कहा, बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की निगरानी करेगा और सुनिश्चित करेगा कि वह ठीक से काम कर रहा है। वहीं, श्बोर्ड ऑफ पीसश की पहली बैठक से ठीक पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक हुई। इसमें वेस्ट बैंक में इजरायल के नियंत्रण बढ़ाने की कोशिशों की आलोचना की गई। बैठक में भारत समेत ज्यादातर देशों ने सीनियर अधिकारियों को भेजा। वहीं पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर आर्बन खुद पहुंचे। जर्मनी, इटली, नार्वे, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन उन देशों में हैं, जो बोर्ड में शामिल नहीं हुए हैं, लेकिन आब्जर्वर के तौर पर भाग लिया।

9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपये देंगे

मैंने भारत-पाक को 200 प्रतिशत टैरिफ की चेतावनी दी तब लड़ाई रोकने के लिए माने: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वाशिंगटन में फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद वे संघर्ष रोकने के लिए माने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये बात 'बोर्ड ऑफ पीस' कार्यक्रम में कही। ट्रम्प ने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच हालात बहुत खराब थे, लड़ाई तेज हो गई थी और विमान गिराए जा रहे थे। मैंने दोनों नेताओं (मोदी और शहबाज शरीफ) को फोन किया। मैंने दोनों से साफ कह दिया था कि अगर वे झगड़ा खत्म नहीं करेंगे तो मैं उनके साथ कोई ट्रेड डील नहीं करूंगा। ट्रम्प के मुताबिक दोनों देश लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे का मामला आया और नुकसान की बात सामने आई तो वे मान गए। ट्रम्प ने दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान 11 महंगे फाइटर जेट्स गिराए गए थे।

ट्रम्प ने ईरान को 'बुरी चीजों' की चेतावनी दी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने परमाणु समझौते के लिए तय की 10-15 दिन की समय सीमा

■ ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक 'अर्थपूर्ण' समझौता करना होगा: ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि यदि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने में विफल रहा तो बुरी चीज़ें होंगी और उन्होंने ईरान पर फैसले के लिए अपनी समय सीमा 10-15 दिन तक बढ़ा दी। ट्रम्प का यह बयान पश्चिम एशिया में अमेरिका की भारी सैन्य तैयारी के बीच आया है, जिससे बड़े युद्ध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक 'अर्थपूर्ण' समझौता करना होगा। इस बीच, अमेरिका इस सप्ताह के अंत तक ईरान पर हमला करने के लिए तैयार है, हालांकि ट्रम्प ने अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बात करते हुए, ट्रम्प ने कहा कि 10-15 दिन, ज्यादा से ज्यादा। या तो हम समझौता कर लेंगे या यह उनके लिए बुरा होगा। अमे. रिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें 10 दिनों के अंदर पता चल जाएगा कि ईरान के साथ समझौता मुमकिन है या नहीं। उन्होंने बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में कहा कि हमें इसे एक कदम और आगे ले जाना पड़ सकता है, या शायद नहीं भी। शायद हम एक समझौता कर लें।

आपको अगले शायद 10 दिनों में पता चल जाएगा। ट्रम्प ने इज़रायल के ज़ोर देने पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की बार-बार बात की है। ईरान में पिछले महीने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई में हज़ारों लोग मारे गए थे। पिछले साल जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमलों का ज़िक्र करते हुए, ट्रम्प ने दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। अगर उनके पास परमाणु हथियार हैं तो आप पश्चिम एशिया में शांति नहीं ला सकते। ट्रम्प ने कहा कि अब ईरान के लिए हमारे साथ उस रास्ते पर चलने का समय है, जो हम कर रहे हैं, उसे पूरा करे। अगर वे हमारे साथ आते हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा। अगर वे हमारे साथ नहीं आते हैं, तो भी यह बहुत अच्छा होगा, लेकिन यह एक बहुत अलग रास्ता होगा। वे पूरे इलाके की स्थिरता को खतरा नहीं पहुंचा सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें एक समझौता करना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, 'तो बुरी चीजें होंगी।

ईरान ने दिया डोनाल्ड ट्रम्प को अल्टीमेटम

■ कहा: यदि अमेरिका हमला करता है, तो उसके ठिकानों पर हमला ईरान के लिए वैध होगा: ईरान

न्यूयॉर्क। ईरान ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका अपनी सैन्य धमकियों पर अमल करता है, तो अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों पर ईरानी हमले 'वैध' होंगे। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने पत्र में कहा कि ईरान किसी भी हमले का 'निर्णायक' जवाब देगा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सैन्य आक्रामकता के गंभीर परिणामों की चेता. वनी भी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई उस धमकी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने परमाणु मुद्दे पर अमेरिका के साथ समझौता करने के लिए 'अधिकतम 10-15 दिन' का समय दिया है। उन्होंने कहा कि यदि दोनों पक्ष किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहते हैं, तो 'बुरी चीजें' होंगी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थाई मिशन ने भी ट्रम्प के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि यह 'सैन्य आक्रामकता के वास्तविक खतरे का संकेत है', हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान युद्ध नहीं चाहता है। पत्र में चेतावनी दी गई कि 'किसी भी अप्रत्याशित और अनियंत्रित परिणाम के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका पूर्ण और प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होगा।' बढ़ते तनाव के बीच पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य तैनाती पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने संवाददाताओं से कहा कि महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, अन्य लोगों की तरह, सैन्य जमावड़े, युद्धाभ्यास और चल रहे प्रशिक्षण को लेकर बहुत चिंतित हैं। इसीलिए हम ईरान और अमेरिका दोनों को ओमान की मध्यस्थता में अपनी चर्चा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

चीन को ऑप्टिकल संचार और 6जी तकनीक में बड़ी कामयाबी

बीजिंग। चीन ने ऑप्टिकल फाइबर और वायरलेस नेटवर्क को जोड़ने वाली एकीकृत संचार प्रणाली विकसित की है, जिसने डेटा ट्रांसमिशन की गति में नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। वैज्ञानिक जर्नल नेचर में गुरुवार को प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, एआई डाटा केंद्रों में कंप्यूटिंग शक्ति की बढ़ती मांग और अगली पीढ़ी के 6जी वायरलेस नेटवर्क के विकास के लिए विभिन्न परिस्थितियों में उच्च गति और कम विलंबता वाले सिग्नल ट्रांसमिशन की आवश्यकता होती है। ऑप्टिकल फाइबर और वायरलेस संचार प्रणालियों के बीच हालांकि सिग्नल आकिटेक्चर और हार्डवेयर में अंतर के कारण एक ही बुनियादी ढांचे पर दोनों प्रणालियों के बीच उच्च गति और अनुकूल एंड-टू-एंड ट्रांसमिशन हासिल करना कठिन रहा है। यह उच्च गति दूरसंचार नेटवर्क के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई थी, जिस पर चीनी शोध दल ने कामयाबी हासिल कर ली है। पेकिंग विश्वविद्यालय, पेंग चेंग प्रयोगशाला, शंघाईटेक विश्व. विद्यालय और राष्ट्रीय ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स इनोवेशन सेंटर की शोध टीम ने एक एकीकृत संचार प्रणाली विकसित की है, जो ऑप्टिकल फाइबर पर 512 जीबीपीएस और वायरलेस पर 400 जीबीपीएस का सिगल-चैनल सिग्नल ट्रांसमिशन प्राप्त करती है।

सेना प्रमुख द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलिया में सैन्य सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने चार दिन की आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान वहां शीर्ष सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में मजबूत नेतृत्व, सेनाओं के बीच संयुक्तता और बहुराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर बल दिया।

सेना ने शुक्रवार को यहां बताया कि जनरल द्विवेदी 16 से 19 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर थे। उनकी यात्रा से भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग को नई गति मिली और दोनों देशों के बीच सामरिक समन्वय और गहरा हुआ। यात्रा के दौरान जनरल द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक बातचीत की। इन चर्चाओं में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग की समीक्षा की के साथ सेना-से-सेना सहयोग का दायरा बढ़ाने के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त अभ्यासों के दायरे और जटिलता को बढ़ाने, व्यावसायिक सैन्य शिक्षा आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने तथा दोनों सेनाओं के बीच पारस्परिक संचालन क्षमता को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया। सिडनी में सेना प्रमुख ने फोर्सेज कमांड, स्पेशल ऑपरेशंस कमांड और ऑस्ट्रेलियाई सेना की दूसरी डिवीजन के नेतृत्व से मुलाकात की। इन वार्ताओं में बल की तत्परता, परिचालन सिद्धांतों और प्रशिक्षण पद्धतियों पर विच. ारों का आदान-प्रदान हुआ। द्विपक्षीय सेना अभ्यास 'आस्ट्राहिन्द' पर विशेष चर्चा हुई और दोनों पक्षों ने इस वर्ष भारत में होने वाले इसके आगामी संस्करण को और समृद्ध बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कैनबरा में जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट के साथ विस्तृत चर्चा की। वर्ष 2015 में अमेरिकी आर्मी वॉर कॉलेज के सहपाठी होने के अपने साझा अनुभव के आधार पर दोनों सेना प्रमुखों ने संस्थागत संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग के नए आयाम विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल मुख्यालय में आयोजित व्यापक गोलमेज चर्चा में सैन्य आधुनिकीकरण, उभरती प्रौद्योगिकियों और भविष्य के परिचालन परिवेश से संबंधित विषयों पर विचार किया गया।

■ यात्रा के दौरान जनरल द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक बातचीत की

बीएलए ने पकड़े गए पाक सैनिक को मार देने की धमकी दी

बीएलए ने कुछ तस्वीरें व वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाक सैनिकों को पकड़ लिया है

क्वेटा। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 21 फरवरी के बाद उसके लड़ाकों को रिहा करने के लिए बातचीत शुरू नहीं हुई, तो वह अपनी हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी सैनिकों को मार देगा। गौरतलब है कि बीएलए ने कुछ तस्वीरें और वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया है।

इस समूह ने सात दिन की समयसीमा देते हुए मांग की है कि पकड़े गए सैनिकों के बदले हिरासत में लिए गए उसके लड़ाकों को रिहा किया जाए। पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था। उनकी ओर से यह तर्क दिया गया कि वीडियो में दिखने वाले लोग पाकिस्तानी सैनिक नहीं हैं और वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। बीएलए की ओर से इसके बाद जारी एक नए वीडियो में, सातों बंदी एक साथ नजर आ रहे हैं और वे अपने आधिकारिक 'आर्मी सर्विस कार्ड' दिखा रहे हैं। उनमें से एक, सिपाही मोहम्मद शहराम,

■ पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था

अपने सैन्य पहचान पत्र और राष्ट्रीय पहचान पत्र को हाथ में लेकर बोल रहा है। बेहद परेशान दिख रहे शहराम ने सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा किए जा रहे इन्कार पर सवाल उठाया। उसने पूछा कि अगर ए कार्ड असली नहीं हैं, तो इन्हें किसने जारी किया? अगर हम सेना के नहीं हैं, तो हमारी भर्ती क्यों की गई थी? उसने कहा कि वह अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा है और उसके पिता विकलांग हैं जो उसी पर निर्भर हैं। बीएलए ने दो अन्य व्यक्तियों के वीडियो भी जारी किए हैं, जिनकी पहचान खैबर पख्तूनख्वा के बुनेर गांव के दीदार उल्लाह और गुजरांवाला के उस्मान के रूप में हुई है। दोनों ने अपने पहचान पत्र दिखाए और पुष्टि की कि वे पाकिस्तान सेना के सेवारत सदस्य हैं। सशस्त्र समूह की चेतावनी 21 फरवरी को समाप्त होने वाली है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से धमकी दी है कि अगर पाकिस्तान न तो बातचीत करता है और न ही औपचारिक रूप से उन्हें स्वीकार करता है, तो बंदियों को मार दिया जाएगा। इस पूरी घटना ने 1999 के कारगिल युद्ध की यादें ताजा कर दी हैं, जब जनरल परवेज मुशर्रफ के नेतृत्व में पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व ने शुरुआत में यह मानने से इनकार कर दिया था कि उनके नियमित सैनिक नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार काम कर रहे थे। उस समय, युद्ध के मैदान के सबूतों और बरामद शवों ने आधिकारिक बयानों को गलत साबित कर दिया था, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की किरकिरी हुई थी।

आसिम मुनीर मेरे बॉस नहीं: पाक रक्षा मंत्री

ख्वाजा आसिफ ने कहा: सेना अब सरकार नहीं चलाती, इतिहास में दखल था, अब सिस्टम अलग है

म्यूनिख। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनके बास नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि उनके बास प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाकिस्तान की सरकार चला रहे हैं।

उन्होंने माना कि अतीत में सेना ने सीधे शासन संभाला था। आसिफ ने कहा, पाकिस्तान का एक सिस्टम है। हमारे इतिहास में ऐसे दौर रहे हैं, जब सेना का सरकार पर नियंत्रण रहा। एक समय ऐसा भी था जब सेना ने दखल देकर सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली थी। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान अफगानिस्तान से खतरे, आतंकवाद, भारत के साथ तनाव और कमजोर अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे हालात में पाकिस्तानी सेना सरकार का समर्थन कर रही है। ख्वाजा आसिफ म्यूनिख सिक्योरिटी कांउंसिल में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी गए थे। इस दौरान उन्होंने फ्रांस 24 को इंटरव्यू दिया। ख्वाजा आसिफ ने इससे पहले पिछले साल दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान में सरकार और सेना मिलकर देश चलाते हैं। आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल से चलाया जा रहा है। आसिफ पहले भी कई बार हाइब्रिड मॉडल की तारीफ कर चुके हैं। अरब न्यूज को दिए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान का पालिटिकल सिस्टम आदर्श लोकतंत्र नहीं, लेकिन जरूरी है। उन्होंने कहा था कि यह मॉडल पाकिस्तान की आर्थिक और शासन की समस्याओं को हल करने में 'कमाल' कर रहा है। ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्राक्सी वार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है। आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी, तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा। आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है। इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद में हाल ही में हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लगभग सभी बड़े आतंकी संगठनों की मौजूदगी है।

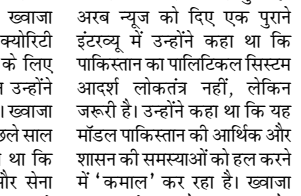

■ फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाक की सरकार चला रहे हैं

अफगान में पत्नियों व बच्चों की पिटाई की अनुमति देने वाला कानून लागू

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का नया कानून पत्नियों और अपने बच्चों की पिटाई की अनुमति देता है बशर्ते कि इस पिटाई के कारण हड्डियां नहीं टूटें और खुले जख्म नहीं हों। 'दे महाकुमु जज़ाई उसूलनामा' नामक 90 पन्नों के इस आपराधिक प्रक्रिया संहिता को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने मंजूरी दी है।

दस अध्यायों और 119 अनुच्छेदों वाले इस दस्तावेज़ में घरेलू हिंसा को कुछ खास शर्तों के साथ वैध करार दिया गया है। संहिता के अनुच्छेद 32 के तहत पतियों को पिटाई करने की इजाजत है, जबकि अनुच्छेद 34 के अनुसार एक शादीशुदा औरत को अपने शौहर की इजाजत के बिना माता-पिता के घर जाने पर तीन महीने तक की जेल हो सकती है। यह नया कानून अफगान समाज को चार श्रेणियों में बांटता है जिसमें सजा का मात्रा, अपराध की गंभीरता के बजाय अपराधी की सामाजिक स्थिति के आधार पर तय होगी। सबसे ऊपरी श्रेणी में मौलाना या धार्मिक उपदेशक हैं जिन्हें शारीरिक दंड से छूट है और उनके लिए अधिकतम सजा केवल सलाह या चेता. वनी भर है। दूसरे पायदान पर कबायली बुजुर्ग हैं जिन्हें केवल अदालती समन और सलाह देने की सजा है। मध्य वर्ग तीसरी श्रेणी में है जिन्हें मानक कारावास का सामना करना पड़ सकता है, जबकि चौथी श्रेणी यानी निचले वर्ग के लोगों को कारावास के साथ-साथ सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने जैसे शारीरिक दंड दिए जा सकते हैं।

■ यह नया कानून अफगान समाज को चार श्रेणियों में बांटता है

ब्रिटेन ने अमेरिका को एयरबेस देने से किया इन्कार

फैसले से डोनाल्ड ट्रम्प नाराज, रिपोर्ट: यूएस एयरबेस से ईरान पर हमला करना चाहता है

लंदन। ब्रिटेन ने अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए अपने एयरबेस देने से मना कर दिया है। अमेरिका इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन ब्रिटेन ने इन्कार कर दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुता. बिक, ब्रिटेन के इस फैसले से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उस समझौते से समर्थन वापस ले लिया है, जिसमें चागोस द्वीप समूह को मारीशस को सौंपने की बात थी।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस का इस्तेमाल करना चाहता है। डिएगो गार्सिया, चागोस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है। 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है। दरअसल पुराने समझौतों के मुताबिक, ब्रिटेन के किसी भी सैन्य ठिकाने का इस्तेमाल तभी हो सकता है, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री इसकी मंजूरी दें। अंतर्राष्ट्रीय कानून भी कहता है कि अगर कोई देश जानता है कि सैन्य कार्रवाई गलत है और फिर भी मदद करता है, तो उसे भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ट्रम्प ने चागोस आइलैंड्स को लेकर ब्रिटेन की आलोचना की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर गुरुवार को लिखा कि 100 साल की लीज किसी देश के मामले में ठीक फैसला नहीं है। डिएगो गार्सिया जैसा ठिकाना छोड़ना बहुत बड़ी गलती होगी। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान, अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तो अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद डिएगो गार्सिया और फेयरफोर्ड के एयरफील्ड का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। ऐसे में इन ठिकानों का कंट्रोल बेहद जरूरी है। वहीं ब्रिटिश सरकार का कहना है कि मारीशस के साथ समझौता सुरक्षा कारणों से जरूरी है। उनका तर्क है कि इससे लंबे और महंगे कानूनी विवाद से बचा जा सकेगा। बताया जा रहा है कि इस पूरे समझौते पर करीब 35 बिलियन पाउंड (4 हजार अरब रुपये से ज्यादा) का खर्च आ सकता है। डिएगो गार्सिया, हिंद महासागर में स्थित चागोस आइलैंड्स का हिस्सा है। ब्रिटेन ने 1814 में नेपोलियन को हराने के बाद इन आइलैंड्स पर कब्जा किया था।

■ 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है